RNI NO.DELHI/2012/48369
वर्ष 10 अंक 23
नई दिल्ली, शनिवार, 27 नवंबर, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

पैट कमिंस बने आस्ट्रेलिया टेस्ट टीम के कप्तान
स्पोर्ट्स-10

परिवारवाद लोकतंत्र के लिए बड़ा खतराः मोदी

- विपक्षी दलों पर पीएम का कड़ा प्रहार कहा-देश के लिए यह चिंता का विषय

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को एक बार फिर वंशवाद की राजनीति पर तीखा प्रहार किया और कहा कि एक स्वस्थ लोकतंत्र के कामकाज के लिए सबसे बड़ा खतरा तब होता है जब कोई पार्टी पीढ़ी दर पीढ़ी एक ही परिवार द्वारा चलाई जाती है और पार्टी की पूरी प्रणाली एक ही परिवार द्वारा नियंत्रित होती है। किसी का नाम लिए बिना, मोदी ने संसद के सेंट्रल हॉल में संविधान दिवस समारोह में परिवार-आधारित पार्टियों पर हमला बोला। उन्हें परिवार के लिए पार्टी, परिवार द्वारा पार्टी के रूप में वर्णित किया और कहा कि मुझे नहीं लगता कि इस बारे में मुझे कुछ और कहने की आवश्यकता है। कांग्रेस के आह्वान पर 15 विपक्षी दलों ने इस कार्यक्रम का बहिष्कार किया। विपक्षी दल आरोप लगाते रहे हैं कि सरकार संसदीय लोकतंत्र को कमजोर कर रही है।

संसद के केंद्रीय कक्ष में संविधान दिवस पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने किसी दल विशेष का नाम लिए बगैर इस आयोजन का बहिष्कार करने वाले दलों को भी आड़े हाथों लिया और इस पर चिंता जताते हुए कहा कि संविधान निर्माता बाबा साहेब आंबेडकर जैसे स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान का स्मरण ना करने और उनके खिलाफ विरोध के भाव को यह देश स्वीकार नहीं करेगा।

उन्होंने कहा कि संविधान की भावनाओं को चोट पहुंचाए जाने की घटनाओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, इसलिए हर वर्ष संविधान दिवस मनाकर राजनीतिक दलों को अपना मूल्यांकन करना चाहिए। उन्होंने कहा, अच्छा होता कि देश आजाद होने के बाद... 26 जनवरी के बाद (संविधान लागू होने के बाद)...देश में संविधान दिवस मनाने की परंपरा शुरू होती। उन्होंने कहा कि ऐसा होता तो एक जीवंत इकाई और सामाजिक दस्तावेज के रूप में संविधान एक बहुत बड़ी ताकत के रूप में पीढ़ी दर पीढ़ी काम आता। उन्होंने कहा, लेकिन कुछ लोग इससे चूक गए। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब वर्ष 2015 में उन्होंने संसद में बाबा साहब आंबेडकर की 125 वीं जयंती पर संविधान दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा था, उस वक्त भी इसका विरोध किया गया था। उन्होंने कहा, विरोध आज भी हो रहा है... उस दिन भी हुआ था। बाबा साहेब आंबेडकर का नाम हो और आपके मन में विरोध का भाव उठे, देश यह सुनने को तैयार नहीं है। अब भी बड़ा दिल रखकर, खुलेमन से ...बाबा साहब आंबेडकर जैसे मनीषियों ने जो देश को दिया है, इसका स्मरण करने को तैयार ना होना, यह चिंता का विषय है। ज्ञात हो कि कांग्रेस समेत 15 विपक्षी दलों ने सरकार पर संविधान की मूल भावना पर आघात करने और अधिनायकवादी तरीके से कामकाज करने का आरोप लगाते हुए संविधान दिवस के इस कार्यक्रम का बहिष्कार किया। कांग्रेस के अलावा समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी, भाकपा, माकपा, द्रमुक, अकाली दल, शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, राजद, आरएसपी, केरल कांग्रेस (एम), आईयूएमएल और एआईएमआईएम इस कार्यक्रम से दूर रहे। भाजपा एवं सहयोगी दलों के साथ ही, वाईएसआर कांग्रेस पार्टी, तेलंगाना राष्ट्र समिति, तेलुगू देशम पार्टी, बीजू जनता दल और बसपा के सदस्य भी कार्यक्रम में शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने कहा कि (शेष पेज 9)

पंद्रह विपक्षी दलों ने संविधान दिवस कार्यक्रम का किया बहिष्कार

नई दिल्ली। कांग्रेस समेत 15 विपक्षी दल शुक्रवार को संसद के केंद्रीय कक्ष में आयोजित संविधान दिवस कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए और सरकार पर संविधान की मूल भावना पर आघात करने और अधिनायकवादी तरीके से कामकाज करने का आरोप लगाया। कांग्रेस के अलावा समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी, भाकपा, माकपा, द्रमुक, अकाली दल, शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, राजद, आरएसपी, केरल कांग्रेस (एम), आईयूएमएल और एआईएमआईएम इस कार्यक्रम से दूर रहे।संविधान दिवस पर संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित सांसद एवं अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। भाजपा एवं सहयोगी दलों के (शेष पेज 9)

सीजेआई का वकीलों से न्यायाधीशों व न्यायपालिका को बचाने का आह्वान

नई दिल्ली। देश के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) एन. वी. रमण ने शुक्रवार को अधिवक्ताओं से न्यायाधीशों की मदद करने, न्यायपालिका को स्वार्थी और चुनिंदा हमलों से बचाने के साथ-साथ जरूरतमंदों की मदद करने का आह्वाहन किया ताकि जनता के मन में उनके प्रति विश्वास पैदा हो सके। प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण संविधान दिवस के अवसर पर उच्चतम न्यायालय बार एसोसिएशन (एससीबीए) द्वारा आयोजित समारोह को संबाधित कर रहे थे। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, मैं आप सभी से यह कहना चाहता हूं कि आप न्यायाधीशों और संस्था (न्यायपालिका) की मदद करें। अंततः हम सभी एक ही बड़े परिवार का हिस्सा हैं। स्वार्थी और प्रेरित लोगों के कतिपय हमलों से संस्था की रक्षा करें। सही के पक्ष में और गलत के खिलाफ खड़े होने से ना डरें। संविधान (शेष पेज 9)

कोरोना के नए वैरिएंट से हड़कंप कई देशों ने लगाए यात्रा प्रतिबंध

- दक्षिण अफ्रीका में मिले इस वैरिएंट से 25 साल तक के लोगों को ज्यादा खतरा
- भारत भी सतर्क, दक्षिण अफ्रीका, बोत्सवाना और हांगकांग के यात्रियों की कड़ी जांच के आदेश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीका में कोरोना वायरस के नए संस्करण बी.1.1.529 का पता लगने के बाद से महामारी से पस्त अनेक देशों में घबराहट फैल गई है। एहतियाती कदम उठाते हुए कई देशों ने दक्षिण अफ्रीकी नागरिकों और अफ्रीकी देशों से होकर आने वाले अन्य यात्रियों पर क्वॉरंटीन तथा टीकाकरण जैसे नियम दोबारा लागू कर दिए हैं। भारत ने भी सतर्कता बरते हुए दक्षिण अफ्रीका, बोत्सवाना और हांगकांग के यात्रियों की कठोर जांच करने का आदेश जारी किया है।

वैज्ञानिकों के अनुसार कोविड-19 नया संस्करण मुख्य रूप से 25 वर्ष से कम आयु वर्ग के लोगों को प्रभावित कर रहा है, जिन लोगों का टीकाकरण हुआ है, उनमें वायरस के खिलाफ दर प्रतिरोधक क्षमता केवल 26 फीसदी है। विशेषज्ञों का कहना है कि वर्तमान वैक्सीन इस वायरस के लिए उपयुक्त (शेष पेज 9)

शेयर बाजार ने लगाया 1,688 अंक का गोता

मुंबई। शेयर बाजारों में शुक्रवार को बड़ी गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स 1,688 अंक लुढ़क गया। कोविड-19 वायरस की नई किस्म को लेकर चिंता के बीच वैश्विक बाजारों में बिकवाली के साथ घरेलू बाजार में गिरावट आई। ऐसी खबरें हैं कि वायरस की नई किस्म टीका लेने वाले लोगों को भी संक्रमित करता है। शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक अब तक दक्षिण अफ्रीका, बोत्सवाना और हांगकांग में पाए गए इस किस्म में उत्परिवर्तनों (म्यूटेशन) का आसाधारण मेल है। ब्रिटेन और जापान जैसे देश पहले ही यात्रा संबंधी प्रतिबंध लगा चुके हैं जिसके साथ लॉकडाउन का नया दौर शुरू होने की आशंका बढ़ गई है। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,687.94 अंक यानी 2.87 प्रतिशत का गोता लगाकर 57,107.15 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 509.80 अंक यानी 2.91 प्रतिशत लुढ़क कर 17,026.45 अंक पर बंद हुआ।

ग्रेटर नोएडा में दो बदमाशों ने चौकी इंचार्ज को मारी गोली

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा बिलासपुर चौकी के इंचार्ज और सब इंस्पेक्टर को दो बाइक सवार बदमाशों ने गोली मार दी और फरार हो गए। अभी गौतमबुद्ध नगर पुलिस की ओर से इस कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। घायल सब इंस्पेक्टर को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दनकौर थाना क्षेत्र के बिलासपुर कस्बे में चौकी इंचार्ज सब इंस्पेक्टर अंकुर चौधरी शुक्रवार की दोपहर करीब 3 बजे केनरा बैंक के सामने से गुजर रहे थे। उसी वक्त बाइक पर सवार होकर दो बदमाश आए और अंकुर पर फायरिंग कर दी। अंकुर के पांव में गोली लगी है। सब इंस्पेक्टर को यथार्थ अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां उनकी हालत सामान्य है। फॉरेंसिक टीम को भी जांच के लिए मौका-ए-वारदात पर भेजा गया है। वहीं दनकौर के एसएचओ, एसीपी और एडिशनल डीसीपी बिलासपुर गए हैं। हमलावरों की पहचान करने के लिए पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है।

देश 26/11 के घाव कभी नहीं भूल सकताः मोदी

मुंबई। राजनीतिज्ञों, बॉलीवुड की हस्तियों और नागरिकों ने मुंबई में 26 नवंबर, 2008 को हुए हमले में आतंकवादियों से लड़ते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों को शुक्रवार को पुष्पांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवादी हमलों के शहीदों को श्रद्धांजलि देने में देश का नेतृत्व किया और राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि राष्ट्र हमेशा उन सुरक्षा कर्मियों का आभारी रहेगा जिन्होंने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी, राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और राज्य के गृह मंत्री दिलीप वालसे पाटिल ने दक्षिण मुंबई स्थित पुलिस मुख्यालय में स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। एक अधिकारी ने बताया कि कोस्टल रोड परियोजना पर काम जारी रहने के कारण शहीदों के स्मारक को मरीन ड्राइव में पुलिस जिमखाना पर उसके मूल स्थल से क्रॉफर्ड मार्केट स्थित पुलिस मुख्यालय में स्थानांतरित कर दिया गया है। रीढ़ की हड्डी की सर्जरी के बाद मुंबई के एक अस्पताल में स्वास्थ्य लाभ कर रहे मुख्यमंत्री (शेष पेज 9)

भारत से 15 दिसंबर से 99 देशों की उड़ानें शुरू होंगी

- कोरोना से सबसे अधिक प्रभावित देशों को लेकर बरती जा रही अभी सतर्कता

राजेश कुमार। नई दिल्ली

भारत से 99 देशों के लिए 15 दिसंबर से अंतरराष्ट्रीय उड़ानें दोबारा शुरू होंगी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने शुक्रवार को यह घोषणा की है। इससे यात्रियों, छात्रों, कॉर्पोरेट और पर्यटन क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। कोविड-19 संक्रमण पर नियंत्रण नहीं होने के कारण चीन, दक्षिण अफ्रीका, सिंगापुर, इजराइल, हांगकांग, यूनाइटेड किंगडम, यूरोप, ब्राजील, बांग्लादेश, बोत्सवाना, मॉरीशस, न्यूजीलैंड और जिम्बाब्वे के लिए अभी फ्लाइट शुरू नहीं होंगी।

यह निर्णय गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के बीच परामर्श के बाद लिया गया है। कोविड-19 महामारी के चलते पिछले साल 23 मार्च से भारत में अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर रोक लगा दी गई थी। मंत्रालय ने नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को पत्र लिखकर निर्धारित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को फिर से शुरू करने के लिए आगे की आवश्यक कार्रवाई करने के लिए कहा है। आदेश के अनुसार, मंत्रालय ने स्वास्थ्य मंत्रालय के कोविड विश्लेषण के आधार पर देशों को तीन स्तरों में बांटने के बाद उड़ानों को फिर से शुरू करने की अनुमति दी है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने जिन देशों की पहचान कोविड-19 के जोखिम के रूप में नहीं है वहां पूर्ण क्षमता के साथ द्विपक्षीय हवाई सेवा समझौतों के अनुसार हवाई सेवाएं शुरू की जाएगी। आदेश में कहा गया है कि यदि किसी देश की पहचान कोविड-19 के जोखिम के रूप में की गई है और उसका भारत के साथ हवाई बबल समझौता है, तो भारतीय या विदेशी वाहक के पूर्व-कोविड निर्धारित अंतरराष्ट्रीय उड़ान संचालन का 75 (शेष पेज 9)

बिहार, झारखंड व उप्र सबसे गरीब राज्य

- कुपोषित लोगों की संख्या भी सबसे अधिक बिहार में, उसके बाद झारखंड, मध्य प्रदेश उत्तर प्रदेश का नंबर
- एमपीआई सूचकांक में केरल, पुडुचेरी, लक्षद्वीप गोवा, दिल्ली, तमिलनाडु व पंजाब सबसे अमीर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सरकारों के तमाम दावों के उलट अभी भी बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश देश के सबसे गरीब राज्य हैं। नीति आयोग के बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) में यह तथ्य उभर कर आए हैं। एमपीआई के अनुसार बिहार की 51.91 प्रतिशत जनसंख्या गरीब है। वहीं झारखंड में 42.16 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश में 37.79 प्रतिशत आबादी गरीबी में जीवन जी रही है।

सूचकांक में मध्य प्रदेश (36.65 प्रतिशत) चौथे स्थान पर है, जबकि मेघालय (32.67 प्रतिशत) पांचवें स्थान पर है। इस सूची में केरल (0.71 प्रतिशत), गोवा (3.76 प्रतिशत), सिक्किम (3.82 प्रतिशत), तमिलनाडु (4.89 प्रतिशत) और पंजाब (5.59 प्रतिशत) पूरे देश में सबसे अमीर राज्य हैं यानी यहां सबसे कम गरीब लोग रहते हैं और ये राज्य सूचकांक में सबसे नीचे हैं। केंद्र शासित प्रदेशों में दादरा और नगर हवेली (27.36 प्रतिशत), जम्मू-कश्मीर और लद्दाख (12.58), दमन एवं दीव (6.82 प्रतिशत) और चंडीगढ़ (5.97 प्रतिशत) देश के सबसे गरीब केंद्र शासित प्रदेश हैं। पुडुचेरी की 1.72 प्रतिशत आबादी गरीब है। इसके अलावा लक्षद्वीप (1.82 प्रतिशत), अंडमान और निकोबार द्वीप समूह (4.30 प्रतिशत) और दिल्ली (4.79 प्रतिशत) ने बेहतर प्रदर्शन किया है। बिहार में कुपोषित लोगों की संख्या सबसे अधिक है, जिसके बाद झारखंड, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ का स्थान है। मातृत्व स्वास्थ्य से वंचित आबादी का प्रतिशत, स्कूली शिक्षा से वंचित आबादी, स्कूल में उपस्थिति और खाना पकाने के ईंधन तथा बिजली से वंचित आबादी के प्रतिशत के मामले में भी बिहार का सबसे खराब प्रदर्शन है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत का राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक ऑक्सफोर्ड पॉवर्टी एंड ह्यूमन डेवलपमेंट इनीशिएटिव (ओपीएचआई) और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) द्वारा विकसित विश्व स्तर पर स्वीकृत और मजबूत पद्धति का उपयोग कर तैयार किया जाता है।

बहुआयामी गरीबी सूचकांक में मुख्य रूप से परिवार की आर्थिक हालात और अभाव की स्थिति को आंका जाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के एमपीआई में तीन समान आयामों- स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर का मूल्यांकन किया जाता है। इसका आकलन पोषण, बाल और किशोर मृत्यु दर, प्रसवपूर्व देखभाल, स्कूली शिक्षा के वर्ष, स्कूल में उपस्थिति, खाना पकाने के ईंधन, स्वच्छता, पीने के पानी, बिजली, आवास, संपत्ति तथा बैंक खाते जैसे 12 संकेतकों के जरिये किया जाता है। वर्ष 2015 में 193 देशों द्वारा अपनाए गए (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	57,107	↓	1687	
निफ्टी	17,026	↓	509	
सोना	47,155	↑	570	/10g
चांदी	62,145	↑	190	/kg

क्विक न्यूज

सेना ने नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम की पाकिस्तानी आतंकवादी ढेर

जम्मू। सेना ने जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम करते हुए एक पाकिस्तानी आतंकवादी को मार गिराया। एक रक्षा प्रवक्ता ने शुक्रवार को बताया कि सेना के सतर्क जवानों ने बृहस्पतिवार देर रात भिंबर गली के अग्रिम इलाके में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की कोशिश का पता लगाया। उन्होंने घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी और एक पाकिस्तानी आतंकवादी को मार गिराया। प्रवक्ता ने बताया कि आतंकवादी के शव के साथ हथियार और गोला बारूद बरामद किए गए है। अभियान अभी जारी है। खबर है कि सीमापार से कई आतंकी अभी घुसपैठ की फिराक में हैं। इसको लेकर सेना का अभियान चल रहा है।

अफगानिस्तान के लोगों को राजनीतिकरण के बिना मिले मानवीय सहायताः भारत

भाषा। नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि रूस, भारत और चीन को यह सुनिश्चित करने के लिए साथ मिलकर काम करने की जरूरत है कि अफगानिस्तान के लोगों को निर्बाध रूप से एवं किसी तरह के राजनीतिकरण के बिना मानवीय सहायता प्राप्त हो।

रूस, भारत और चीन (आरआईसी) समूह के विदेश मंत्रियों की बैठक को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि आरआईसी देशों के लिए यह आवश्यक है कि आतंकवाद, कट्टरपंथ और मादक पदार्थों की तस्करी के खतरों से निपटने में अपने रुख को लेकर वे समन्वय स्थापित करें। आरआईसी समूह की इस बैठक में चीन के विदेश मंत्री वांग ई और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लॉवरोव भी मौजूद थे। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि नजदीकी पड़ोसी और पुराना सहयोगी होने के नाते भारत अफगानिस्तान में हाल के घटनाक्रम को लेकर चिंतित है, खासतौर पर वहां के लोगों की परेशानियों को लेकर। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जयशंकर ने कहा कि भारत, अफगानिस्तान में समावेशी एवं सभी वर्गों के प्रतिनिधित्व वाली सरकार तथा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2593 का हिमायती है। उन्होंने कहा, आरआईसी देशों को यह सुनिश्चित करने के लिए साथ मिलकर काम करने की जरूरत है कि अफगानिस्तान के लोगों को निर्बाध रूप से एवं किसी तरह के राजनीतिकरण के बिना मानवीय सहायता प्राप्त हो। जयशंकर ने अपने संबोधन में आरआईसी के ढांचे के तहत तीनों देशों के बीच करीबी वार्ता और सहयोग बढ़ाने की भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। गौरतलब है कि आरआईसी के ढांचे के तहत तीनों देशों के विदेश मंत्री समय-समय पर आपसी हितों से जुड़े द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करते हैं।

भारत ने पिछले वर्ष मॉस्को में तीनों देशों के समूह की बैठक के दौरान अध्यक्षता का दायित्व लिया था। जयशंकर ने कहा, मैं समझता हूं कि कारोबार, निवेश, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, विज्ञान (शेष पेज 9)

जम्मू में एक दशक से अधूरा पड़ा विस परिसर

- परियोजना के लिए फंड नहीं, सुशासन के दावों पर भारी भरकम खर्च

मोहित कंधारी। जम्मू

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्रियों और यहां तक कि राज्यपालों ने भी सुशासन का ढोल पीटने के लिए पानी की तरह पैसा बहाया है। हालांकि एक दशक से भी अधिक समय से निर्माणाधीन एक महत्वाकांक्षी परियोजना शासन की कार्य संस्कृति की पोल खोल रही है।

यह सिर्फ कोई सामान्य बुनियादी ढांचा परियोजना नहीं है, बल्कि जम्मू में नया विधानसभा परिसर है, जिसका निर्माण कार्य पूरा करने के लिए फंड ही नहीं है। विडंबना यह है कि निर्माण कार्य में तेजी लाने और अनुत्पादक लागत वृद्धि को रोकने के लिए कोई प्रयास नहीं किया गया है। परिसर की आधारशिला पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने 1 जुलाई 2011 को जम्मू में रखी थी। प्रारंभ में इस परियोजना पर 113 करोड़ की लागत आने का अनुमान था। अब परियोजना निर्माण एजेंसी जम्मू-कश्मीर प्रोजेक्ट कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन लिमिटेड (जेकेपीसीसी) ने 190 करोड़ से अधिक की संशोधित लागत आने की बात कही है और प्रस्ताव पर केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन की मंजूरी का इंतजार कर रही है। परियोजना अभियंताओं के अनुसार 2015 तक परियोजना पर काम सुचारू रूप से चल रहा था, लेकिन भाजपा-पीडीपी गठबंधन सरकार बनने बाद कार्य बाधित हो गया। निर्माण एजेंसी जेकेपीसीसी ने उसी दौरान संशोधित लागत का प्रस्ताव सरकार के पास भेजा था जो अभी तक लंबित है। उस समय इस संशोधित प्रस्ताव में परियोजना पर 150 करोड़ से अधिक खर्च होने का अनुमान लगाया गया था। जेकेपीसीसी की ओर से अब तक करीब 80 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। धन नहीं मिलने के कारण न केवल परियोजना में देरी हुई, बल्कि इसकी निर्माण लागत और बढ़ गई।

भाजपा-पीडीपी गठबंधन सरकार गिरने के बाद से परियोजना का काम पूरी तरह बंद है। अगस्त 2019 में, तत्कालीन जम्मू और कश्मीर राज्य के अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35 निरस्त होने के बाद पुनर्गठित होने के बाद भी, परियोजना निष्पादन एजेंसी लंबित कार्यों को पूरा करने के लिए धन प्राप्त करने में विफल रही है। इसके अलावा कोरोना महामारी के कारण भी कार्य बाधित हुआ। कार्यकारी निदेशक और जेकेपीसीसी के मुख्य अभियंता प्रदीप कुमार शर्मा ने द पायनियर को बताया कि हाल ही में मुख्य सचिव अरुण कुमार मेहता ने परियोजना स्थल का दौरा किया (शेष पेज 9)

Piramal Capital & Housing Finance

पंजीकृत कार्यालय पता : यूनिट नंबर 601, छठा तल, पीरामल अमिति बिल्डिंग, पीरामल अगस्त्य कार्पोरेट पार्क, कमानी जंक्शन, फायर स्टेशन के सामने, एलबीएस मार्ग, कुर्ला (वेस्ट), मुंबई – 400 070
सीआईएन : एल65910एमएच1984पीएलसी032639, वेबसाइट : www.piramalfinance.com
शाखा पता : धीरज बाग, बिल्डिंग "ए" भू तल एवं प्रथम तल, ऐक्सिस बैंक के बगल में, मोनालिसा बिल्डिंग के सामने, आगरा रोड, हरि निवास सर्किल, नौपाडा, थाने (वेस्ट)–400 602

मांग सूचना

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनरनिर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3(1) के अधीन। अधोहस्ताक्षरी वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनरनिर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (उक्त अधिनियम) के अधीन पीरामल कैपिटल ऐंड हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड (पीसीएचएफएल) ख्यूर्वतः दीवान हाउसिंग फाइनैंस कारपोरेशन लिमिटेड (डीएचएफएल) के नाम से ज्ञात, का प्राधिकृत अधिकारी है। प्राधिकृत अधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 13(12) के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के अधीन प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के अधीन मांग सूचनाएं जारी की थीं, जिनमें निम्नलिखित कर्जदार(रों) ("उक्त कर्जदार(रों)") से उनको जारी की गई संबंधित मांग सूचना(ओं) में वर्णित राशियां, जो यहां नीचे भी दी गई हैं, चुकाने की मांग की गई थी। उपरोक्त के संबंध में, एतद्द्वारा, उक्त कर्जदार(रों) को, एक बार पुनः, पीसीएचएफएल को यहां नीचे दी गई राशियों का भुगतान, उक्त कर्जदार(रों) द्वारा निष्पादित अन्य दस्तावेज/प्रलेख, यदि कोई, के साथ पठित ऋण अनुबंध के अधीन देय, नीचे वर्णित तिथि(यों) से, भुगतान तथा/अथवा वसूली की तिथि तक, लागू दर पर आगे ब्याज सहित, इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 60 दिन के भीतर करने हेतु सूचना दी जाती है। उक्त कर्जदार(रों) द्वारा ऋण की सम्यक वापसी के लिए प्रतिभूति के रूप में निम्नलिखित आस्तियां पीसीएचएफएल के पास बंधक रखी गई हैं।

कर्जदार (रों)/गारंटर (रों) का नाम	मांग सूचना तिथि और राशि एनपीए तिथि सहित	प्रत्याभूत आस्ति (अचल सम्पत्ति) का वर्णन
(गुरूग्राम शाखा का एलसी नंबर : 00001035) सुशील मल्होत्रा (कर्जदार) रितु मल्होत्रा (सह–कर्जदार 1)	08–10–2021/रू. 1,57,71,436/– (रूपए एक करोड़ सत्तावन लाख इकहत्तर हजार चार सौ छत्तीस मात्र) एनपीए (10–07–2021)	प्लॉट नंबर सी 10/9, तृतीय तल छत के अधिकार के साथ, कृष्ण नगर, विजय चौक, नई दिल्ली–110051
(जालंधर शाखा का एलसी नंबर : 00003686) सुखोमल जुनेजा (कर्जदार) मंजीत जुनेजा (सह–कर्जदार 1)	01–10–2021/रू. 1,19,05,994/– (रूपए एक करोड़ उन्नीस लाख पांच हजार नौ सौ चौरानवे मात्र) एनपीए (12–05–2021)	309, न्यू डिफेंस कालोनी, फेज 1, निकट भीमजी फेज–1, जालंधर, पंजाब –144001
(नोएडा शाखा का एलसी नंबर : 00002397) मीनाक्षी चोपड़ा (कर्जदार) द्वारका चोपड़ा (सह–कर्जदार 1) अक्षत चोपड़ा (सह–कर्जदार 2)	08–10–2021/रू. 85,60,747/– (रूपए पिचासी लाख साठ हजार सात सौ सैंतालीस मात्र) एनपीए (10–07–2021)	डीडीए एमआईजी फ्लैट नंबर 115, तृतीय तल, प्रसाद नगर, नई दिल्ली–110032
(नोएडा 1 राजेन्द्र प्लेस शाखा का एलसी नंबर : 00001737) नरेश कुमार अग्रवाल (कर्जदार) शारदा (सह–कर्जदार 1) विकास गुप्ता (सह–कर्जदार 2)	21–10–2021/रू. 66,52,688/– (रूपए छियासठ लाख बावन हजार छह सौ अठासी मात्र) एनपीए (09–09–2021)	प्लॉट नंबर 206 बी, ब्लॉक एफ, किला नंबर 59/12/1, ग्राम खुरेजी खास, मंगल बाजार, लक्ष्मी नगर, पीपल चौक, नई दिल्ली–110085
(गुरूग्राम शाखा का एलसी नंबर : 00002608) एडवांसटेक इंजीनियरिंग प्रा. लि. (कर्जदार) निरंजन कुमार यादव (सह–कर्जदार 1) शकुंतला यादव (सह– कर्जदार 2) सबदेव यादव (गारंटर 1)	21–10–2021/रू. 60,10,150/– (रूपए साठ लाख दस हजार एक सौ पचास मात्र) एनपीए (09–09–2021)	प्लॉट नंबर 715, सेक्टर–15, पार्ट 2, गुरूग्राम, हरियाणा–122001
(नोएडा 1 राजेन्द्र प्लेस शाखा का एलसी नंबर : 0001727) अजय (कर्जदार) मयंक मचान (सह–कर्जदार 1)	21–10–2021/रू. 46,29,019/– (रूपए छियालीस लाख उन्तीस हजार उन्नीस मात्र) एनपीए (09–09–2021)	प्लॉट नंबर बी–36, द्वितीय तल (आर एच एस), मोती नगर, नई दिल्ली–110015
(नेताजी सुभाष प्लेस शाखा का एलसी नंबर : 00002098) संजीव शर्मा (कर्जदार) निरूपमा शर्मा (सह–कर्जदार 1)	08–10–2021/रू. 45,71,895/– (रूपए पैंतालीस लाख इकहत्तर हजार आठ सौ पिच्यानवे मात्र) एनपीए (10–07–2021)	खाता नंबर 102, खसरा नंर पुराना 115 मिन एवं 50 क होटल देव पैलेस बद्रीनाथ मार्ग, मौजा तपोवन पट्टी धामांदष्य नरेन्द्र नगर, हरिद्वार टिहरी गढ़वाल, उत्तरांचल–249192
(नेताजी सुभाष प्लेस शाखा का एलसी नंबर : 00000870) अनिल कुमार मलिक (कर्जदार) कुणाल मलिक (सह–कर्जदार 1)	21–10–2021/रू. 44,35,617/– (रूपए चौवालीस लाख पैंतीस हजार छह सौ सत्रह मात्र) एनपीए (09–09–2021)	सम्पत्ति सं. सी–6/18 एवं 19, सी–6/18 के रूप में ज्ञात, तृतीय तल छत के अधिकार सहित, ब्लॉक सी–6, राणा प्रताप बाग, नई दिल्ली–110007
(गुरूग्राम शाखा का एलसी नंबर : 00000418) विक्रम सिंह (कर्जदार) राजवीर सिंह देसवाल (सह–कर्जदार 1) पूनम देवी (सह–कर्जदार 2) विक्रमादित्य एजूकेशन सोसायटी (गारंटर 1)	21–10–2021/रू. 43,04,441/– (रूपए तेतालीस लाख चार हजार चार सौ इकतालीस मात्र) एनपीए (09–09–2021)	प्लॉट नंबर 12, प्रथम तल, ब्लॉक सी, पाकेट 9, सेक्टर–07, रोहिणी, नई दिल्ली–110085
(नई दिल्ली शाखा का एलसी नंबर : 00005135) प्रकाश श्रीवास्तव (कर्जदार) प्रियंका श्रीवास्तव (सह–कर्जदार 1)	08–10–2021/रू. 37,72,390/– (रूपए सैंतीस लाख बहत्तर हजार तीन सौ नब्बे मात्र) एनपीए (09–09–2021)	अपार्टमेंट नंबर आई–1205, 12वां तल, टावर आई, एसोटेक विंडसर कोर्ट, प्लॉट नंबर जीएच–04 ए, सेक्टर–78, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश–201301
(नेताजी सुभाष प्लेस शाखा का एलसी नंबर : 00000369) अनिल कुमार मलिक (कर्जदार) कुणाल मलिक (सह–कर्जदार 1)	21–10–2021/रू. 36,80,742/– (रूपए छत्तीस लाख अस्सी हजार सात सौ बयालीस मात्र) एनपीए (09–09–2021)	सम्पत्ति सं. सी–6/18 एवं 19, सी–6/18 के रूप में ज्ञात, तृतीय तल छत के अधिकार सहित, ब्लॉक सी–6, राणा प्रताप बाग, नई दिल्ली–110007
(गुरूग्राम शाखा का एलसी नंबर : 00000417) विक्रम सिंह (कर्जदार) राजवीर सिंह देसवाल (सह–कर्जदार 1) पूनम देवी (सह–कर्जदार 2) विक्रमादित्य एजूकेशन सोसायटी (गारंटर 1)	21–10–2021/रू. 36,72,609/– (रूपए छत्तीस लाख बहत्तर हजार छह सौ नौ मात्र) एनपीए (09–09–2021)	प्लॉट नंबर 57 (एफएफ), ब्लॉक सी, पाकेट 9, सेक्टर–07, रोहिणी, नई दिल्ली–110085
(दिल्ली जनकपुरी शाखा का एलसी नंबर : 00000925) चरणजीत सिंह कोहली (कर्जदार) अरविंद कौर कोहली (सह–कर्जदार 1)	21–10–2021/रू. 32,69,328/– (रूपए बत्तीस लाख उनहत्तर हजार तीन सौ अट्ठाईस मात्र) एनपीए (09–09–2021)	सम्पत्ति सं. 59, ब्लॉक ए, द्वितीय तल, छत का अधिकार नहीं, स्टेट बैंक कालोनी, नई दिल्ली–110009
(नोएडा शाखा का एलसी नंबर : 00003049) पंकज शर्मा (कर्जदार) कुसुम (सह–कर्जदार 1) देवेन्द्र भारद्वाज (सह–कर्जदार 2) बिहारी लाल (गारंटर 1)	27–07–2021/रू. 30,87,834/– (रूपए तीस लाख सतासी हजार आठ सौ चौंतीस मात्र) एनपीए (10–12–2020)	प्लॉट नंबर 64, खसरानंबर 487, ग्राम पीरागढ़ी, वेस्ट दिल्ली, नई दिल्ली–110085
(आजादपुर एनएसपी शाखा का एलसी नंबर : 00000380) गोविंद बागड़ी (कर्जदार) रवि कुमार (सह–कर्जदार 1) चेत राम (सह–कर्जदार 2) मूर्ति देवी (गारंटर 1)	27–07–2021/रू. 30,67,996/– (रूपए तीस लाख सड़सठ हजार नौ सौ छियानवे मात्र) एनपीए (09–01–2021)	डी–2/173, तृतीय तल, ब्लॉक डी–2, खसरा नंबर 11/21, ग्राम असालतपुर खादर, जीवन पार्क, उत्तम नगर, नई दिल्ली–110059
(दिल्ली – पीतमपुरा शाखा का एलसी नंबर : 00000380) मुकेश जैन (कर्जदार) दर्शना देवी (सह–कर्जदार 1) जय भगवान जैन (सह–कर्जदार 2)	21–10–2021/रू. 30,38,350/– (रूपए तीस लाख अड़तीस हजार तीन सौ पचास मात्र) एनपीए (09–09–2021)	सम्पत्ति सं. सी–7, खसरा नंबर 11, भू तल, ब्लॉक सी, गली नंबर 5, मजलिस पार्क, नई दिल्ली–110033
(रोहिणी शाखा का एलसी नंबर : 00001524) मनोज सिंह (कर्जदार) मोनिका देवी (सह–कर्जदार 1)	21–10–2021/रू. 29,94,992/– (रूपए उन्तीस लाख चौरानवे हजार नौ सौ बानवे मात्र) एनपीए (09–09–2021)	मकान नंबर 50, ब्लॉक ए, सेक्टर–एमयू 1, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश–201301
(दिल्ली राजौरी गार्डन शाखा का एलसी नंबर : 00000828) मीना वर्मा (कर्जदार) संजय वर्मा (सह–कर्जदार 1)	21–10–2021/रू. 25,63,229/– (रूपए पच्चीस लाख तिरेसठ हजार दो सौ उन्तीस मात्र) एनपीए (09–09–2021)	सम्पत्ति सं. 1576 ए, द्वितीय तल, फ्रंट साइड, पुराना प्लॉट नंबर 3563/3026/1068/511, महावीर ब्लॉक, भोलानाथ नगर, शाहदरा, नई दिल्ली–110051
(दिल्ली – सफदरजंग शाखा का एलसी नंबर : 00042724) मनीष कुमार बेनीवाल (कर्जदार) गिरीश कुमार (सह–कर्जदार 1)	21–10–2021/रू. 25,45,225/– (रूपए पच्चीस लाख पैंतालीस हजार दो सौ पच्चीस मात्र) एनपीए (09–09–2021)	आरजैड–एफ–22/25 तृतीय तल, छत के अधिकार सहित और कार पार्किंग यूएलडी प्लॉट नंबर 22 एवं 23, डाबड़ी एक्सटेंशन, नई दिल्ली–110045
(रोहिणी शाखा का एलसी नंबर : 00002063) शीला पी जॉय (कर्जदार) शिबू जॉय (सह–कर्जदार 1)	08–10–2021/रू. 23,15,935/– (रूपए तेईस लाख पंद्रह हजार नौ सौ पैंतीस मात्र) एनपीए (10–07–2021)	सम्पत्ति सं. 1 सी, खसरा नंबर 557/2, भू तल छत के साथ, फ्रंट आरएचएस, मस्जिद वाली गली, ग्राम सुल्तानपुर, दिल्ली, नई दिल्ली–110030
(दिल्ली – पीतमपुरा शाखा का एलसी नंबर : 00041514) सोनी अरामवेरी जॉनी (कर्जदार) जोस के जीलू (सह–कर्जदार 1)	08–10–2021/रू. 22,20,466/– (रूपए बाईस लाख बीस हजार चार सौ छियासठ मात्र) एनपीए (10–07–2021)	प्लॉट नंबर 30 ए, अपर ग्राउंड फ्लोर, रियर साइड पोर्शन, छत का अधिकार नहीं, खसरा नंबर 947, गुलाब बाग, ग्राम नवादा, उत्तम नगर, नई दिल्ली–110059
(नेताजी सुभाष प्लेस शाखा का एलसी नंबर : 00002036) अनिल कुमार मलिक (कर्जदार) कुणाल मलिक (सह–कर्जदार 1)	21–10–2021/रू. 21,76,948/– (रूपए इक्कीस लाख छहत्तर हजार नौ सौ अड़तालीस मात्र) एनपीए (09–09–2021)	सम्पत्ति सं. सी–6/18, तृतीय तल छत के अधिकार सहित, राणा प्रताप बाग, नई दिल्ली–110007
(कनॉट प्लेस शाखा का एलसी नंबर : 00000659) उत्तम कुमार (कर्जदार) पिंकी देवी (सह–कर्जदार 1)	21–10–2021/रू. 21,26,639/– (रूपए इक्कीस लाख छब्बीस हजार छह सौ उन्तालीस मात्र) एनपीए (09–09–2021)	प्लॉट नंबर 459 बी, तृतीय तल, गली नंबर 6, टेरेस का अधिकार नहीं, खसरा नंबर 83, गोविंदपुरी, कालकाजी, नई दिल्ली–110019
(गुरूग्राम – सोहना रोड शाखा का एलसी नंबर : 00044299) जियारत अली (कर्जदार) तसमीना बेगम (सह–कर्जदार 1)	21–10–2021/रू. 21,08,007/– (रूपए इक्कीस लाख आठ हजार सात मात्र) एनपीए (09–09–2021)	प्लॉट नंबर आर–1/9, द्वितीय तल, छत के अधिकार सहित, खसरा नंबर 133, ग्राम बिंदापुर, वाणी विहार, उत्तम नगर, नई दिल्ली–110059
(दिल्ली – जनकपुरी शाखा का एलसी नंबर : 00000869) संजू सत्यपालान (कर्जदार) रेखा वर्मा (सह–कर्जदार 1)	21–10–2021/रू. 20,91,293/– (रूपए बीस लाख इक्यानवे हजार दो सौ तिरानवे मात्र) एनपीए (09–09–2021)	सम्पत्ति सं. 15, सम्पूर्ण द्वितीय तल, ब्लॉक पाकेट 4 जी, सेक्टर–16, रोहिणी, नई दिल्ली–110085
(दिल्ली – जनकपुरी शाखा का एलसी नंबर : 00000674) मोहम्मद इकबाल (कर्जदार) नेहा परवीन (सह–कर्जदार 1)	21–10–2021/रू. 20,20,917/– (रूपए बीस लाख बीस हजार नौ सौ सत्रह मात्र) एनपीए (09–09–2021)	प्लॉट नंबर ए–618, प्रथम तल, पुराना प्लॉट नंबर 34, खसरा नंबर 56/11/34, गुरू राम दास नगर, लक्ष्मी नगर, शाहदरा, नई दिल्ली–110092
(दिल्ली – जनकपुरी शाखा का एलसी नंबर : 00001180) रोहित कुमार (कर्जदार) पिंकी (सह–कर्जदार 1)	08–10–2021/रू. 19,96,985/– (रूपए उन्नीस लाख छियानवे हजार नौ सौ पिचासी मात्र) एनपीए (10–07–2021)	सम्पत्ति सं. आरजैड–3डी/4, तृतीय तल, छत के अधिकार सहित, खसरा नंबर 646, गली नंबर 8 एवं 8 ए, इंद्रा पार्क, ग्राम नासिरपुर पालम कालोनी, नई दिल्ली–110046
(नई दिल्ली – पश्चिम शाखा का एलसी नंबर : 00002073) अमित कुमार (कर्जदार) जयराम (सह–कर्जदार 1)	08–10–2021/रू. 19,51,431/– (रूपए उन्नीस लाख इक्यावन हजार चार सौ इकतीस मात्र) एनपीए (10–07–2021)	फ्लैट नंबर सी–1, द्वितीय तल, आरएचएस सदर्न पोर्शन, खसरा नंबर 872/1 मिन, विस्तारित लाल डोरा आबादी, ग्राम बुराड़ी, नई दिल्ली–110007
(दिल्ली जनकपुरी शाखा का एलसी नंबर : 00000924) चरणजीत सिंह कोहली (कर्जदार) अरविंद कौर कोहली (सह–कर्जदार 1)	21–10–2021/रू. 18,78,736/– (रूपए अठारह लाख अठहत्तर हजार सात सौ छत्तीस मात्र) एनपीए (09–09–2021)	सम्पत्ति सं. 59, ब्लॉक ए, द्वितीय तल, छत का अधिकार नहीं, स्टेट बैंक कालोनी, नई दिल्ली–110009
(नई दिल्ली – पश्चिम शाखा का एलसी नंबर : 00000828) अशोक कुमार (कर्जदार) रानी (सह–कर्जदार 1)	21–10–2021/रू. 18,18,813/– (रूपए अठारह लाख अठारह हजार आठ सौ तेरह मात्र) एनपीए (09–09–2021)	प्लॉट नंबर 310 एवं 311 (भू तल) ब्लॉक एवं पाकेट ई 19, सेक्टर–03, रोहिणी, नई दिल्ली–110001
(नोएडा सेक्टर–2 शाखा का एलसी नंबर : 00043071) नसरूद्दीन (कर्जदार) अफसाना (सह–कर्जदार 1)	08–10–2021/रू. 17,85,593/– (रूपए सत्रह लाख पिचासी हजार पांच सौ तिरानवे मात्र) एनपीए (10–07–2021)	सम्पत्ति सं. 1279 ए/8, प्रथम तल, रियर साइड, खसरा नंबर 93, गली नंबर 8, गोविंदपुरी, काल्काजी, नई दिल्ली–110019
(दिल्ली राजौरी गार्डन शाखा का एलसी नंबर : 00001523) पवन कुमार (कर्जदार) चित्रा (सह–कर्जदार 1)	08–10–2021/रू. 17,49,555/– (रूपए सत्रह लाख उन्चास हजार पांच सौ पचपन मात्र) एनपीए (10–07–2021)	सम्पत्ति सं. एम–90, खसरा नंबर 771 एवं 772, अपर ग्राउंड फ्लोर, ब्लॉक एम, श्याम पार्क, उत्तम नगर, नई दिल्ली–110059
(रोहिणी शाखा का एलसी नंबर : 00001685) पंकज सग्गी (कर्जदार) नीरू (सह–कर्जदार 1)	08–10–2021/रू. 17,44,778/– (रूपए सत्रह लाख चौवालीस हजार सात सौ अठहत्तर मात्र) एनपीए (10–07–2021)	डब्ल्यूजैड 139–बी/10, तृतीय तल मय छत, गली नंबर 12, ग्राम नागली जालिब कालोनी, खसरा 58, न्यू महावीन नगर, नई दिल्ली–110018
(दिल्ली जनकपुरी शाखा का एलसी नंबर : 00000314) गजेन्द्र सिंह (कर्जदार) नीलम देवी (सह–कर्जदार 1)	08–10–2021/रू. 16,31,640/– (रूपए सोलह लाख इकतीस हजार छह सौ चालीस मात्र) एनपीए (10–07–2021)	म्युनिसिपल नंबर 1091, प्रथम तल, पुराना म्युनिसिपल नंबर 1103, प्लॉट नंबर 83, गली नंबर 70, देवा राम पार्क, त्रिनगर, नई दिल्ली–110035
(लखनऊ शाखा का एलसी नंबर : 00006578) नमिता सिंह (कर्जदार) हरिहर प्रसाद सिंह (सह–कर्जदार 1)	21–10–2021/रू. 15,96,850/– (रूपए पंद्रह लाख छियानवे हजार आठ सौ पचास मात्र) एनपीए (09–09–2021)	प्लॉट नंबर 22 का पार्ट, खसरा नंबर 83 का पार्ट, ग्राम रसूलपुर कायस्थ, बी के टी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश–226020
(दिल्ली जनकपुरी शाखा का एलसी नंबर : 00001380) नरेन्द्र कुमार चौरसिया (कर्जदार) दीपक कुमार चौरसिया (सह–कर्जदार 1)	21–10–2021/रू. 14,34,068/– (रूपए चौदह लाख चौंतीस हजार अड़सठ मात्र) एनपीए (09–09–2021)	डब्ल्यूजैड–1–ए, द्वितीय तल, छत का अधिकार नहीं, प्लॉट नंबर 33, गली नंबर 1, खसरा नंबर 16/24, ग्राम केशोपुर, न्यू साहिब पुरा, दिल्ली, नई दिल्ली–110018
(गुरूग्राम – सोहना रोड शाखा का एलसी नंबर : जीयूआर 31557) राजेन्द्र प्रसाद मलिक (कर्जदार) बिजय कुमार मलिक (सह–कर्जदार 1)	08–10–2021/रू. 14,14,281/– (रूपए चौदह लाख चौदह हजार दो सौ इक्यासी मात्र) एनपीए (10–07–2021)	एच/फ्लैट नंबर ए–2/703, यूनि होम्स, सेक्टर–117, ग्राम नोएडा, उत्तर प्रदेश–201301
(नेताजी सुभाष प्लेस शाखा का एलसी नंबर : 00002120) प्रणव कुमार (कर्जदार) उर्मिला ठाकुर (सह–कर्जदार 1) कंचन (सह कर्जदार 2)	21–10–2021/रू. 13,36,298/– (रूपए तेरह लाख छत्तीस हजार दो सौ अट्ठानवे मात्र) एनपीए (09–09–2021)	प्लॉट नंबर 51 ए, प्रथम तल, फ्रंट साइड, खसरा नंबर 543, ब्लॉक–ए, केशोराम पार्क, उत्तम नगर, नई दिल्ली–110059
(दिल्ली – सफदरजंग शाखा का एलसी नंबर : 00043961) विजय कुमार (कर्जदार)	08–10–2021/रू. 12,64,939/– (रूपए बारह लाख चौंसठ हजार नौ सौ उन्तालीस मात्र) एनपीए (11–04–2021)	फ्लैट नंबर 04, प्लॉट नंबर ए–23, प्रथम तल, रियर प्रथम एलएचएस ब्लॉक–ए, एसएलएफ वेद विहार, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
(नोएडा शाखा का एलसी नंबर : 00002537) कुंदन कुमार (कर्जदार) पम्मी कुमारी (सह–कर्जदार 1)	08–10–2021/रू. 12,08,235/– (रूपए बारह लाख आठ हजार दो सौ पैंतीस मात्र) एनपीए (10–07–2021)	यूनिट नंबर 107, प्रथम तल, जिंदल होम्स–2, खाता नंबर 00002, खसरा नंबर 84, ग्राम गढ़ी चौखंडी, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश–201301
(गुरूग्राम शाखा का एलसी नंबर : 00002449) सरवन कुमार (कर्जदार) ज्योति गुलाटी (सह–कर्जदार 1)	21–10–2021/रू. 11,07,240/– (रूपए ग्यारह लाख सात हजार दो सौ चालीस मात्र) एनपीए (09–09–2021)	प्लॉट नंबर क्यू 57, एफएफ बैक साइड, खसरा नंबर 79, ग्राम बिंदापुर, ब्लॉक क्यू, गली नंबर 06, विकास विहार, मानस कुंज रोड, उत्तम नगर, नई दिल्ली–110059
(नई दिल्ली शाखा का एलसी नंबर : 00005091) बॉबी (कर्जदार) देवेन्द्री (सह–कर्जदार 1)	21–10–2021/रू. 11,04,696/– (रूपए ग्यारह लाख चार हजार छह सौ छियानवे मात्र) एनपीए (09–09–2021)	फ्लैट नंबर 367 टीएफ, तृतीय तल, ब्लॉक जी, सेक्टर एमयू–01, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश–201308
(गुरूग्राम शाखा का एलसी नंबर : 00001879) शिवेक्स प्लास्ट इंजीनियरिंग (कर्जदार) लालमणि भारद्वाज (सह–कर्जदार 1) कृष्ण कुमार भारद्वाज (सह–कर्जदार 2) ओविन्स एसएसएस इंडिया (गारंटर 1) वैजयंती देवी (गारंटर 2)	21–10–2021/रू. 10,55,313/– (रूपए दस लाख पचपन हजार तीन सौ तेरह मात्र) एनपीए (09–09–2021)	एम मशीन नाम :– 1) वर्टिकल मशीनिंग सेंटर 2) सीवीएम–1060 के साथ मित्सुबिशी एम80 सीएनसी कंट्रोलर एपी माडल नंबर :– सीवीएम 1060 एपी इन्वॉइस नंबर :– 177–रिवी–बैल
(नोएडा शाखा का एलसी नंबर : 00001865) मोहम्मद शाहिल (कर्जदार)	08–10–2021/रू. 9,49,106/– (रूपए नौ लाख उन्चास हजार एक सौ छह मात्र) एनपीए (12–05–2021)	प्लॉट नंबर सी–249, द्वितीय तल (आरएचएस) एलआईजी फ्लैट ब्लॉक सी, एसएलएफ वेद विहार, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश–201102
(दिल्ली – पीतमपुरा शाखा का एलसी नंबर : 00042081) मुकेश जैन (कर्जदार) दर्शना देवी (सह–कर्जदार 1) जय भगवान जैन (सह–कर्जदार 2)	21–10–2021/रू. 8,97,962/– (रूपए आठ लाख सत्तानवे हजार नौ सौ बासठ मात्र) एनपीए (09–09–2021)	सम्पत्ति सं. सी–7, खसरा नंबर 11, भू तल, ब्लॉक सी, गली नंबर 5, मजलिस पार्क, नई दिल्ली–110033
(तिरूनेलवेली शाखा का एलसी नंबर : 00005834) वसंत नटराजन (कर्जदार) संताना मारी नटराजन (सह–कर्जदार 1)	21–10–2021/रू. 8,79,110/– (रूपए आठ लाख उनासी हजार एक सौ दस मात्र) एनपीए (09–09–2021)	एस नंबर 718/44, डी नंबर 6/42–2, मिडिल स्ट्रीट कालाति–मैडम, कुतापंचन ग्राम पंचायत, अलांगुलम यूनियन एवं तालुक तिरूनेलवेली, जिला तिरूनेलवेली, तमिलनाडु–627851
(आजादपुर एनएसपी शाखा का एलसी नंबर : 00000372) पंकज सग्गी (कर्जदार) नीरू (सह–कर्जदार 1)	21–10–2021/रू. 6,47,174/– (रूपए छह लाख सैंतालीस हजार एक सौ चौहत्तर मात्र) एनपीए (10–07–2021)	डब्ल्यूजैड 139–बी/10, तृतीय तल मय छत, गली नंबर 12, ग्राम नागली जालिब कालोनी, खसरा 58, न्यू महावीन नगर, नई दिल्ली–110018

यदि उक्त कर्जदार पीसीएचएफएल को उपरोक्तानुसार भुगतान करने में विफल रहेंगे, पीसीएचएफएल अधिनियम की धारा 13(4) और लागू नियमों के अधीन उपरोक्त प्रतिभूत आस्तियों के विरूद्ध कार्यवाही प्रारंभ करेगी, जिसकी लागत और परिणामों की जोखिम के लिए उक्त कर्जदार पूर्णरूपेण जिम्मेदार होंगे। उपरोक्त आस्तियों का अंतरण पीसीएचएफएल की पूर्व लिखित सहमति के बिना बिक्री, पट्टा या अन्य प्रकार से करने के संबंध में उक्त कर्जदारों पर अधिनियम के तहत रोक लगी है। कोई भी व्यक्ति, जो उक्त अधिनियम अथवा उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों का उल्लंघन करता है अथवा उस हेतु अभिप्रेरित करता है, अधिनियम के अधीन दी गई व्यवस्था के अनुसार कारावास तथा/अथवा आर्थिक दण्ड का भागी होगा।

तिथि : 27–11–2021
स्थान : दिल्ली

हस्ता./–
(प्राधिकृत अधिकारी)
पीरामल कैपिटल ऐंड हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड

ग्रेटर नोएडा वेस्ट की हर सड़क होगी जगमग

एलईडी स्ट्रीट और स्मार्ट लाइट के लिए प्राधिकरण खर्च करेगा 62 करोड़ रुपये

● करीब 2,200 नए पोल भी लगेंगे

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा और वेस्ट की गलियों का अंधेरापन अब खत्म होने वाला है। ग्रेनो प्राधिकरण अपने दफ्तर के बाद एक और तोहफा देने की तैयारी में है।

प्राधिकरण ग्रेटर नोएडा वेस्ट में 2,300 और एलईडी स्ट्रीट लाइट लगवाने जा रहा है, जिस पर करीब 14 करोड़ रुपये खर्च होंगे। वहीं ग्रेटर नोएडा में करीब 54 हजार स्ट्रीट लाइटें लगी हुई हैं। इन सभी को एलईडी लाइट में कनवर्ट किया जाएगा। इसके लिए 48 करोड़ का टेंडर पहले ही जारी किया जा चुका है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में करीब 200 बिल्डर सोसाइटियों, सेक्टर और गांव बसे हुए हैं। यहां की आबादी बहुत तेजी से बढ़ रही है। तमाम नए रास्ते भी बन रहे हैं। प्राधिकरण यहां के निवासियों के जरूरत की सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। प्राधिकरण के सीईओ नरेंद्र भूषण के निर्देश पर ग्रेटर नोएडा में नए एसटीपी और प्राधिकरण का दफ्तर बनाने की प्रक्रिया पहले ही शुरू कर दी गई है।

अब एलईडी स्ट्रीट लाइट पर भी जल्द काम शुरू होने जा रहा है। प्राधिकरण ग्रेटर नोएडा वेस्ट में अलग-अलग रास्तों पर 2306 एलईडी स्ट्रीट लाइट लगवाने जा रहा है। करीब 2,200 नए पोल भी लगेंगे।

इन रास्तों पर स्ट्रीट लाइट लगवाने की मांग ग्रेटर नोएडा वेस्ट के निवासी कर रहे थे। स्ट्रीट लाइट लगाने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक परियोजना की तरफ से टेंडर जारी कर दिए गए हैं। इस कार्य के प्राधिकरण ने इच्छुक कंपनियों से आवेदन मांगे हैं। 9 दिसंबर तक आवेदन की अंतिम तिथि है। 13 दिसंबर को प्री क्वालीफिकेशन बिड खुलेगी। उसके बाद फइनेंशियल बिड होगी, जिसमें चयनित कंपनी एलईडी स्ट्रीट लाइट लगाएगी। वही कंपनी सात साल तक इसका संचालन व रखरखाव भी करेगी। अगर कोई लाइट खराब होती है तो वह कंपनी ही उसे बदलेगी। ये सभी एलईडी स्ट्रीट लाइटें होंगी। ये स्ट्रीट लाइटें रिमोट मॉनिटरिंग सिस्टम से संचालित होंगी।

इनको जलाने-बुझाने का काम रिमोट से हो सकेगा। तय समय पर जलाई और बुझाई जाएंगी। इससे विद्युत ऊर्जा की भी बचत होगी। बता दें कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट में करीब 15 हजार स्ट्रीट लाइटें लगी हैं, जिनमें से अधिकतर एलईडी स्ट्रीट लाइटें हैं। महाप्रबंधक, परियोजना एके अरोड़ा ने बताया कि टेंडर के जरिए चयनित कंपनी से एलईडी लाइट लगाने का काम शीघ्र शुरू करा दिया जाएगा। सभी स्ट्रीट लाइट बदलने व नए पोल लगाने में करीब छह माह लग जाएंगे।

एक नियंत्रण कक्ष होगा स्थापित

ग्रेटर नोएडा में करीब 54 हजार स्ट्रीट लाइटें लगी हुई हैं। इन सभी को एलईडी लाइट में कनवर्ट किया जाएगा। इसके लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने सूर्या रोशनी लिमिटेड को करीब 48 करोड़ रुपये में बीते 8 सितंबर को जिम्मा दे दिया है।कंपनी ने इस पर काम भी शुरू कर दिया है। एक साल में सभी स्ट्रीट लाइटें बदलने का लक्ष्य है। एलईडी लाइटों के लग जाने से सड़कों पर रोशनी तो बेहतर होगी। एलईडी स्ट्रीट लाइटें ऑटोमेशन सिस्टम पर काम करेंगी। स्ट्रीट लाइटों को सुबह.शाम समय से जलाने.बुझाने के लिए एक नियंत्रण कक्ष होगा। ये ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के जीआईएस से भी जुड़ी होंगीए जिससे प्राधिकरण के सीनियर अफसर भी इस पर नजर रखेंगे। अगर कहीं पर स्ट्रीट लाइट नहीं जल रही है तो सूचना मिलते ही कंपनी उसे तत्काल रिपेयर कराएगी। अगर रिपेयर करने में देरी हुई तो पेनल्टी का भी प्रावधान है। एलईडी स्ट्रीट लाइट लगने से ऊर्जा भी बचेगी और बिजली का बिल भी कम आएगा।

42 करोड़ में होगा गांवों और सेक्टरों का विकास

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने 3 गांवों को स्मार्ट विलेज के रूप में विकसित करने से जुड़े कार्यों के लिए टेंडर जारी किए हैं। इन पर करीब 6 करोड़ रुपये खर्च होने का आकलन है। वहीं, 25 अन्य कार्यों के लिए भी प्राधिकरण ने 41.64 करोड़ रुपये के टेंडर निकाले हैं।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ नरेंद्र भूषण के निर्देश पर गांवों को स्मार्ट विलेज बनाने के प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। पहले चरण के 14 गांव चिन्हित किए हैं, जिनके लिए अलग-अलग टेंडर जारी कर काम कराने के लिए प्राधिकरण प्रयासरत है। कुछ गांवों के टेंडर पहले ही हो चुके हैं। तीन और गांवों को टेंडर अब जारी किए गए हैं। ये छपरौला, चिपियाना खुर्द उर्फ टिगरी और युसुफपुर चकशाहबेरी गांव शामिल हैं। युसुफपुर चक शाहबेरी के टेंडर के लिए 2 दिसंबर तक आवेदन करने की अंतिम तिथि है।

छह दिसंबर को प्री-क्वालीफिकेशन बिड खुलेगी। चिपियाना खुर्द उर्फटिगरी गांव के टेंडर के लिए शुक्रवार से आवेदन शुरू हो गया है। आवेदन की अंतिम तिथि छह दिसंबर है। आठ दिसंबर को प्री क्वालीफकेशन बिड खुलेगी। वहीं, छपरौला के टेंडर के लिए आवेदन शुरू हुए हैं। नौ दिसंबर तक आवेदन किया जा सकता है। इसकी प्री क्वालीफि केशन बिड 13 दिसंबर को खुलेगी। प्री क्वालीफिकेशन के बाद फाइनेंशियल बिड के जरिए स्मार्ट विलेज के कार्यों को करने वाली कंपनी का चयन होगा।

बोड़ाकी में श्मशान घाट और कब्रिस्तान की मरम्मत

महाप्रबंधक एके अरोड़ा ने कंपनियों का चयन होते ही जल्द काम शुरू कराने की बात कही है। इसके अलावा ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने सेक्टरों व गांवों से जुड़े 25 अन्य कार्यों के लिए भी करीब 42 करोड़ रुपये के टेंडर जारी किए हैं।

प्राधिकरण के महाप्रबंधक एके अरोड़ा ने बताया कि इन विकास कार्यों में बोड़ाकी में श्मशान घाट, कब्रिस्तान और बरातघर का मरम्मत, धूम मानिकपुर में सीसी रोड की मरम्मत, सेक्टर अल्फा वन में स्टाफ क्वार्टर की मरम्मत, आईटी सिटी और ग्राम मुर्शिदपुर में सीवर लाइन की मरम्मत, सेक्टर अल्फा वन की सर्विस रोड पर इंटरलॉकिंग टाइल्स, ग्रेटर नोएडा के जोन टू और थ्री में वाटर सप्लाई के लिए पंप हाउस का मरम्मत, सिग्मा थ्री और फोर, अल्फा वन, गामा वन, गामा टू आदि का रखरखाव का कार्य किया जाएगा। सेक्टर तीन के पॉकेट डी की आंतरिक सड़कों की री-सर्फेसिंग, 60 मीटर और 130 मीटर रोड का रखरखाव और कासना में तीन साल के पानी की लाइनों का रखरखाव है।

मसूरी और गालंद में अवैध कॉलोनी जमींदोज

● बिल्डरों के खिलाफ एंटी भू-माफिया एक्ट के तहत होगी कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

अवैध रूप से 2 इलाकों में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों को गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के दस्ते ने प्रवर्तन जोन पांच के प्रभारी मनोज कुमार सागर के नेतृत्व में जमींदोज कर दिया गया।

सागर ने बताया कि मसूरी इलाके में हाजी रिजवान नामक बिल्डर 15000 वर्ग मीटर में अवैध कॉलोनी विकसित कर रहे थे, इसे ध्वस्त कर दिया गया है। इसके अलावा ग्राम गालंद में 2000 वर्ग मीटर में बिलाल नामक व्यक्ति द्वारा कॉलोनी विकसित की जा रही थी इसे भी ध्वस्त कर दिया गया है इस पूरी कार्रवाई में सहायक अभियंता महेंद्र प्रताप सिंह, अवर अभियंता राजेश शर्मा रामानंद नरेंद्र कुमार व जीडीए पुलिस शामिल थी। सागर ने बताया कि इन दोनों बिल्डरों के खिलाफ एंटी भू माफिया एक्ट के तहत कार्रवाई करने की सिफारिश भी जिला प्रशासन से प्रस्तावित की गई है।

ज्ञात हो कि गाजियाबाद शहर की बाहरी सीमा पर जमीनों के रेट आसपान छू रहे है। इस बाबात भू माफिया जीडीए की बिना इजाजत कॉलोनियां काटने में लगे है।

अवैध कॉलोनी को जमींदोज करता जीडीए का बुलडोजर।

बादलपुर में ट्रेन से कटकर व्यक्ति की मौत

नोएडा। थाना बादलपुर के औद्योगिक क्षेत्र में एक अधेड़ व्यक्ति की बृहस्पतिवार रात को ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

थाना बादलपुर के प्रभारी निरीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात को औद्योगिक क्षेत्र में 40-45 साल का एक अज्ञात व्यक्ति ट्रेन की चपेट में आ गया। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि पुलिस मृतक की शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है।

एसटीएफ और पुलिस ने पकड़ा 25 हजार का इनामी बदमाश

● हत्या के मामले में काट चुका है सजा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा एसटीएफ ने वाहन चोरी कर उनकी नंबर प्लेट बदलकर दूसरे जिलों में बेचने वाले शातिर चोरों का भंडाफोड़ किया है।

बृहस्पतिवार को 4 वाहन चोरों को गिरफ्तार किया गया है। इस आरोपी पर पुलिस ने 25 हजार का इनाम रखा हुआ था। पुलिस ने तमंचा, कारतूस और स्कूटी बरामद किया है। पकड़े गए चोर पर एक दर्जन से अधिक आसपास के जिलों में मामले दर्ज है। गुरुवार की दोपहर एसटीएफ की टीम ने एक्सप्रेसवे पुलिस के साथ छपरोली कट के पास से हेमंत उर्फ मोनू दिल्ली को पकड़ा है।

यूपी एसटीएफ के एडिशनल एसपी राजकुमार मिश्रा ने बताया की सूचना के आधार पर छपरोली कट पर पुलिस के पास से गीता कॉलोनी दिल्ली निवासी हेमंत को अरेस्ट किया है। पकड़ा गया हेमंत दिल्ली में एसी फ्रिज मैकेनिक था। साल 2007 से 2009 तक आजादपुर मंडी में पिकअप वैन चलाया करता था।

वार्षिक क्रीड़ा उत्सव संग मनाया संविधान दिवस

● केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1 वायुसेना स्थल हिंडन में हुआ कार्यक्रम

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद जनपद के केंद्रीय विद्यालय क्रमांक एक वायुसेना स्थल हिण्डन मे वार्षिक क्रीड़ा उत्सव का सफल आयोजन संपन्न हुआ।

शुभारंभ विद्यालय के संगीत बैंड के देशभक्ति गीत और खेलो इंडिया गीत से सुषमा त्यागी के मार्गदर्शन में हुआ। पूर्व छात्र रिंकू की सभी प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि का स्वागत मुख्य अध्यापिका ममता सिंह एवं वरिष्ठ शिक्षिका शिल्पी सिंह के द्वारा समृद्धि का प्रतीक पौधा प्रदान कर किया गया। कार्यक्रम प्रभारी सतीश सिरोहा के अनुसार कोरोना नियमों का पालन करते हुए बच्चे तैयारी बहुत दिनों से कर रहे थे। कमेंट्री अंजुबाला त्रेहन और कुमुद रंजन ने बड़े मोहक ढंग से किया। उपप्राचार्य एसके शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम के सफलता की बधाई दी और सभी शिक्षकों एवम छात्रों के खेल भावना और समूह मे कार्य करने की अद्वितीय क्षमता की सराहना की।

5 वाहन चोर गिरफ्तार, 2 बाइक और चाकू बरामद

गाजियाबाद। लोधी पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों से एनसीआर में सक्रिय 5 शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है ।पुलिस ने इनके कब्जे से एक तमंचा दो मोटरसाइकिल तथा चाकू बरामद किए हैं । लोनी थाना प्रभारी अजय चौधरी ने बताया कि लोनी पुस्तक के पास से एक मोटरसाइकिल पर जा रहे तीन युवकों को चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तार किए गए युवक शातिर किस्म के चोर हैं। इनके नाम डाबर तालाब निवासी ताज मोहम्मद उर्फ ताज,गिरी मार्केट निवासी अनस तथा बुद्ध कॉलोनी लोनी निवासी साबिर हैं । इसके अलावा लोनी पुलिस ने बंथला पुलिया के पास से पिस्तल गांव निवासी दुर्गेश व कुलदीप को गिरफ्तार किया है।

एक्शन में नगर निगम, हाईटेक होंगे आश्रय स्थल

● आश्रय स्थलों में मनोरंजन के लिए टीवी, पानी, लाइट, रसोई स्नानघर शौचालय और सोने के बिस्तर की व्यवस्था

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

ठंड की दस्तक बढ़ते ही हॉट सिटी के सभी आश्रय स्थलों को 1 सप्ताह के अंदर हाईटेक कर दिया जाएगा ताकि कोई भी निराश्रित ठंड के मौसम में ठंड का शिकार न हो सके।

नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि इस संबंध में अपर नगर आयुक्त प्रमोद कुमार को ताकीद कर दिया गया है कि महानगर के सभी आश्रय स्थलों को जन सुविधाओं से लैस कर दिया जाए।

गाजियाबाद नगर निगम द्वारा संचालित इस समय महानगर में एक दर्जन स्थाई और 6 अस्थाई आश्रय स्थल है। नगर आयुक्त ने बताया कि निगम द्वारा संचालित आश्रय स्थलों में मनोरंजन के लिए टीवी, पानी, लाइट, रसोई स्नानघर शौचालय और सोने के बिस्तर की व्यवस्था कराई गई है।

खास बात यह है कि मेयर आशा शर्मा ने हाल ही में नगर निगम प्रशासन को इस संबंध में कड़े निर्देश जारी किए हैं ताकि कोई भी बेसहारा या गरीब ठंड का शिकार ना हो। मेयर आशा शर्मा ने बताया कि यदि तापमान और नीचे गिरता है तो अस्थाई आश्रय स्थलों की संख्या और बढ़ाई जा सकती है। नगर आयुक्त ने समस्त जोनल प्रभारियों को भी पत्र लिखकर सभी मूल सुविधाएं अविलंब उपलब्ध कराने के लिए ताकीद किया है। नगर निगम के सभी पार्षदों से आश्रय स्थलों को और अधिक हाईटेक बनाने के लिए सुझाव भी मांगे गए हैं।

सीसीटीवी से निगरानी

आश्रय स्थलों पर कोई भी असामाजिक तत्व बदअमनी ना करें इसलिए आश्रय स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था की गई है। सभी आश्रय स्थल सीसीटीवी कैमरे की नजर में रहेंगे।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाषः 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादकः नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादकः प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

विस सत्र

भाजपा का एक विधायक निलंबित, दो को सदन से निकाला

विधानसभा जाते मुख्यमंत्री केजरीवाल।

संजय राय। नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा का एक दिवसीय संत्र हंगामेदार रहा है। शुक्रवार को जैसे ही सत्र की कार्यवाही शुरू हुई तो भाजपा विधायकों ने नई शराब नीति, शहर में बढ़ते वायु प्रदूषण और पेट्रोल-डीजल पर वैट जैसे विभिन्न मुद्दों पर सुनवाई की मांग की। विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल ने इन मुद्दों पर किसी भी चर्चा से इनकार करते हुए कहा कि एक दिन का विशेष मकसद के लिए बुलाया गया है और केवल एजेंडे में सूचीबद्ध विषयों पर चर्चा की जाएगी। किसी अन्य विषय पर चर्चा की अनुमति नहीं दी जाएगी।

यह सुनते ही भाजपा विधायक सरकार के खिलाफ नारे लगाने लगे। गोयल ने महाजन, बिष्ट और बाजपेयी से अपील की कि वे बैठ जाएं और सदन को चलने दें। उन्होंने अन्य भाजपा विधायकों को भी चेतावनी दी कि वे शांत हो जाएं अन्यथा हंगामा करने और सदन की कार्यवाही बाधित करने के लिए बाहर निकाले जाने के लिए तैयार रहें लेकिन भाजपा

विधायक नहीं माने। इस पर विपक्षी दल के विधायक जितेंद्र महाजन को निलंबित कर दिया और मार्शलों से बिष्ट और बाजपेयी को सदन से बाहर ले जाने के लिए कहा।

इसके विरोध में अन्य विधायकों ने बाहर निकाले गए सहयोगियों के समर्थन में कार्यवाही का बहिष्कार कर सदन से बाहर चले गए। बाद में परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास धरने पर बैठ गए हैं। नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी ने आरोप लगाया कि केजरीवाल सरकार दिल्ली वालों से जुड़े मुद्दों का सामना करने से डर रही है। वहीं, परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने सदन के पूरे सत्र से रोहताश नगर से विधायक महाजन को निलंबित करने का प्रस्ताव पेश किया, जिसे बाद में पारित कर दिया गया। विपक्षी दलों के नेताओं ने वायु प्रदूषण, नई आबकारी नीति और स्थानीय किसानों की स्थिति से संबंधित मुद्दों पर चर्चा से दूर भागने का आरोप लगाया।

कृषि कानूनों की वापसी के बाद सत्र का कोई मतलब नहीं : भाजपा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि कृषि बिलों की वापसी के बाद विशेष सत्र को बुलाने की कोई जरूरत ही नहीं थी। सत्र बुलाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किसानों और गरीबों के हित में किए काम के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को धन्यवाद देना चाहिए था। इससे विपरीत दिल्ली सरकार ने केंद्र की उन योजनाओं को दिल्ली में लागू नहीं किया जो किसानों के हित में है। दिल्ली सरकार ने किसानों से किए वादों को भी पूरा नहीं किया। रामवीर रसिंह बिधूड़ी ने कहा कि सरकार को विशेष सत्र में राष्ट्रीय राजधानी में बढ़ते प्रदूषण, नई शराब नीति, डीजल पर टैक्स कम करने और किसानों की दुर्दशा पर चर्चा की जानी चाहिए थी। अगर कृषि बिलों पर ही चर्चा करनी थी तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया जाना चाहिए था क्योंकि देश के 11 करोड़ किसानों के खातों में अब तक 93 हजार करोड़ रुपया पहुंचाया जा चुका है। तथ्यों के साथ अपनी बात रखते हुए नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि पीएम मोदी के कार्यकाल में कृषि उत्पादन ढाई गुना से ज्यादा बढ़ गया है। न्यूनतम समर्थन मूल्य में ऐतिहासिक बढ़ोत्तरी की गई है।

वहीं दूसरी तरफ जहां दिल्ली सरकार ने केंद्र की योजनाओं को लागू नहीं होने दिया, वहीं आम आदमी पार्टी की सरकार किसानों को एमएसपी पर 50 फीसदी अतिरिक्त राशि देने की घोषणा को लागू नहीं कर सकी।

अफ्रीकी देशों से कोविड-19 के नए संस्करण को लेकर दिल्ली सतर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार ने अफ्रीकी देशों से कोविड-19 के नए स्वरूप के खतरे के मद्देनजर उठाए जाने वाले कदमों पर चर्चा के लिए दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की बैठक बुलायी है।

केंद्र ने गुरुवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा कि दक्षिण अफ्रीका, हांगकांग और बोत्सवाना से आने वाले या इन देशों के रास्ते आने वाले सभी अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की कड़ी जांच की जाए। इन देशों में कोविड-19 के नए स्वरूप के सामने आने की सूचना है जिसके जनस्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ सकते हैं। केजरीवाल ने ट्वीट किया कि अफ्रीकी देशों से कोविड-19 के नए स्वरूप के खतरे के मद्देनजर, हमने विशेषज्ञों से सोमवार को डीडीएमए से चर्चा करने और यह सुझाव देने को कहा है हमें कौन से कदम उठाने चाहिए। हम आपकी और आपके परिवार की रक्षा के लिए आवश्यक सभी कदम उठाएंगे।

आप सरकार ने कृषि कानूनों के खिलाफ प्रस्ताव किया पारित

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विधानसभा के विशेष सत्र को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने संबोधित करते हुए किसानों को केंद्र सरकार के कृषि कानूनों के खिलाफ उनके आंदोलन की सफलता के लिए बधाई देते हुये कहा कि उनकी जीत, लोकतंत्र की जीत है और आम आदमी पार्टी की सरकार उनकी मांगों का समर्थन करती है। इस दौरान विधानसभा ने एक प्रस्ताव पास कर कृषि कानूनों को वापस लेने, आंदोलन के दौरान दिवंगत हुए सात सौ किसानों के परिवारों को मुआवजा देने तथा फसल के न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी दिये जाने की मांग की।

सदन में प्रस्ताव पर एक चर्चा का जवाब देते हुये केजरीवाल ने विधानसभा में कहा किसानों की जीत लोकतंत्र की जीत है। किसानों की लंबित मांग का समर्थन करते हैं, और वह किसानों के साथ हैं । विधानसभा में यह प्रस्ताव ध्वनि मत से पारित हो गया । प्रस्ताव पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने सदन में रखा था ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने लोकसभा में बहुमत होने के कारण अहंकार में तीनों कृषि कानून पारित किया था। लोकसभा में बहुमत होने के कारण कृषि कानून अहंकार में पारित कराया गया। वह किसानों की सफलता पर उन्हें बधाई देते है। देश के लोगों, महिलाओं, युवाओं एवं व्यापारियों के हित में जो कुछ भी होगा, उसका समर्थन करतो है। वह विशेष रूप से पंजाब के किसानों को बधाई देते है। पारित प्रस्ताव में कहा गया है कि केंद्र सरकार की ओर से पारित तीन कृषि कानून सामान्य तौर पर किसानों एवं जनता के हित के खिलाफ था और मुट्ठी भर व्यापारिक घरानों के पक्ष में बनाया गया था।

'आप कार्यकर्ता संविधान की रक्षा करें'

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के गठन के नौ साल पूरे होने पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पार्टी से लोगों की उम्मीदें बढ़ी हैं।

साथ ही उन्होंने कार्यकर्ताओं से संविधान की रक्षा करने की दिशा में काम करने की अपील की। केजरीवाल ने 26/11 आतंकवादी हमले में शहीद हुए जवानों को भी श्रद्धांजलि दी और किसान आंदोलन के एक साल पूरा होने पर किसानों के जज्बे को भी सलाम किया। केजरीवाल ने ट्वीट किया आज संविधान दिवस है। कार्यकर्ताओं से मेरी अपील है कि देश के संविधान की रक्षा और जनता की सेवा में हमें दिन-रात यूं ही मेहनत करते रहना है।

मुख्यमंत्री ने किसानों के लिए बहाए घड़ियाली आंसू : कांग्रेस

नई दिल्ली। किसान आंदोलन के मुद्दे पर कांग्रेस ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार ने कहा कि पंजाब, उत्तर प्रदेश और तीन अन्य राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों को देखते हुए केजरीवाल विधानसभा के एक दिवसीय सत्र में किसानों के लिए घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं जबकि मुख्यमंत्री के दिल में उन किसानों के लिए कोई संवदेना है ही नहीं जो किसान पिछले 12 महीने से सीमाओं पर तीन काले कानूनों के विरूद्ध धरने पर बैठे है।

पीएम मोदी को खट्टर ने दी विकास योजनाओं की जानकारी

- प्रधानमंत्री को अंतराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव के लिए आमंत्रित किया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शुक्रवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर हरियाणा राज्य की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के संदर्भ में अवगत करवाया।

प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने मीडिया से कहा कि हाल ही में प्रधानमंत्री द्वारा हरियाणा सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की सराहना करने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। अंतराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निमंत्रण दिया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई महत्वकांक्षी मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना से भी अवगत कराया। 29 नवंबर से 16 दिसंबर तक हरियाणा में अंत्योदय ग्राम उदय मेलों का आयोजना किया जाएगा ताकि ऐसे 1 लाख परिवारों, जिनकी पारिवारिक आय 1.80 लाख रुपये सालाना से कम है, उनके उत्थान के बारे में व्यापक रूपरेखा तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को आस - ऑटो अपील सॉफ्टवेयर से भी अवगत कराया।

मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा ने ड्रोन से मैपिंग करने के लिए ड्रोन इमेजिंग एंड इन्फारमेशन सर्विस आफ हरियाणा लिमिटेड (दृश्या) का भी गठन किया है। इससे वर्ष में 2 बार ड्रोन के जरिये मैपिंग कर सकते हैं, जैसे कृषि के नाते से मेरी फसल-मेरा ब्यौरा और खनन के संदर्भ में किए जाने वाले सर्वे इत्यादि।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री से लिंगानुपात के आंकडों में लड़कों के मुकाबले लड़कियों की संख्या अधिक आई है, यह खुशी और गर्व की बात है। हरियाणा में भी लिंगानुपात सुधरा है। उन्होंने बताया कि ऑरबिटल रेल कॉरिडोर का विषय भी प्रधानमंत्री के समक्ष रखा। प्रधानमंत्री से किसान आंदलोन के विषय में भी चर्चा हुई।

किसान आंदोलन: सीमाओं पर उत्सव सा माहौल

पहली वर्षगांठ

- हजारों की संख्या में किसान सिंघु, गाजीपुर और टिकरी बॉडर पहुंचे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

किसानों के विरोध प्रदर्शन के एक साल पूरा होने पर दिल्ली यातायात पुलिस ने शुक्रवार को गाजियाबाद से दिल्ली की ओर आने-जाने वाले यात्रियों को वैकल्पिक मार्ग का इस्तेमाल करने की सलाह दी है।

पुलिस ने कहा कि यात्रियों को दिल्ली पहुंचने के लिए विकास मार्ग या जीटी रोड का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है। दिल्ली यातायात पुलिस ने ट्वीट किया कि गाजीपुर अंडरपास के चौराहे पर स्थानीय पुलिस द्वारा लगाए गए अवरोधकों के कारण गाजियाबाद से दिल्ली की ओर वाहनों की आवाजाही धीमी रहने वाली है। यात्रियों को वैकल्पिक विकास मार्ग - जीटी रोड से दिल्ली जाने की सलाह दी जाती है। केंद्र के तीन कृषि कानूनों को औपचारिक रूप से रद्द करने और अपनी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी की मांग को लेकर किसान पिछले एक साल से दिल्ली से सटी तीन सीमाओं - सिंघु, टिकरी और गाजीपुर में डेरा डाले हुए हैं।

किसानों के प्रदर्शन के एक साल पूरा होने के उपलक्ष्य में शुक्रवार को बड़ी संख्या में किसानों के एकत्रित होने के मद्देनजर दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी की विभिन्न सीमाओं पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। केंद्र ने हाल में तीन कृषि कानूनों को निरस्त करने के अपने फैसले की घोषणा की थी।

संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने एक बयान में बृहस्पतिवार को कहा, ''तथ्य यह है कि इतने लंबे संघर्ष को जारी रखना पड़ रहा है, जो स्पष्ट तौर पर सरकार की अपने मेहनतकश नागरिकों के

प्रति असंवेदनशीलता और अहंकार को दिखाता है। एसकेएम ने कहा था कि तीन कानूनों को निरस्त करना आंदोलन की पहली बड़ी जीत है और वह अपनी शेष मांगों के पूरा होने की प्रतीक्षा कर रहा है।

एसकेएम 40 से अधिक किसान यूनियन की अगुवाई कर रहा है। किसान संगठनों ने इस अवसर पर देश भर में कई कार्यक्रमों के आयोजन की योजना बनाई है। एसकेएम ने कहा था कि ऐतिहासिक कृषि आंदोलन के एक साल पूरे होने के मौके पर एसकेएम के आह्वान पर दिल्ली, राज्यों की राजधानियों और जिला मुख्यालयों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के लिए बड़ी संख्या में किसान और कार्यकर्ता एकत्रित हो रहे हैं। इसमें कहा गया कि दिल्ली में विभिन्न प्रदर्शन स्थलों पर हजारों किसान पहुंचने लगे हैं। दिल्ली से दूर राज्यों में रैलियों, धरने और अन्य कार्यक्रमों के आयोजन के साथ इसे मनाने की तैयारी चल रही है।

कांग्रेस की 12 दिसबंर की रैली को सोनिया और राहुल करेंगे संबोधित

- पेट्रोलियम व खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी पर केंद्र को घेरने की तैयारी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कांग्रेस पेट्रोल, डीजल और खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरने के मकसद से आगामी 12 दिसंबर को दिल्ली में 'महंगाई हटाओ रैली' आयोजित करेगी, जिसे पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और कई अन्य वरिष्ठ नेता संबोधित करेंगे।

कांग्रेस पार्टी के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर इस रैली के आयोजन को लेकर जानकारी दी। पिछले दिनों दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान और हरियाणा की कांग्रेस इकाइयों के अध्यक्षों एवं अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक में इस रैली के आयोजन को लेकर चर्चा हुई थी। वेणुगोपाल ने दावा किया कि मोदी और महंगाई लोगों के जीवन के लिए अभिशाप बन गए हैं।

महंगाई और कीमतों में हो रही अप्रत्याशित वृद्धि ने देश में हर व्यक्ति की कमाई को निगल कर हर परिवार की आय और बजट को बिगाड़ कर रख दिया है। उन्होंने कहा कि भारत की जनता को सबसे अधिक प्रभावित करने वाली वास्तविक समस्या इस समय पेट्रोल, डीज़ल और रसोई गैस की महंगी कीमतें हैं, जिसकी वजह से सभी खाद्य पदार्थ एवं उपभोग की वस्तुओं के दाम आसमान छू रहे हैं। हर परिवार खाने के तेल, दालों और खाद्य पदार्थों की असहनीय महंगाई से प्रभावित है। शायद यह इतिहास में पहली दफा है कि टमाटर की कीमतें पेट्रोल और डीज़ल की कीमतों को भी मात दे रही हैं।

हरियाणा सरकार ने सात वर्षों में दी विकास को नई दिशा : राज्यपाल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि हरियाणा सरकार जनभागीदारी की सरकार है। गत सात वर्षों में हरियाणा प्रदेश ने विभिन्न क्षेत्रों में अभूतपूर्व विकास किया है।सुशासन स्थापित हुआ है।

कार्यप्रणाली में प्रदर्शिता स्थापित हुई है। प्रगति मैदान में आयोजित 40 वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला में हरियाणा मंडप के अवलोकन के दौरान शुक्रवार को हरियाणा के

हरियाणा मंडप में राज्यपाल।

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि हरियाणा सरकार ने प्रदेश में मानव संसाधन को बेहतर बनाया है।

कार्यप्रणाली में पारदर्शिता के लिए तकनीक का व्यापक उपयोग किया जा रहा है।

संविधान दिवस पर दक्षिणी निगम के कर्मियों को दिलाई शपथ

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दक्षिणी निगम द्वारा 'संविधान दिवस' के उपलक्ष्य पर आयुक्त कार्यालय में सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ दिलाई गयी।

निगम के जोनल कार्यालयों में भी इसी प्रकार अधिकारियों व कर्मचारियों को शपथ दिलाई गयी। इस अवसर पर आयुक्त ज्ञानेश भारती ने कहा कि हमें अपने संविधान की गरिमा को बनाए रखते हुए अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जहां संविधान के दिए मौलिक अधिकार हमारी ढाल बनकर हमें अधिकार दिलाते हैं

वहीं इसमें दिए मौलिक कर्तव्य हमें हमारी जिम्मेदारियों का बोध करवाते है। हर वर्ष 26 नवंबर का दिन देश में संविधान दिवस के तौर पर मनाया जाता है। 26 नवंबर को राष्ट्रीय कानून दिवस के रूप में भी जाना जाता है। संविधान अगले वर्ष 26 जनवरी हो लागू हुआ।

संक्षिप्त समाचार

कोरोना काल में सेवा करने वालों का हुआ सम्मान

नई दिल्ली। कोरोना काल में आगे बढ़कर लोगों की सेवा करने वाले समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। भारत की मार्किट रिसर्च कंपनी एशिया टुडे रिसर्च ने हेल्थ केयर समिट और अवाड्र्स 2021 में लोगों का सम्मान किया गया। कोरोना काल में लोगों की मदद करने वालों और समासेवियों को फिल्म अभिनेत्री व पूर्व सांसद जयाप्रदा, भाजपा के राष्ट्रीय सचिव सुनील देवधर, लोकसभा सांसद सुनीता दुग्गल ने पुरस्कारों से सम्मानित किया। समारोह में अलग अलग राज्यों के हेल्थ एक्सपर्ट ने भाग लिया जिसमें डॉक्टर विजय भास्करन एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर कावेरी हॉस्पिटल बेंगलुरु, डॉक्टर मोहन राव चीफ न्यूरो सर्जन, डॉ. दिलीप कुमार पहरी चेयरमैन मेडिकल इंस्टिट्यूट ऑफ़ किडनी डिजीज, डॉ. कुमार राजेश रंजन कंसलटेंट यूरोलॉजिस्ट और डॉक्टर आजाद मैनेजिंग डायरेक्टर मैदान हॉस्पिटल शामिल थे। इस मौके पर स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े संस्थानों जैसे कॉवेरी अस्पताल बेंगलुरु , मेडाज़ हॉस्पिटल (न्यूरो एंड मल्टीस्पेशलिटी) , द शक्ति प्लास्टिक इंडस्ट्रीज , क्रिटेरियन टेक प्राइवेट लिमिटेड , एराज़ लखनऊ मेडिकल कॉलेज आदि को सम्मानित किया गया।

संविधान की प्रति भेज की वकीलों के सुरक्षा की मांग

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को संविधान दिवस पर संविधान की प्रति भेजकर वकीलों के सुरक्षा की मांग की है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार के निर्देश पर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के विधिक एवं मानव अधिकार विभाग के चेयरमैन एडवोकेट सुनील कुमार ने शुक्रवार विभिन्न कोर्ट के वकीलों के साथ एक प्रेसवार्ता की। जिसमें उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को संविधान दिवस पर संविधान की प्रति भेजी। उन्होंने कहा कि हमने संविधान की प्रति इसलिए भेजी है ताकि दोनों सरकारें संविधान की मूल भावना का ध्यान रखते हुए कानून बनाए जबकि ऐसा नहीं हो रहा है। एडवोकेट सुनील कुमार ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आए दिन वकीलों पर हमले होते है और कई बार तो कोर्ट कम्पलैक्स में भी वकीलों के साथ दुर्व्यवहार भी होते है ।

बुजुर्गों को करतारपुर व वेलंकन्नी तीर्थ यात्रा पर भेजेगी सरकार

सीएम केजरीवाल के आदेश पर मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना में किया गया शामिल

पायनियर समाचर सेवा। नई दिल्ली

केजरीवाल सरकार ने नववर्ष पर दिल्ली के बुजुर्गों को एक बड़ा तोहफा दिया है। अब दिल्ली के बुजुर्ग करतारपुर साहिब और वेलंकन्नी की भी तीर्थ यात्रा कर सकेंगे और यह यात्रा जनवरी 2022 में शुरू होगी।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आदेश पर राजस्व विभाग ने करतारपुर और वेलंकन्नी तीर्थ स्थल को मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना की सूची में शमिल कर लिया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की घोषणा के बाद राजस्व विभाग ने करतारपुर साहिब और वेलंकन्नी तीर्थ स्थलों की यात्रा के लिए प्लान बना लिया है। दिल्ली से करतारपुर के लिए डीलक्स एसी बस से यात्रियों का

पहला जत्था 05 जनवरी को रवाना होगा और वेलंकन्नी के लिए यात्रियों को लेकर पहली ट्रेन 07 जनवरी 2022 को रवाना होगी।

अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए दिल्ली से आगामी 03 दिसंबर को तीर्थ यात्रियों को लेकर पहली ट्रेन रवाना होगी। राजस्व मंत्री कैलाश गहलोत ने आज उच्च स्तरीय बैठक कर मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

दिल्ली के राजस्व मंत्री कैलाश गहलोत ने मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना (एमएमटीवाई) की आज वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर समीक्षा की।

इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा की सूची में शामिल करतारपुर साहिब और वेलंकन्नी तीर्थ स्थलों के साथ दिल्ली से अयोध्या तीर्थ स्थल के लिए रवाना होने वाले तीर्थ यात्रियों को लेकर की जा रही तैयारियों की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में राजस्व विभाग, आईटी विभाग, दिल्ली पर्यटन और परिवहन विकास निगम , तीर्थ यात्रा विकास समिति और भारतीय रेलवे कैटरिंग और पर्यटन निगम के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए दिल्ली से यात्रियों के पहले जत्थे को लेकर 03 दिसंबर 2021 को ट्रेन रवाना होगी। दिल्ली सरकार की मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत अभी 13 तीर्थ स्थलों के नाम ही शामिल थे।

योजना में शामिल स्थल

1. अमृतसर-आनंदपुर साहिब
2. अजमेर-पुष्कर
3. रामेश्वरम-मदुरै
4. जगन्नाथ-पुरी-कोणार्क
5. वैष्णो देवी-जम्मू
6. तिरुपति बालाजी
7. वृंदावन-फतेहपुर सीकरी
8. हरिद्वार-ऋषिकेश-नीलकंठ
9. द्वारिकाधीश-सोमनाथ
10. शिरडी-त्र्यंबकेश्वर
11. उज्जैन-ओंकारेश्वर
12. गया-वाराणसी
13. नई दिल्ली-अयोध्या
14. दिल्ली-वेलंकन्नी
15. करतारपुर साहिब

अस्थाना की नियुक्ति के खिलाफ याचिका पर केंद्र सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय, दिल्ली पुलिस आयुक्त के तौर पर राकेश अस्थाना की नियुक्ति को बरकरार रखने के उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करने को शुक्रवार को तैयार हो गया।

न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना की एक पीठ ने एनजीओ 'सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन' की ओर से दायर याचिका पर केन्द्र और आईपीएस अधिकारी अस्थाना से जवाब भी मांगा। एनजीओ ने आईपीएस अधिकारी राकेश अस्थाना की सेवानिवृत्ति की तारीख 31 जुलाई से चार दिन पहले, उन्हें दिल्ली पुलिस आयुक्त बनाने के केन्द्र के फैसले के खिलाफ एक रिट याचिका दायर की।

साहित्य समाज को प्रभावित करने का सशक्त माध्यम : बंडारू दत्तात्रेय

समाज की पीड़ा को महसूस कर लोगों के बीच लाने वाला सही मायने में साहित्यकार

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि साहित्य सशक्त माध्यम है जो समाज को प्रभावित करता है। समाज की समस्या व पीड़ा को महसूस कर लोगों के बीच लाने वाला ही सही मायने में साहित्यकार है। यह बात उन्होंने शुक्रवार को यहां पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मार्कण्डेय आहूजा और उनकी पत्नी डॉ. अंजू आहूजा द्वारा लिखित पुस्तक-जीतेंगे कोरोना का रण का विमोचन करने के दौरान कही।

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि कोरोना महामारी आज पूरी दुनिया के लिए बड़ी समस्या बनी हुई है। पूरा विश्व लगभग दो साल से इस महामारी की समस्या से जूझ रहा है। संकट की इस घड़ी में लोगों का मनोबल बढ़ाने की आवश्यकता है। डॉ. मार्कण्डेय आहूजा द्वारा तैयार की गई यह काव्य रचना लोगों का मनोबल बढ़ाने की दिशा में सार्थक प्रयास है। कोरोना महामारी के दौरान डॉक्टरों, प्रशासनिक अधिकारियों, समाजसेवी संस्थाओं, स्वयंसेवकों आदि के साथ साथ साहित्यकारों सहित कोरोना योद्धाओं ने लोगों को महामारी से उबारने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कहा कि इस पुस्तक में भी महामारी से उबरने में साहित्य के महत्व को बताया गया है।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि हरियाणा रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी गुरुग्राम के चेयरमैन डॉ. केके खंडेलवाल ने आहूजा दंपति द्वारा रचित पुस्तक की विवेचना की। उन्होंने कहा कि इस पुस्तक से आहूजा दंपत्ति का मातृभूमि के प्रति प्रेम व राष्ट्रवाद झलकता है। डॉ. आहूजा गीता से जुड़े हुए हैं और इनकी हर रचना में यह परिलक्षित भी होता है। कोरोना काल में आहूजा दंपति ने निष्काम और समर्पण भाव से चिकित्सक के रूप में अपनी सेवाएं दीं। वे कर्मशील यायावर हैं। जो लोग कोरोना से लड़ाई हार गए उनके परिवारों पर उस समय जो बीती, उस करुणा और संवेदना का भी पुस्तक में बखूबी ढंग से वर्णन किया गया है।

डॉ. मार्कण्डेय आहूजा ने बताया कि कोरोना काल के दौरान जो एकाकीपन की भावनाएं थी, उसको इस पुस्तक के माध्यम से उन्होंने शब्दों में पिरोया है। उन्होंने कहा कि पुस्तक के अंत मे आशावाद के साथ भगवान से पुकार की गई है कि-हे भगवान इतना सब कुछ हो चुका है, अब आपके अवतार लेने में कितनी देरी है।

गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मार्कण्डेय आहूजा और उनकी पत्नी अंजू आहूजा द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन करते राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय।

संविधान पर अमल करना ही डॉ. अंबेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि : राज्यपाल

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने लोगों को संविधान दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हमारे देश का संविधान पवित्र ग्रंथ के समान है और इसका सभी को पालन करना चाहिए। यदि सभी संविधान का पालन करेंगे तो हमारा प्रजातंत्र आगे बढ़ेगा और हमारे देश की समस्याएं आसानी से हल होंगी। सभी नागरिक देश के संविधान को पढ़ें, इसकी रक्षा करें और अमल करें, यही बाबा साहिब डॉ. भीमराव अंबेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। राज्यपाल ने कहा हमारा संविधान बहुमूल्य है। डॉ. अंबेडकर के नेतृत्व में संविधान सभा ने विश्व के देशों के संविधान का अध्ययन करने उपरांत हमारे देश का अच्छा संविधान तैयार किया।

गुरुग्राम में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय का स्वागत करते पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा प्रमुख नवीन गोयल।

संविधान ने हम सबको दिए हैं बराबरी के अधिकार : नवीन

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय का गुरुग्राम में किया स्वागत

गुरुग्राम। शुक्रवार को गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति डा. मार्कण्डेय आहूजा एवं उनकी पत्नी अंजू आहूजा द्वारा कोरोना महामारी पर लिखी गई पुस्तक जीतेंगे करोना से रण के विमोचन कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा प्रमुख नवीन गोयल ने राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय का स्वागत किया।

कार्यक्रम में कुलपति डा. मार्कण्डेय आहूजा, अंजू आहूजा, हरेरा के चेयरमैन केके खंडेलवाल, जिला उपायुक्त डा. यश गर्ग व अन्य अधिकारी मौजूद रहे। संविधान दिवस के अवसर पर राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय द्वारा बधाई दी गई। राज्यपाल का स्वागत करते हुए नवीन गोयल ने कहा कि सामाजिक कार्यों में उनकी रुचि बहुत अधिक रहती है। प्रदेश की आम जनता से राज्यपाल महोदय का लगाव, जुड़ाव इस बात को दर्शाता है कि वे समाज के बीच में रहकर सामाजिक कार्यों को करीब से देखते हैं। उन पर स्वयं भी काम करते हैं। नवीन गोयल ने आहूजा दंपति को पुस्तक के रूप में महत्वपूर्ण दस्तावेज लिखने के लिए शुभकामनाएं भी दी और धन्यवाद भी किया। उन्होंने कहा कि चिकित्सक और शिक्षाविद् के रूप में डा. मार्कण्डेय आहूजा ने समाज को बहुत कुछ दिया है। गुरुग्राम शहर में शिक्षा के क्षेत्र में उनके द्वारा अनुकरणीय कार्य किए जा रहे हैं।

राज्यपाल के समक्ष नवीन गोयल ने कहा कि संविधान में दिए गए अधिकारों को जन-जन तक पहुंचाने की मुहिम भी शुरू की जाएगी। नवीन गोयल ने कहा कि संविधान में हर किसी को बराबरी का दर्जा दिया गया है। हर व्यक्ति को विशेष अधिकार दिए गए हैं। भारत का संविधान विश्वव के किसी भी गणतांत्रिक देश का लिखित रूप में सबसे लंबा संविधान है।

संक्षिप्त समाचार

दो वर्षीय बेटी संग महिला संदिग्ध हालात में लापता

सोहना। भोंडसी की वाटिका कुंज से दो वर्षीय बेटी समेत महिला संदिग्ध हालात में लापता हो गई। पीड़ित पति ने भोंडसी थाना में शिकायत दर्ज कराई है। भोंडसी मारुति कुंज की वाटिका कुंज कॉलोनी की गली नंबर तीन में किराए के मकान में रहने वाला मध्यप्रदेश मूलनिवासी परमलाल ने भोंडसी थाना पुलिस के बताया कि वह मजदूरी कर अपने परिवार को पाल रहा है। 18 नवंबर को उसकी पत्नी संदिग्ध हालत में लापता हो गई। वह अपनी दो वर्षीय बेटी को भी साथ ले गई। पुलिस ने परमलाल की शिकायत पर महिला के लापता होने का मामला दर्ज करने के बाद तलाश शुरू कर दी है।

परिवार उत्थान मेले की तैयारी में जुटा परिषद प्रशासन

सोहना। शहर के देवीलाल खेल स्टेडियम में 3-4 दिसम्बर को लगने वाले मुख्यमंत्री परिवार उत्थान मेले की तैयारियों को लेकर कवायद शुरू कर दी है। नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी समेत सचिव सुमित शर्मा, एमई राजपाल, जेई ने शुक्रवार को मेले की तैयारियों को लेकर मौका मुआयना किया। यह मेला दो दिन तक चलेगा। जिसमें आर्थिक रूप से कमजोर करीब 250 परिवारों को रोजगार और कारोबार उपलब्ध कराने के लिए ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। मेले में जिला उपायुक्त यश गर्ग और अतिरिक्त उपायुक्त विक्रम मीना मौजूद रहेंगे। इसके अलावा बेरोजगारों को ऋण देने वाली बैंक शाखाओं से आने वाली टीमें मौजूद रहेंगी। मेले के लिए करीब एक एकड़ जमीन में टेंट लगाया जाएगा। जिसमें 10 से 15 स्टाल के साथ अधिकारियों के बैठने की सुविधा होगी। परिषद के कार्यकारी अधिकारी अतरसिंह ने बताया कि चुने गए 250 परिवारों को मेले की जानकारी फोन के माध्यम से दी जा रही है।

अरावली से शहर में आने वाले पानी को रोकेगा वन विभाग

सोहना। बारिश के मौसम में अरावली पहाड़ी से आने वाले पानी से होने वाली समस्या के समाधान पर दो करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। वन विभाग शहरी क्षेत्र में अरावली पहाड़ी से आने वाले पानी को रोकने के लिए चैकडैम बनाएगा। जिसके लिए वन विभाग द्वारा जल्द ही सर्वे कार्य शुरू किया जाएगा। सोहना शहर से लगती अरावली पहाड़ी से बारिश के मौसम में हर वर्ष स्थानीय नागरिकों को लाखों रुपये का नुकसान होता रहा है। शहर में बने बरसाती नाले में अरावली पहाड़ी से आने वाला पानी की सही निकासी न होना का खामियाजा स्थानीय लोगों को भुगतना पड़ रहा है। करीब छह माह पहले नगर परिषद ने शहर से बरसाती पानी की निकासी के लिए योजना बनाई गई थी, लेकिन योजना सिरे नहीं चढ़ सकी। क्योंकि जिस स्थान पर नगर परिषद अरावली पहाड़ी से आने वाले बारिश के पानी को रोकना चाह रही थी, वह क्षेत्र वन विभाग के अधीन आता है। जिसकी अनुमति के बिना परिषद अपनी योजना को अमलीजामा नहीं पहना सकी। इसलिए 23 अक्टूबर को सोहना विधायक संजय सिंह ने सरमथला में हुई विकास रैली में मुख्यमंत्री मनोहर लाल के समक्ष प्रस्ताव रखा था। जिस पर मुख्यमंत्री ने प्रस्ताव को मंजूर करते हुए दो करोड़ रुपये की राशि की भी घोषणा कर दी थी। अरावली पहाड़ी से आने वाले बरसाती पानी से शहर के वार्ड नंबर 15,16, 17, 18 और 19 प्रभावित होते हैं। अरावली पहाड़ी से आने वाला पानी लोगों के घरों, दुकान और गोदामों में जमा होने से उन्हें लाखों रुपये का आर्थिक नुकसान हर वर्ष हो रहा है। वन विभाग के रेंज अधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि दिसम्बर माह के पहले सप्ताह से अरावली पहाड़ी की तलहटी के साथ-साथ चैकडैम बनाएं जाने के लिए सर्वे शुरू किया जाएगा। पहाड़ी से आने वाले पानी की क्षमता के अनुसार चैकडैम बनाए जाएंगे।

नगर परिषद ने बेसहराओं के लिए बनाया रैन बसेरा

सोहना। नगर परिषद ने 20 बेड के रैन बसेरे की शुरुआत की है। आवश्यकता पड़ने पर बेड़ों की संख्या में बढ़ोत्तरी की जाएगी। नगर परिषद ने सर्दी के मौसम की शुरुआत होने के साथ ही रात के समय बेसहारा लोगों को लिए आश्रय देने के लिए रैन बसेरे की स्थापना की है। रैन बसेरा शहर के बीचों-बीच सिटी पुलिस चौकी के सामने बनाया गया है। ताकि सर्दी के मौसम में बेसहारा या यात्री रात के समय में चेन से रह सकें। रैन बसेरा में शुरुआत में 20 बेड की सुविधा उपलब्ध कराई है। जिसमें महिला और पुरुषों के लिए एक ही परिसर में अलग-अलग सुविधा दी गई है। रैन बसेरा में नगर परिषद के तीन कर्मचारियों को 24 घंटे के लिए तैनात किया है। ये कर्मचारी शहर में रात के समय में भटकने वाले यात्री या बेसहारा को रैन बसेरा में सहारा देने के लिए लेकर आएंगे। नगर परिषद के सचिव सुमित शर्मा ने बताया कि रैन बसेरे की स्थापना 18 नवंबर को की गई थी। बीते सात दिन में मात्र पांच लोगों ने अभी तक इसका सहारा लिया है। रैन बसेरा में फ्री सेवा उपलब्ध की गई है। नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी अतर सिंह खनगवाल ने बताया कि रैन बसेरा की सुविधा की जानकारी के लिए शहर के मुख्य चौक-चौराहों पर होल्डिंग लगाए गए हैं। इसके अलावा सामान्य बस स्टैंड, नागरिक अस्पताल, अनाज मंडी, अंबेडकर बाईपास चौक, सिटी थाना सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर बैनर लगाए गए हैं।

सरकार व फ्लिपकार्ट कंपनी के खिलाफ ग्रामीणों का प्रदर्शन

गुरुग्राम। फ्लिपकार्ट कपंनी को दी गई जिले के गांव पातली-हाजीपुर गांव की जमीन का आवंटन रद्द करने की मांगों को लेकर शुक्रवार को ग्रामीणों ने शहर में प्रदर्शन किया। इस दौरान यहां धरने पर बैठे लोगों ने भी उनका समर्थन करते हुए प्रदर्शन में शामिल होकर सरकार से उनकी मांगों को पूरा करने की आवाज उठाई गई। यहां किसानों के धरने पर पहुंचे निर्दलीय विधायक सोमवीर सांगवान ने कहा कि वह पातली में हुए अमेरिकी कंपनी फ्लिपकार्ट जमीन आवंटन घोटाले के मुद्दे को विधानसभा में उठाएंगे। ग्रामीणों के मुताबिक यह जमीन छोटे किसानों की ही थी, जिनके साथ सरकार ने धोखा दिया है। इस अवसर पर धर्मपाल सरपंच, चांद किशोर प्रजापत, मातादीन, सुन्ने धनखड़, दया, मुकेश, पंडित परसराम, बंसी पहलवान, ईश्वर पहलवान, किरतेश धनखड़, सुरेश फौजी आदि ने बताया कि पातली-हाजीपुर गांव की जमीन का वर्ष 2013 में अधिग्रहण किया गया था। सर्कल रेट के हिसाब से सरकार ने 55 लाख रुपये प्रति एकड़ का मुआवजा दिया था।

विकसित राष्ट्रों की तरक्की का आधार हैं उनके मजबूत शोध कार्य : डॉ. बृजपाल

गुरुग्राम विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी डॉ. बृजपाल का स्वागत करते कुलपति डा. मार्कण्डेय आहूजा।

गुरुग्राम। भारत की मानव संसाधन क्षमता को पूर्ण रूप से समानता और समावेशिता के साथ उच्चतर शिक्षा क्षेत्र में लगाना चाहिए। आज विकसित राष्ट्रों के आर्थिक और तकनीकी विकास के पीछे उनके शोध का मजबूत आधार देखा जा सकता है। यह बात अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी डॉ. बृजपाल ने गुरुग्राम विश्वविद्यालय में कार्यशाला में बोलते हुए कही।

यह कार्यशाला अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण प्रकोष्ठ और गुरुग्राम विश्वविद्यालय की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित की गई थी। इसमें प्रदेश के आठ जिलों से आए विभिन्न शिक्षण संस्थानों के नोडल अधिकारियों के साथ शिक्षकों व विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यालय में डेटा प्रविष्टि की महत्ता पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यशाला को दो सत्रों में विभाजित किया था, जिसमें प्रथम सत्र सर्वेक्षण, डेटा प्रविष्टि एवं द्वितीय सत्र सामान्य त्रुटियां एवं समाधान विषय पर केन्द्रित था। डॉ. बृजपाल ने कहा कि किसी भी सर्वेक्षण में आंकड़ों का अत्यधिक महत्व होता है। अगर टारगेट किए गए क्षेत्र के लिए डेटा उपलब्ध है और सर्वे के जवाब देने वालों का डेटा, हमारे जमीनी डेटा से बहुत अलग नहीं है, तो आप सर्वे के सही नतीजों पर पहुंच सकते हैं।

उच्च शिक्षा में गुणवत्ता बढ़ानी होगी : डॉ. आहूजा

गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मार्कण्डेय आहूजा ने कहा कि शिक्षा मनुष्य को चरित्रवान और विचारवान बनाने के साथ-साथ उसमें नैतिकता, समाज और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों का बोध कराती है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हमने काफी प्रगति की है। लेकिन अगर उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और उसकी व्यावहारिकता पर विचार किया जाए तो अभी काफी कुछ करना बाकी है। हमें उच्च शिक्षा की व्यवस्था में ऐसे बुनियादी बदलाव लाने की जरूरत है, जिससे शिक्षा का सही उपयोग देश के आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में प्रभावी ढंग से कर सकें। किसी भी विश्वविद्यालय के तीन आधार स्तंभ होते हैं-शिक्षक, शिक्षार्थी और पाठ्यक्रम। इन्ही पर संस्थान की सफलता और विफलता निर्भर करती है। प्रो. एमएस तुरान, प्रो.बदरुद्दीन, डॉ. अमन वशिष्ठ, डॉ. अशोक खन्ना, डॉ. राकेश कुमार योगी, डॉ. नवीन गोयल आदि मौजूद रहे।

कार सवार चार लुटेरों ने दो युवकों से बाइक और मोबाइल लूटा

सोहना। दिन दहाड़े कार सवार चार बदमाश गांव सतलाका निवासी दो युवकों से मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन छीनकर ले गए। पुलिस ने बाइक मालिक की शिकायत पर लूट का मामला दर्ज कर लिया है।

गांव सतलाका निवासी तालिम ने सोहना सदर थाना पुलिस को बताया कि गुरुवार को वह और उसका भाई अफनान सोहना से बाइक पर गांव जा रहे थे। जब वे दौला मार्ग से वापस घर जा रहे थे तो बीच रास्ते में बोम्बे हाइवे के निकट एक कार उनकी बाइक के सामने आकर रुकी। जिसमें से चार बदमाश नीचे उतरे। दो ने उसे थप्पड़ मारते हुए बाइक की चाबी छीन ली। उसके बाद दो बदमाशों ने उन्हें मारापीटा। दो बदमाश बाइक पर सवार होकर भाग गए। एक बदमाश ने उसका मोबाइल छीन लिया। उसके बाद वे दोनों बदमाश कार से फरार हो गए।

संविधान दिवस पर उद्देशिका पढ़ी व पढ़ाया कानून का पाठ

डीएलएसए कई स्थानों पर लगाए गए जागरुकता शिविर

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

आमजन को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरुक करने के अभियान में शुक्रवार को संविधान दिवस के अवसर पर भी जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण (डीएलएसए) गुरुग्राम की तरफ से कई स्थानों पर जागरुकता शिविर लगाए गए।

जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के चेयरमैन एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश एसपी सिंह के मार्गदर्शन में जागरुकता शिविर आयोजित किए गए। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) ललित पटवर्धन ने अपने स्टाफ, पैनल अधिवक्ता, पारा लीगल वॉलंटियर्स, बाल देखभाल संस्थानों और जिला जेल में भारत के संविधान की उद्देशिका पढ़ी और उसका महत्व समझाया।

बच्चों को कानूनी जागरुकता शिविर में संविधान की शपथ दिलाती शिक्षिकाएं।

उन्होंने कहा कि यह दिन भारत के नागरिकों के बीच संवैधानिक मूल्यों के महत्व को चिन्हित करने के लिए मनाया जाता है। 19 नवम्बर 2015 को इसे डा. बीआर अंबेडकर की 125वीं जयंती के अवसर पर संविधान दिवस के रूप में घोषित किया गया था। यह दिन भारतीय संविधान के महत्व के बारे में जागरुकता पैदा करने और मुख्य योगदानकर्ता डा. बीआर अंबेडकर के लिए मनाया जाता है। जिला शिक्षा अधिकारी के सहयोग से सभी सरकारी विद्यालयों में कानूनी साक्षरता क्लब्ज में विभिन्न प्रतियोगिताओं पोस्टर मेकिंग और निबंध लेखन का आयोजन किया गया। साथ में सभी विद्यालयों में भारत के संविधान की उद्देशिका पढ़ी गयी। शिक्षकों ने बच्चों को आज के दिन के महत्व के बारे में भी बतलाया। विद्यार्थियों द्वारा बनाई गयी पेंटिंग्स की जिला न्यायालय परिसर में प्रदर्शनी लगाई गयी।

26/11 के शहीदों को देश करें नमन : राज कादयान

गुरुग्राम में लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) राज कादयान ने दी श्रद्धांजलि

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) राज कादयान ने कहा कि पड़ोसी मुल्क द्वारा भेजे गए आठ आंतकवादियों का एक ग्रुप पानी के रास्ते मुंबई में आया और ताज होटल सहित मुंबई में कई जगह खून-खराबा किया। आज हम सब का कर्तव्य बनता है कि पूरा देश 26/11 के सभी शहीदों को श्रद्धांजलि और नमन करके उनके बलिदान को याद करे। यह बात उन्होंने शुक्रवार को यहां पुलिस शहीद फाउंडेशन की ओर से 26/11 मुंबई हमले के शहीदों को नमन करते हुए कही।

गुरुग्राम में शहीद स्मारक पर शहीदों को नमन करने के बाद एनएसजी कमांडो सुनील को सम्मानित करते लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) राज कादयान।

राज कादयान ने कहा कि आतंकवाद के स्रोत को ही जड़ से खत्म कर देना चाहिए, ताकि आंतकवाद की पौध ही ना पनपे। उन्होंने कहा कि हमें शहीदों के परिवारों का सम्मान हर हाल में करना चाहिए, क्योंकि वीर शहीदों ने हमारे लिए ओर देश की रक्षा करते हुए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया है। कार्यक्रम में जिला प्रशासन की ओर से उपस्थित सिटी मजिस्ट्रेट सिद्धार्थ दहिया ने कहा कि देश के वीर सैनिकों और शहीदो की बदौलत ही देश चारों ओर से सुरक्षित है। सेना के बिना हम देश की कल्पना भी नहीं कर सकते।

प्रदेश सरकार शहीदों के परिवारों के मान सम्मान का पूरा ध्यान रख रही है। कार्यक्रम के दौरान ही समाजसेवा में बेहतर योगदान देने पर डॉ. अशोक दिवाकर और सूबेदार बिजेंद्र ठाकरान को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर दीपक मैनी, पीके गुप्ता, पवन जिंदल, विनय गुप्ता, श्रीपाल शर्मा, डॉ. एसपी अग्रवाल, रविंद्र जैन, अमन गुप्ता और डीपी गौड़ आदि उपस्थित रहे।

एमजी मोटर और टाटा पावर ने देहरादून में पहला 50 किलोवॉट ईवी चार्जिंग पॉइन्ट्स स्थापित किया

पायनियर समाचार सेवा। देहरादून

इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए एमजी मोटर और टाटा पावर ने देहरादून, उत्तराखण्ड में 50 किलोवॉट सुपरपॉस्ट पब्लिक ईवी चार्जिंग पॉइन्ट्स की स्थापना की है। 25 नवम्बर को डीलर प्रिंसिपल रजित गर्ग की मौजूदगी में एमजी डीलरशिप में ईवी चार्जिंग पॉइन्ट्स का उद्घाटन किया गया। मनोज कुमार, वरिष्ठ परियोजना अधिकारी, ऊर्जा दक्षता एवं ऊर्जा संरक्षण के इंचार्ज, उत्तराखण्ड नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेन्सी उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि थे।

25 किलोवॉट, 30 किलोवॉट, 50 किलोवॉट और 60 किलोवॉट के डीसी सुपरफास्ट चार्जिंग स्टेशनों के साथ राष्ट्रीय चार्जिंग प्रणाली को सशक्त बनाने के एमजी मोटर के मिशन के तहत यह कदम बढ़ाया गया है। अब तक यह कार निर्माता देश के 41 शहरों में 44 सुपरफास्ट चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना कर चुका है, जो एक ऑटो ओईएम के द्वारा सबसे बड़ा आंकड़ा है। देहरादून का यह चार्जिंग स्टेशन उन सभी ई-वाहनों के लिए आसान- निःशुल्क चार्जिंग उपलब्ध कराएगा, जो सीसीएस फास्ट-चार्जिंग मानकों के अनुकूल हैं। भारत के पहले प्योर इलेक्ट्रिक एसयूवी-एमजी जैडएस ईवी-को सुपरफास्ट चार्जिंग स्टेशन के साथ 40 मिनट के अंदर 0 से 80 फीसदी तक चार्ज किया जा सकता है।

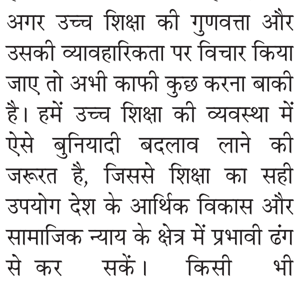

अपने सीएएसई (कनेक्टेड, ऑटोनोमस, शेयर्ड और इलेक्ट्रिक) सिस्टम के मद्देनजर, एमजी मोटर ने अपने चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को देहरादून तक बढ़ाया है। उत्तराखण्ड के इस शहर को सशक्त ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक कद के लिए जाना जाता है। ईवी चार्जिंग के लिए व्यापक इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर ध्यान केन्द्रित करते हुए टाटा पावर ने ईजैड चार्ज ब्रांड के तहत 180 शहरों में 1000 से अधिक ईवी चार्जिंग पॉइन्ट्स लगाए हैं, साथ ही इसका डिजिटल प्लेटफॉर्म उपभोक्ताओं को आसान एवं बेजोड़ अनुभव प्रदान करता है। पब्लिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों का यह नेटवर्क कार्यालयों, मॉल्स, होटलों, रीटेल आउटलेट्स एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर मौजूद है, जहां टाटा पावर के उपभोक्ता ईवी चार्जिंग का आधुनिक और आसान अनुभव पा सकते हैं। साथ ही साथ स्वच्छ परिवहन में भी योगदान दे सकते हैं।

टाटा पावर का ईजैड चार्ज इकोसिस्टम पब्लिक चार्जर्स, कैप्टिव चार्जर्स, बसध् फ्लीट चार्जर्स और होम चार्जर्स की सम्पूर्ण मूल्य श्रृंखला को कवर करता है। कंपनी ने ईवी चार्जिंग के उपभोक्ताओं के लिए सशक्त सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म भी विकसित किया है और अपने उपभोक्ताओं को चार्जिंग का आसान एवं सरल अनुभव प्रदान करने के लिए मोबाइल ऐप्लीकेशन (टाटा पावर ईजैड चार्ज) भी पेश किया है।

एक तरफ पढ़ी हनुमान चालीसा तो दूसरी तरफ हुई नमाज

गुरुद्वारे में भी नमाज के निर्णय के खिलाफ हुई सिख संगत

गुरुग्राम। खुले में नमाज के विरोध में शुक्रवार को सेक्टर-37 में एक तरफ तो हिंदू संगठनों ने हनुमान चालीसा पढ़ी। यानी एक तरफ तो नमाज हो रही थी, वहीं दूसरी तरफ हनुमान चालीसा का पाठ किया जा रहा था। इस दौरान 26/11 के शहीदों को भी हवन करके नमन किया गया। नमाज के दौरान एक शख्स ने मुस्लिम समुदाय के लोगों के बीच जाकर जय श्रीराम के नारे तक लगाने शुरू कर दिए।

गुरुद्वारे में नमाज पढ़ाने को लेकर गुरुद्वारा कमेटी के खिलाफ सिख संगत के लोगों ने इस बात का विरोध किया है कि गुरुद्वारे में नमाज नहीं होनी चाहिए। सेक्टर-37 में मुस्लिम समुदाय के लोगों को जिला प्रशासन की तरफ से शहर में 20 अलग-अलग जगह नमाज अता करने की इजाजत दी हुई है, जिसमें सेक्टर-37 भी है। शुक्रवार को नमाज के दौरान हिंदू संगठन के लोगों ने सेक्टर-37 में पहुंचकर 26/11 हमले में शहीद हुए लोगों के लिए हवन किया। हनुमान चालीसा का पाठ किया और इस बात का विरोध भी जताया कि खुले में नमाज हिंदू संगठन नहीं होने देंगे। हिंदू संगठन के विरोध को देखते हुए मौके पर पुलिस की बड़ी संख्या में मौजूद की रही और मुस्लिम समुदाय के लोगों को पुलिस सुरक्षा में नमाज कराई गई। मुस्लिम समुदाय के लोगों की तरफसे कहना है कि प्रशासन की तरफ से सेक्टर-37 जगह सुनिश्चित की गई है। इसहन, वहां नमाज कराई गई। काफी समय से इस जगह पर नमाज हो रही है। पुलिस की मौजूदगी के चलते किसी भी तरह की कोई घटना नहीं हुई। हिंदू संगठनों ने विरोध करते हुए नमाज खत्म होने के बाद दोनों ही पक्षों के लोग वहां से चले गए।

प्रारंभिक निदान ओएबी के बेहतर प्रबंधन में मदद कर सकता है : डॉ. अमित देवरा, कंसल्टेंट यूरोलॉजिस्ट

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ओवर एक्टिव ब्लैडर (ओएबी) एक ऐसी स्थिति है जो असुविधाजनक, शर्मनाक और संभावित रूप से दुर्बल करने वाली है। अच्छी खबर यह है कि यह एक ऐसी स्थिति है जिसे प्रबंधित किया जा सकता है।

यद्यपि इस स्थिति का इलाज किया जा सकता है लेकिन अधिकांश रोगी उपचार की तलाशते या डॉक्टरों से परामर्श नहीं करते हैं। ओएबी को एक सिंड्रोम के रूप में जाना जाता है जो पेशाब करने के लिए अचानक और बिना रुके आवश्यकता का कारण बनता है। यदि अनुपचारित छोड़ दिया जाता है, तो ओएबी दैनिक गतिविधियों जैसे काम, सामाजिक गतिविधियों, व्यायाम और नींद में हस्तक्षेप करके जीवन को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है। ओएबी के लक्षणों की संख्या उम्र के साथ बढ़ जाती है। वृद्ध रोगियों में अपने चिकित्सक के साथ अपने ओएबी लक्षणों पर चर्चा करने की संभावना कम होती है और इलाज न किए जाने या कम इलाज की संभावना अधिक होती है। डॉ. अमित देवरा, कंसल्टेंट यूरोलॉजिस्ट - (रीनल ट्रांसप्लांट सर्जन), जेपी अस्पताल, नोएडा ने कहा 'पुरुषों और महिलाओं दोनों को ओएबी हो सकता है। यह हमारे देश में एक कम दर्ज की गई समस्या है। इसलिए, मामलों की सही संख्या ज्ञात नहीं है। हालांकि, प्रतिशत के संदर्भ में कुछ अध्ययनों में उल्लेख किया है कि लगभग 14 प्रतिशत पुरुष ओएबी से पीड़ित हैं जबकि लगभग 12 प्रतिशत महिलाओं में किसी न किसी प्रकार की मूत्र असंयम की समस्या है'।

डॉ. अमित देवरा ने कहा 'वृद्ध महिलाएं जो रजोनिवृत्ति से गुजर चुकी हैं और जिन पुरुषों को प्रोस्टेट की समस्या है, उनमें ओएबी होने की संभावना अधिक होती है। मस्तिष्क या रीढ़ की हड्डी (तंत्रिका तंत्र) को प्रभावित करने वाली बीमारियों जैसे स्ट्रोक और मल्टीपल स्केलेरोसिस वाले लोगों को भी ओएबी होता है। उम्र बढ़ना एक कारक है, लेकिन सभी लोगों को उम्र के साथ ओएबी नहीं मिलता है। इसलिए, इसे उम्र बढ़ने का सामान्य हिस्सा नहीं माना जाना चाहिए। हालांकि शुरू में हल्के, लक्षण समय के साथ खराब हो जाते हैं और विशेष रूप से गंभीर निशाचर (जो बुरी तरह से नींद और शारीरिक और मानसिक कामकाज में बाधा डालते हैं) के रूप में परेशान करने वाले हो जाते हैं और पिड़ित व्यक्ति को शौचालय तक पहुंचने से पहले पेशाब करने और पेशाब के रिसाव को स्थगित करने या स्थगित करने में असमर्थता महसूस होती है।

ओएबी के प्रबंधन में एस्केलेटरी या स्टैपिंग अप द लैडर अपरोच शामिल है। मूल और महत्वपूर्ण कदम व्यवहार और जीवन शैली में परिवर्तन द्वारा स्व-प्रबंधन के इर्द-गिर्द घूमता है। अगले स्तर हैं - गोलियां या मौखिक दवाएं, बलैडर वाल में इंजेक्शन, मूत्राशय से संबंधित नसों की विद्युत उत्तेजना और अंत में, लेकिन बहुत कम ही, सर्जरी का उपाय शामिल है। ओएबी को प्रबंधित करने के लिए, पहला कदम जीवनशैली में बदलाव करना है। कभी-कभी इन परिवर्तनों को बेहेवीयरल थिरेपी कहा जाता है।

पायनियर
नई दिल्ली, शनिवार, 27 नवंबर, 2021

दीया तले अंधेरा : अस्पताल परिसर में भरे पानी से पनप रहे मच्छर

सीवरेज के खुले ढक्कन और लीकेज पाइप लाइन से पैदा हो रहे मच्छर

कविता। फरीदाबाद

बादशाह खान सिविल अस्पताल में पिछले दिनों पानी की टंकी गिरने के बाद आसपास पर पानी भर गया है। वहीं दूसरी तरफ यहां मौजूद मेनहोल के ढक्कन तक नहीं लगे हैं। जिस कारण सीवरेज के गड्ढों में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। अस्पताल में बरती जा रही इस लापरवाही के कारण मच्छरों का आतंक बढ़ रहा है। जिससे यहां आ रहे मरीजों और तीमारदारों को भारी परेशानी हो रही है।

बीके अस्पताल में पाइप लाइन पर लगी लकड़ी के लूज होने से सड़क पर भरा पानी।

रेडक्रॉस फिजियोथैरेपी सेंटर के पीछे मौजूद सीवरेज के खुले ढक्कन।

सीवर के खुले ढक्कन

अस्पताल में जहा-तहां सीवरेज के मेनहॉल की हालत खस्ता है। अस्पताल में या तो सीवरेज के मेनहोल के ढक्कन टूटे पड़े हैं और कई जगह तो सीवर के ढक्कन है ही नहीं। ऐसी स्थिति में कभी भी कोई हादसा हो सकता है। अधिकारी इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। जिस कारण यहां आसपास के लोगों ने कचरा डालना शुरू कर दिया है। जिस कारण खुले मेनहॉल में कचरा डाला जा रहा है। ऐसा ही जिला रेडक्रॉस सोसायटी के पीछे देखने को मिला। जहां एक के बाद सभी सीवरेज के मेनहॉल के ढक्कन खुले हुए हैं। जिसमें कचरा डालकर जलाया तक गया है। जिस कारण फिजियोथैरेपी सेंटर में मच्छर हो रहे है। वहीं अस्पताल में यहां वहां कई मेनहॉल के ढक्कन टूटे हुए हैं। हाल ही में अस्पताल के अपातकालीन कक्ष के निकट एक सीवरेज के ढक्कन को लगाते हुए वहां सीमेंट लगाकर ठीक किया गया था। लेकिन वह काम इतना घटिया किया गया है, कि उसमें दरारे आने लगी हैं।

टैंक टूटने से सड़क पर भरा पानी

जिले में जहां डेंगू के मरीजों की संख्या का आंकड़ा बढ़ रहा है, वहीं दूसरी तरफ जिला स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के कारण अस्पताल में परिसर में जल भराव और गंदी से मच्छर पनप रहे हैं। पिछले दिनों अस्पताल के पुराना भवन परिसर में मौजूद करीब 50 साल पुरानी टंकी टूट गई थी। जिसके बाद यहां लगी पानी की पाईप लाइन को लकड़ी लगाकर रोकने का प्रयास किया, लेकिन इसके बाद भी पानी निकल कर सड़क और खाली जगह पर फैल रहा है। पानी भरने के कारण यहां मच्छरों का आतंक छाया हुआ है। गंदगी का अंबार यहां पहले ही लगा हुआ है।

बिजली संशोधन बिल के विरोध में प्रदर्शन

फरीदाबाद। किसान आंदोलन के एक साल पूरा होने व तीनों कृषि कानूनों की वापसी की घोषणा से उत्साहित किसानों ने शुक्रवार को देशभर में आंशिक विजय दिवस मनाया। विजय दिवस के साथ एकजुटता प्रकट करने और किसान, मजदूर व गरीब विरोधी बिजली संशोधन बिल 2021 को रद्द करने की मांग को लेकर बिजली कर्मचारियों ने शुक्रवार को बल्लभगढ़ बस अड्डे के समक्ष प्रदर्शन किया। सैकड़ों की संख्या में बिजली कर्मचारियों ने अटोहा मोड़ पलवल के लिए कूच किया और किसानों के आंशिक विजय दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए और एकजुटता प्रकट की। प्रदर्शन में ईईएफआई के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष लांबा सहित बड़ी संख्या में किसानों ने भी शिरकत की।

संक्षिप्त समाचार

शिक्षा से बड़ा कोई उपहार नहीं : चांदनी

निःशुल्क आर्ट क्राफ्ट सीखते बच्चे।

फरीदाबाद। वुमेन पावर संस्था द्वारा बच्चों के लिए निःशुल्क आर्ट क्राफ्ट की क्लास का आयोजन किया जा रहा है। यह क्लास आगामी चार महीने तक लगातार चलती रहेगी। इसमें सेक्टर 23 और आस पास के सभी बच्चे बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं। यह बात वूमेन्स पावर की फाउंडर प्रेसीडेंट चांदनी आजाद अली ने बताई। उन्होंने कहा कि ऑर्ट क्राफ्ट में बड़ी संख्या में बच्चे भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें हर रूप में शिक्षा का उपहार देना चाहिए। इस कार्य को करने में जो मुख्य भूमिका निभा रही हैं वह सेक्टर 23 कि प्रियंका भाटिया जोकि निस्वार्थ भाव से इन बच्चों को सेक्टर 23 कम्युनिटी सेंटर में चित्रकला और वेस्ट मटीरियल से नई-नई तरह की चीचें बनाना सिखा रही है।

26/11 के शहिदो को श्रध्दांजलि

श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए।

फरीदाबाद। 21 डी फरीदाबाद में 26/11 मुम्बई आतंकी हमले मे मारे गये लोगो को श्रृद्धांजलि दी गई। इस दौरान उनकी आत्मा की शान्ति की प्रार्थना की गई। श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इस दौरान राजेश सिह पटेल ने कहा की आज ही के दिन 2008, समुन्द्र के रास्ते पाकिस्तान से आए आतंकवादियों ने मुम्बई को बंधक बनाने की कोशिश की, लेकिन हमारे वीर जवानों, देश के प्रति मर मिटने वाले जज्बे के साथ इन आतंकियों का सामना किया। पाकिस्तान द्वारा भारत के खिलाफ घोषित इस अघोषित युद्ध में मुम्बई के तत्कालीक एटीएस प्रमुख हेमन्त करकरे, सेना के मेजर उन्नीकृष्णन, मुम्बई के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अशोक काम्टे, और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक बिजय सालसकर, तुका राम, सहित 160, लोगों ने अपनी शहादत दी थी। इन महानायकों को पुष्प व दीप समर्पित कर दो मिनट का मौन धारण किया गया। यहां उपस्थित लोगो में राहुल राज, रस्मी रानी, शुभम कुमार आदि रहे हैं।

अधिवक्ताओं ने हर्षो उल्लास से मनाया संविधान दिवस

संविधान दिवस मनाते अधिवक्ता।

फरीदाबाद। कोर्ट परिसर में वकीलों ने हाथों में सांविधान की किताब व ब्रोशर लेकर 70वां संविधान दिवस मनाया। बार काउंसिल पंजाब एण्ड हरियाणा के पूर्व मनोनित सदस्य शिवदत्त वशिष्ठ, एडवोकेट ने कहा कि यह दिन ऐतिहासिक है। भारत के संविधान समिति के अध्यक्ष डाक्टर भीमराम अम्बेडकर थे, भारत के अन्य महान विभूतियों ने मिलकर भारत के संविधान का निर्माण किया। वरिष्ठ अधिवक्ता दलपत सिंह व बीएस चौधरी ने कहा कि संविधान में न्याय पालिका, कार्य पालिका, विधायिका का अधिकार क्षेत्रों का वर्णन किया गया और आम आदमियों के मौलिक अधिकारों का वर्णन है। हर भारतवासी का फर्ज बनता है अपने देश के संविधान का सम्मान करें। इस मौके पर मनोज पंडित, महेन्द्र कौशिक, सतबीर शर्मा, सुखबीर, जितेन्द्र शर्मा, बिल्लु धनकड, रमेश, प्रेमचन्द सैनी, धनीराम, अनिल गुप्ता, कमल दलाल, हरदीप बिषोया, कुलदीप जोशी, विजय यादव, योगेश शर्मा, अफाख खान, सतपाल नागर, कपिल तिवारी, बीएस चौहान, धर्मेन्द्र शर्मा, आरके कौशिक, प्रदीप सागर, अशीष आदि अधिवक्ता मौजूद थे।

संविधान प्रदर्शनी और क्विज कंपटीशन आयोजित

डालसा के पैनल एडवोकेट के साथ विद्यार्थी व प्रिंसीपल

फरीदाबाद। संविधान दिवस के उपलक्ष्य में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत शिक्षा विभाग एवं डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी के निर्देशानुसार राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय एन एच तीन फरीदाबाद में प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा की अध्यक्षता में जूनियर रेडक्रॉस, सैंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड और गाइडस द्वारा संविधान दिवस प्रदर्शनी एवम प्रश्नोत्तरी कंपटीशन द्वारा जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया। प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा, डलसा से पैनल एडवोकेट रविंद्र गुप्ता, राजेंद्र गौतम और मनदीप कौर ने जूनियर रेडक्रॉस, ब्रिगेड और लीगल लिटरेसी क्लब सदस्यों द्वारा लगाई जा रही प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया और बच्चों द्वारा पोस्टर और पेंटिंग के माध्यम से संविधान दिवस पर दिए गए संदेशों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। कार्यक्रम संयोजन में प्राध्यापिका डॉक्टर जसनीत कौर, आशा वर्मा, सोनिया वमल और प्रियंका रानी का विशेष सहयोग रहा। प्राचार्य मनचंदा ने बताया कि पोस्टर और प्रदर्शनी द्वारा बालिकाओं ने संविधान में देश के नागरिकों के मौलिक अधिकारों, कर्तव्यों, सरकार की भूमिका, प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के निहित अधिकारों का वर्णन किया। प्राचार्य मनचंदा और डलसा सदस्यों ने प्रश्नोत्तरी, पोस्टर आौर पेंटिंग में क्रमशः प्रियंका, सोनम, अमृता और खुशबू को प्रथम, तबिंदा, संजना व पूजा को द्वितीय तथा तनु, अंजली, नेहा और प्रीति को तृतीय स्थान पर घोषित किया। सभी विजेता बालिकाओं को डालसा के सौजन्य से प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए जाएंगे।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए पुलिस ने निकाली जागृति यात्रा

साइकिल रैली के माध्यम से निकाली गई जागृति यात्रा का जिले में स्वागत किया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

साइकिल रैली के माध्यम से निकाली जागृति यात्रा का स्वागत करते पुलिसकर्मी।

महिला सशक्तिकरण को लेकर हरियाणा पुलिस ने एक अनूठी पहल की शुरुआत की है। महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण के बारे में सामाजिक जागरुकता बढ़ाने के लिए साइकिल पर जागृति यात्रा निकाली जा रही है जो 25 दिन में 23 पुलिस जिलों को कवर करते हुए 1194 किलोमीटर का सफर करके पूरे हरियाणा को कवर करेगी और 10 दिसंबर को वापस पंचकूला पहुंचेगी जहां मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा इसका समापन किया जाएगा। इसका शुभारंभ पुलिस महानिदेशक पीके अग्रवाल, एडीजीपी कला रामचंद्रन और आईजी भारती अरोड़ा ने 15 नवंबर को पंचकूला में झंडी दिखाकर किया था।

यह यात्रा फरीदाबाद महिला थाना प्रभारी इंस्पेक्टर माया के नेतृत्व में 16 महिला पुलिसकर्मियों द्वारा साइकिल पर निकली जा रही है जिसमे फरीदाबाद की एचसी भतेरी और महिला सिपाही मंजीत का नाम शामिल है वहीं हरियाणा के अन्य जिलों से एएसआई कविता एचसी रीटा, कल्पना, महिला सिपाही टीना, गीता, अनु, पिंकी, कविता, कोयल, सुमन, दीपिका और अनु का नाम भी शामिल है।

हरियाणा पुलिस की ओर से चल रही जागृति यात्रा राज्यभर में महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण के प्रति जागरूक करेंगी। इस साइकिल यात्रा का मुख्य उद्देश्य महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को सुरक्षा मुहैया कराना है। महिला सुरक्षा और सशक्तीकरण के बारे में जागरुकता बढ़ाने के लिए निकाली रैली साइकिल रैली यानी जागृति यात्रा का शुक्रवार को फरीदाबाद में स्वागत किया गया।

सुबह सेक्टर 12 हुड्डा ग्राउंड में यात्रा का फूलों की वर्षा करने के साथ ही पुलिस बैंड से स्वागत किया गया। यहां पर आयोजित कार्यक्रम में काफी संख्या में लोग शामिल हुए। इनमें महिलाओं की संख्या अधिक थी। यहां पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के माध्यम से संदेश दिया गया कि हरियाणा पुलिस महिलाओं और बच्चों के अपराधिक मामलों को गंभीरता से लेती है। ऐसे मामलों पर तत्परता से कार्रवाई की जाती है। सहायक पुलिस आयुक्त शैफुद्दीन के साथ ही महिला थाना सेंट्रल प्रभारी ने महिलाओं और बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा पुलिस द्वारा महिलाओं की सुरक्षा के लिए दुर्गा शक्ति एप, महिला हेल्पलाइन नंबर 1091 और डायल 112 की सुविधा पहले से ही मुहैया करवाई हुई है। हरियाणा सरकार द्वारा महिलाओं के उत्थान व उनकी आर्थिक सहायता हेतु विभिन्न योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी गई।

फरीदाबाद महिला थाना एनआईटी प्रभारी इंस्पेक्टर माया ने कहा कि अपराध के घटित होने पर पीड़ित के चुप रहने से अपराध और अपराधी का हौसला बढ़ता है। समाज को महिलाओं के प्रति मानसिकता बदलने की जरूरत है। जब तक महिलाएं मन और शरीर से मजबूत नहीं होगी उनका सशक्त होना संभव नहीं फरीदाबाद पुलिस कमिश्नर विकास अरोड़ा ने महिला पुलिस कर्मियों द्वारा निकाली जा रही जागरुकता रैली की सराहना करते हुए सभी महिला पुलिसकर्मियों को प्रथम श्रेणी प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित करने की घोषणा करते हुए इसी प्रकार महिला सशक्तिकरण के प्रति कार्य करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

200 वारदातों को अंजाम देने वाला शातिर चोर गिरफ्तार

4 लाख रुपए नकद एक लाइसेंसी पिस्टल एक देशी कट्टा, चार कारतूस बरामद

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

प्रेसवार्ता को संबोधित करते डीसीपी क्राइम नरेन्द्र कादयान।

पिछले करीब एक साल से फरीदाबाद शहर के पोश एरिया जैसे सेक्टर 31, सेक्टर 17, सेक्टर 12 व बीपीटीपी एरिया की पार्किंग, सड़क किनारे, व ऑफिस के बाहर खड़ी गाडियां जिनमें अक्सर कीमती समान जैसे लैपटॉप, पर्स कागजात आदि रखे रहते हैं, शीशे को गुलेल से तोड़कर चंद मिनटों में सामान पर हाथ साफ करने वाले शातिर चोर इम्तियाज उर्फ अरमान को क्राइम ब्रांच सेक्टर 30 की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है।

डीसीपी क्राइम नरेंद्र कादयान ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि आरोपी दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में लगभग चोरी की 200 वारदातों को अंजाम दे चुका है। वारदात को अंजाम देने से पहले किसी दूसरे स्थान से बाइक चोरी करता था और फिर उसी बाइक से किसी दूसरे स्थान से दूसरी चोरी को अंजाम देता था। आरोपी ने कुछ दिन पहले ही नहरपार एरिया से एक फॉर्च्यूनर गाड़ी का शीशा तोड़कर उसमें से सामान चोरी किया था जिसमें एक लाइसेंसी पिस्टल भी शामिल थी। इसके अलावा आरोपी अपने पास एक देशी कट्टा रखता था ताकि यदि वह पकड़ा जाए तो लोगों को डरा धमका कर वहां से फरार हो सके। आरोपी एक साल से करीब दो दर्जन वारदातों को अंजाम दे चूका है। आरोपी फरीदाबाद क्राइम ब्रांच द्वारा पहले भी गिरफ्तार हो चूका है। आरोपी की अपराधिक हिस्ट्री भी बहुत लंबी है जिसमें आरोपी वर्ष 2016 में चोरी के 15 मुकदमों में जेल जा चुका है।

पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा द्वारा शहर में चोरी की वारदातों पर शिकंजा कसने के लिए अंकुश लगाने के लिए इस प्रकार की वारदातों मैं संदीप में संलिप्त आरोपियों की धरपकड़ के दिशा निर्देश व डीसीपी क्राइम नरेंद्र का ध्यान के मार्गदर्शन में कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच सेक्टर 30 प्रभारी इंस्पेक्टर विमल की टीम ने 20 नवंबर को बाईपास रोड सेक्टर 31 से गिरफ्तार कर लिया।

डीग के स्कूल से एक बार फिर कम्प्यूटर चोरी

चोरी की शिकायत पर नहीं हो रही कार्रवाई

फरीदाबाद। बीती रात बल्लभगढ़ के डीग गांव में स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय में चोरों ने धावा बोल दिया। जिसमें से चोरों ने कम्प्यूटर चोरी कर लिया। हैरानी की बात यह है कि स्कूल में पहले भी कई बार चोरी हो चुकी है। इसका खुलासा हैडमास्टर और स्कूल के टीचरों के द्वारा सदर थाना बल्लभगढ़ को दी अपनी शिकायत में किया है। जिसमें उन्होंने बताया कि इससे पहले एक जुलाई 2019 में और 24 मार्च 2021 को भी स्कूल में चोरी हो चुकी है।

ये है मामला

रविकांत गुप्ता ने बताया कि वह डीग गांव के राजकीय माध्यमिक विद्यालय में हैडमास्टर की पोस्ट पर तैनात है। दलके यहां करीब 225 बच्चे पढ़ते हैं। यह स्कूल पहली से आठवीं कक्षा तक है। उन्होंने बताया कि उनके कमरे में कम्प्यूटर लगा हुआ है, जोकि चोरी हो गया। उन्होंने बताया कि 26 नवंबर को अन्य दिनों की तरह सफाई कर्मचारी मुनेश सुबह आठ बजे विद्यालय पहुंच गया। जहां उसने दखा कि सभी कार्यालयों का ताला टुटा हुआ था और एक कक्ष का ताला और कुंडी काटी हुई थी। जिस पर उसने स्टाफ और मुझे सूचित किया, प्राईमरी की इंचार्ज निशा रानी के कमरे की अलमारी खुली हुई मिली। जांच करने पर पता चला कि कम्प्यूटर और सभी तालों की चाबियां गायब हैं।

विद्यालय के हेडमास्टर का कक्ष, जहां से चोरी हुआ कम्प्यूटर।

पुलिस पर हमले का आरोपी खनन माफिया गिरफ्तार

फरीदाबाद। माइनिंग माफिया द्वारा पुलिस पर हमला करने के मामले में आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अपराध शाखा ऊंचागांव की पुलिस टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने आरोपियों के नाम उदयवीर उर्फ हुड्डी और चन्नी बताए। दोनों आरोपी गौतमबुद्धनगर, उत्तरप्रदेश में इकोटेक थानाक्षेत्र के रहनेवाले हैं। नवम्बर 2019 में तिगांव थाना की पुलिस मंझावली में गश्त लगा रही थी। तभी पेट्रोलिंग टीम को सूचना मिली कि आधे दर्जन से ज्यादा ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में जमुना रेती चोरी करने वाले रेती भर रहे हैं। पुलिस को देखते ही सभी आरोपी ट्रॉली छोड़ अपना ट्रैक्टर लेकर भाग गये। पुलिस ने रेती व ट्रॉली को जब्त करते हुए थाना लाने की तैयारी शुरू की। तब उत्तरप्रदेश में स्थित पास के गांव से दर्जन भर से ज्यादा लोगों ने पुलिस पर जानलेवा हमला कर दिया था। इस मामले में नामजद लोगों के अलावा पुलिस को अन्य हमलावरों की भी तलाश थी।

महिला सशक्तीकरण में 5वां मार्था फैरेल अवॉर्ड

मार्था फैरेल फाउंडेशन पीआरआईए और आरडीटी ने नई दिल्ली में विजेताओं को किया सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

5वें मार्था फैरेल अवार्ड के विजेताओं को सम्मानित करते हुए।

मार्था फैरेल फाउंडेशन, पार्टिसिपेटरी रिसर्च इन एशिया (पीआरआईए) और रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट (आरडीटी) ने शनिवार को नई दिल्ली के इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर में 5वें मार्था फैरेल अवार्ड के विजेताओं को सम्मानित किया। पिछले पांच साल से महिला सशक्तीकरण और लैंगिक समानता की दिशा में कार्यरत व्यक्तियों व संस्थानों को इस पुरस्कार के तहत सम्मानित किया जा रहा है। इसके तहत मुख्य श्रेणी के विजेताओं को 1.50 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी जाती है। फैजल अल्काजी की तरफ से स्पेशल ज्यूरी अवार्ड के तहत विजेता को एक लाख रुपये की राशि दी जाती है।

पुरस्कार के लिए छह सदस्यीय ज्यूरी ने 120 नामांकनों में से विजेताओं का चयन किया। ज्यूरी सदस्यों में फैजल अल्काजी (थिएटर डायरेक्टर एवं फिल्म निर्माता), प्रतिष्ठित पत्रकार नमिता भंडारे, पीआरआईए के संस्थापक एवं एमएफएफ के चेयरपर्सन डॉ. राजेश टंडन, गोस्पोर्ट्स फाउंडेशन की सीईओ दीप्ति बोपैया, आरडीटी के प्रोग्राम डायरेक्टर मोंचो फेरर और एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज की महासचिव पंकज मित्तल शामिल रहे। व्यक्तिगत रूप से उल्लेखनीय कार्य के लिए विजेता के तौर पर दीपा पवार को चुना गया। वह मुंबई में सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

उन्होंने 2016 में अनुभूति चैरिटेबल ट्रस्ट की स्थापना की थी। वह घुमंतू जनजातियों, एसटी एवं एससी समुदाय के लोगों व युवाओं के बीच महिला सशक्तीकरण से जुड़े पहलुओं पर काम कर करती हैं। एक संस्थान के तौर पर लैंगिक समानता के मामले में श्रेष्ठ कार्य के लिए शाहीन वीमेंस रिसोर्स एंड वेलफेयर एसोसिएशन को चुना गया। महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण, स्वास्थ्य संबंधी जागरुकता, लैंगिक संवेदनशीलता एवं बाल अधिकारों समेत विभिन्न क्षेत्रों में यह संस्थान समर्पित रूप से काम कर रहा है। व्यक्तिगत रूप से स्पेशल ज्यूरी अवार्ड के लिए राजस्थान की दलित महिला नेता सुमन देवतिया को चुना गया। वह पिछले 15 साल से दलित महिलाओं के हित में काम कर रही हैं। मार्था फैरेल फाउंडेशन की डायरेक्टर नंदिता भट्ट ने कहा, 'महिला सशक्तीकरण एवं लैंगिक समानता के क्षेत्र में कई उल्लेखनीय प्रयास देखने को मिल रहे हैं। रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट के प्रोग्राम डायरेक्टर मोंचो फेरर ने कहा, 'आज जलवायु परिवर्तन की ही तरह महिला अधिकार एवं सशक्तीकरण के लिए लैंगिक असमानता से लड़ना भी बड़ी चुनौती है।

मोटापे के कारण मधुमेह के मरीजों की संख्या बढ़ी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना संक्रमण की रफ्तार भले ही धीमी हो गई हो, लेकिन कोरोना महामारी ने लोगों के जनजीवन पर व्यापक असर डाला है। लोगों की जीवनशैली में दीर्घकालीन बदलाव देखने को मिल रहा है।

यह कहना है ग्रेटर फरीदाबाद स्थित एकॉर्ड सुपरस्पेशलिटी अस्पताल के चेयरमैन डॉ. प्रबल रॉय का। उन्होंने वर्ल्ड एंटी ओबेसिटी डे पर लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि कोरोना महामारी से लोगों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ा है। खासकर पुरानी बीमारियों जिनमें मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय संबंधी बीमारियों शामिल हैं। ऐसे लोगों पर ज्यादा असर देखने को मिला है। वहीं, लॉकडाउन के दौरान लंबे समय तक घरों में बंद रहने और वर्कआउट न करने के चलते मोटापा के मरीजों की संख्या में बड़ी तेजी से वृद्धि हुई है। इससे मधुमेह के मरीजों में बढ़ोत्तरी देखने को मिली है। उन्होंने कहा कि इसकी पुष्टि हाल ही में हुई एक रिसर्च में हुई है। आसान शब्दों में कहें तो महामारी के दौरान जिन लोगों का वजन बढ़ा है। उनमें अधिकांश लोगों को डायबिटीज भी हुई है। ने कहा कि वजन बढ़ने का मतलब डायबिटीज का खतरा बढ़ना भी है, जो कई अन्य बीमारियों-कैंसर, स्ट्रोक, अंधापन, हार्ट अटैक से जुड़ा है।

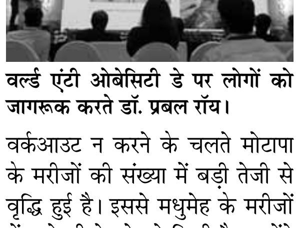

वर्ल्ड एंटी ओबेसिटी डे पर लोगों को जागरूक करते डॉ. प्रबल रॉय।

डॉ. प्रबल रॉय ने बताया कि मोटापे के शिकार 70-80 प्रतिशत लोग फैटी लिवर के शिकार हैं और 5 प्रतिशत लोगों में लिवर से संबंधित गंभीर बीमारियां होती हैं। उन्होंने कहा कि देश में ऐसे लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है जिनका वजन या तो सामान्य से अधिक है या फिर वो मोटापे के शिकार हैं। डॉ. रॉय ने कहा कि लगभग 20 प्रतिशत बच्चों का वजन सामान्य से अधिक है और 5 प्रतिशत मोटे हैं। इसी तरह से बड़े शहरों में 30-40 प्रतिशत व्यस्क लोग या तो मोटापे की शिकार है या उनका वजन सामान्य से अधिक है। मोटापा आज विश्व में तेजी से फैलती बीमारी है। उम्रदराज लोग ही नहीं युवा और बच्चे भी बड़ी संख्या में इसके शिकार हो रहे हैं। इसलिए लोगों में मोटापे से बचाव और शुगर के खतरे को कम करने के प्रति जागरूक करना जरूरी है।

एनसीसी दिवस पर लगाया रक्तदान शिविर

फरीदाबाद। जिला एथलेटिक संघ के कार्यकारी अध्यक्ष और संघर्ष ट्रस्ट इंडिया के खेल निदेशक सत्यवीर धनखड़ के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अलावलपुर पलवल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

विद्यालय की एनसीसी विंग की आफिसर लेफ्टिनेन्ट मोनिका देशवाल ने बताया कि एनसीसी दिवस के अवसर पर राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अलावलपुर पलवल में लाइफ लाइन चैरिटेबल ब्लड बैंक और चंद देशवाल (समाजसेवी) के सौजन्य से विद्यालय में रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर का शुभारंभ एनसीसी यूनिट के कमांडिंग आफिसर कर्नल राम अवतार यादव और प्रधानाचार्य वीना नागर पोसवाल के द्वारा रक्तदान करके किया गया।

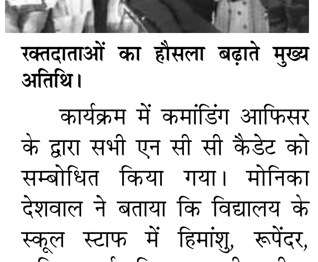

रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाते मुख्य अतिथि।

कार्यक्रम में कमांडिंग आफिसर के द्वारा सभी एन सी सी कैडेट को सम्बोधित किया गया। मोनिका देशवाल ने बताया कि विद्यालय के स्कूल स्टाफ में हिमांशु, रूपेंदर, सरिता शर्मा, विजय लक्ष्मी, हरीश, रोबिन, सुदेश, चंद्रवीर और महेंदर ने भी इस रक्तदान में शिविर में बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस सफल रक्तदान शिविर के लिए कर्नल राम अवतार यादव ने प्रधानाचार्य और एनसीसी आफिसर को बधाई दी और भविष्य में भी इसी तरह के सामाजिक कार्य करने की प्रेरणा दी।

रबर की कमी से टायर उद्योग के समक्ष संकट

उद्योग ने आयात पर लगी पार्बंदियां हटाने और ड्यूटी फ्री आयात की अनुमति की मांग की

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

प्राकृतिक रबर (एनआर) की उपलब्धता में कमी टायर निर्माण इकाइयों के उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है। ऐसे समय में यह और भी चिंताजनक है, जब टायरों की मांग चरम पर है। ऑटोमोटिव टायर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एटमा) ने केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री को लिखे एक पत्र में यह बात कही है।

एटमा ने कहा, चरम उत्पादन के सीजन में प्राकृतिक रबर की कमी अभूतपूर्व है और यह टायर इंडस्ट्री वैल्यू चेन के लिए अच्छा संकेत नहीं है। अक्टूबर और नवंबर में प्राकृतिक रबर का औसत घरेलू उत्पादन 75 हजार टन के आसपास रहता है, लेकिन इस साल यह 45 से 50 हजार टन से ज्यादा जाने की उम्मीद नहीं है। दूसरी ओर, इसकी खपत इन दो महीनों में 1 लाख टन प्रतिमाह से कुछ अधिक रहने की उम्मीद है। इन दो महीनों में प्राकृतिक रबर की उपलब्धता में एक लाख टन की कमी होगी, जो चिंता का विषय है। देश में उत्पादित कुल प्राकृतिक रबर का लगभग 75 फीसदी टायर उद्योग खपत करता है।

	उत्पादन	लागत	अन्तर	आयात
FY 18-19	651000	1211940	-560940	582351
FY 19-20	712000	1134120	-422120	457223
FY 20-21	715000	1096410	-381410	410478

अनुमान	उत्पादन	लागत	अन्तर	कमी
6th May'21	760000	1100000	-340000	(-) 45%
1st Nov'21	800000	1240000	-440000	(-) 55%

भारतीय रबर बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, प्राकृतिक रबर में मांग व आपूर्ति का अंतर बढ़ रहा है, क्योंकि खपत में बढ़ोतरी इसके उत्पादन से कहीं अधिक है। वित्त वर्ष 2021-22 के लिए घरेलू स्तर पर प्राकृतिक रबर की कमी का अनुमान पहले 3.4 लाख टन था, जो अब 4.4 लाख टन (घरेलू उत्पादन का 55 फीसदी) रहने का अनुमान है।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि टायर का उत्पादन और निर्यात निर्बाध रूप से होता रहे, देश में मांग व आपूर्ति के अनुमानित अंतर यानी 4.4 लाख टन की सीमा तक प्राकृतिक रबर के शुल्क मुक्त आयात की अनुमति देनी चाहिए।

इसके अलावा, प्राकृतिक रबर के आयात पर लगे अन्य प्रतिबंधों को हटाने की जरूरत है, क्योंकि मांग व आपूर्ति के अंतर को पूरा करने के लिए आयात अनिवार्य व अहम है। प्रतिबंधों के कारण केवल लागत बढ़ रही है और उद्योग की प्रतिस्पर्धा प्रभावित हो रही है।

यह चिंता जताई जाती है कि प्राकृतिक रबर के आयात से घरेलू उत्पादकों के हित प्रभावित होते हैं। ज्यादा आयात होने से घरेलू कीमतें गिरती हैं। इस संबंध में एटमा ने कहा कि रबर बोर्ड के आंकड़े दिखाते हैं कि टायर उद्योग ने केवल घरेलू स्तर पर कमी को पूरा करने के लिए ही आयात किया है। आयातित मात्रा अनुमानित कमी के अनुरूप ही रहती है। जब और जैसे घरेलू आपूर्ति बढ़ती है, आयात कम हो जाता है।

राजनीति का अपराधीकरण

कठोर नियंत्रण आवश्यक

आपराधिक रिकार्ड वाले उम्मीदवारों को चुनने वाली पार्टियों का पंजीकरण समाप्त करने की संभावना पर विचार होना चाहिए। न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका इस बात पर सहमत हैं कि राजनीति के अपराधीकरण पर विराम लगना चाहिए। लेकिन वे अपराधीकरण समाप्त करने की श्रेणी पर असहमत हैं। न्यायपालिका ने विधायिका और कार्यपालिका से वर्तकान कानूनों में संशोधन का आह्वान किया है ताकि दोषसिद्ध लोगों के चुनाव लड़ने पर स्थाई रोक लगाई जा सके। कार्यपालिका यह कदम उठाने की इच्छुक नहीं है। इसके परिणामस्वरूप अपराधीकरण समाप्त करने की प्रक्रिया लोकतंत्र के स्तंभों के बीच असहमति की बंधक बन गई है। सर्वोच्च न्यायालय ने बुधवार को एक बार फिर यह मुद्दा उठाते हुए सरकार से पूछा कि क्या वह कानून में संशोधन की इच्छुक है। सरकार की ओर से कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया है। यह मामला ऐसे समय उठा है जब उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं जहां वर्तमान व भूतपूर्व विधायकों के खिलाफ सबसे ज्यादा संख्या में आपराधिक मामले लंबित हैं। ऐसे मामलों की 63 विशेष रूप से गठित अदालतों में सुनवाई हो रही है जिनमें से अनेक सालों से लंबित हैं। असोसियेशन फार डेमोक्रेटिक राइट्स के अनुसार राष्ट्रीय स्तर पर 363 सांसदों व विधायकों ने अपने खिलाफ लंबित आपराधिक मामले स्वीकारे हैं।

आरोपपत्र पेश हो चुके इन मामलों में पांच से लेकर सात साल तक सजा हो सकती है। अनेक सांसदों के खिलाफ 43 तक तथा 100 से अधिक विधायकों पर 315 मामले 10 साल या उससे अधिक समय से लंबित हैं। 170 से अधिक ऐसे मामले हैं जिनमें आजीवन कारावास की सजा हो सकती है। अभी यह पता नहीं कि कितने वर्तमान सदस्यों ने अपने खिलाफ मामलों का खुलासा नहीं किया है।

ऐसे में सवाल यह है कि क्या राजनीति को अपराधीकरण से पूर्ण मुक्ति मिलेगी। वर्तमान समय में अपराध की दोषसिद्धि तथा अधिकतम दो साल कैद की सजा वाले विधायक अयोग्य हैं। सर्वोच्च न्यायालय के एक उल्लेखनीय निर्णय के अनुसार वे रिहा होने के 6 साल बाद तक चुनाव नहीं लड़ सकते हैं। हजारों आपराधिक मामलों का सामना करने वाले सैकड़ों विधायकों में से केवल 11 को अब तक अयोग्य ठहराया जा सका है। यह किसी भी मानक से सजा की खराब दर है। इसका कारण यह है कि मामले खिंचते रहते हैं या आरोप है कि उनको लंबा खींचा जाता है ताकि आरोपी इनके लंबित रहते चुनाव लड़ सकें। सर्वोच्च न्यायालय ने यह सवाल भी उठाया है कि क्या विधायी संस्था में किसी व्यक्ति को केवल उनके खिलाफ आपराधिक आरोप लगने पर प्रवेश से रोका जा सकता है, लेकिन पांच सदस्यों वाली एक पीठ ने कहा कि उनको इस चरण पर नहीं रोका जा सकता है। इसके बजाय उसने सरकार से ऐसा कानून लाने को कहा। लेकिन इन संस्तुतियों के खिलाफ सरकार राजनीति का अपराधीकरण समाप्त करने के सिद्धान्त पर स्पष्ट जवाब देने से बच रही है। केवल एक समय तक अयोग्य ठहराने से राजनीति का अपराधीकरण समाप्त नहीं हो सकता है। गंभीर अपराधों में दोषसिद्ध होने पर यह अयोग्यता स्थाई होनी चाहिए। अपराधों के आरोपपत्र पेश हो जाने पर अदालतों को इन्हें एक निश्चित समय में निपटाना चाहिए ताकि आरोपियों को दोषसिद्ध होने पर स्वत: और स्थाई रूप से अयोग्य ठहराया जा सके। आपराधिक रिकार्ड वाले उम्मीदवार चुनने वाली राजनीतिक पार्टियों का पंजीकरण समाप्त करने पर भी विचार होना चाहिए। लेकिन क्या बिल्ली स्वयं अपने गले में घंटी बांध सकती है?

हानिकारक हो सकता है अति राष्ट्रवाद

मार्क्सवाद का विश्वास है कि राष्ट्र-राज्य पूंजीपतियों का एक शोषणकारी उपकरण है, जबकि इस्लाम का विश्वास है कि यह उनके विश्वास का अंत है।

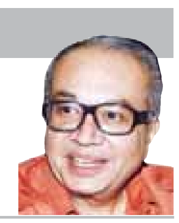

प्रफुल्ल गोराड़िया
(लेखक पूर्व राज्यसभा सदस्य हैं)

हाल में लोकप्रिय बालीवुड अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की गिरफ्तारी तथा कुछ सप्ताह जेल के सीखचों के पीछे रखे जाने के बाद कानून और राजनीति पर गरमागरम बहस शुरू हुई है। वाम-उदारवादियों ने आरोप लगाया कि इसका कारण उनका मुसलमान होना है, लेकिन वे भूल गए कि खान आधे हिंदू भी हैं। भारतीय गेंदबाज मुहम्मद शमी द्वारा हालिया टी 20 विश्व कप मैच में पाकिस्तानी बल्लेबाजों को कथित रूप से कुछ रन देने पर यह विवाद और तेज व तीखा हो गया। मेरे विचार से यह निराधार आरोप है, जबकि मैं न उदारवादी हूं न वामपंथी। पाकिस्तानी गृह मंत्री शेख रशीद ने घोषणा कर दी कि 'भारतीय मुसलमान इसी भावना का साझा करते हैं।' इसका अर्थ है कि वे सभी मुसलमान पहले हैं तथा हिंदुस्तानी या पाकिस्तानी बाद में।

उत्तर प्रदेश के इटावा में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पाकिस्तान के संस्थापक एम.ए. जिन्ना की तुलना नेहरू, सरदार पटेल व यहां तक कि गांधी से कर दी। अखिलेश ने कहा था, 'उन सबने स्वतंत्रता दिलाने में योगदान किया था।' उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस तुलना पर गंभीर प्रतिक्रिया की, लेकिन किसी मुसलमान ने अखिलेश की बात का खंडन नहीं किया है। मुस्लिम पहचान से जुड़ी ऐसी असंख्य घटनायें हैं। स्वर्गीय सैयद शहाबुद्दीन ने बार-बार अधिकांश मुद्दों पर मुस्लिम पहचान के महत्व की पैरवी की थी। वे 'मुस्लिम भारतीय' कहना पसंद करते थे और उन्होंने 'भारतीय मुसलमान' कहने से इनकार किया था। स्पष्ट रूप से इसका अर्थ व्यापक इस्लामवादी प्रतिबद्धता है जो राष्ट्रीय पहचान से आगे जाती है। हालिया टी 20 क्रिकेट मैच में पाकिस्तानी विजेताओं ने जोर दिया कि यह न केवल पाकिस्तान, बल्कि इस्लाम की विजय है। यह उदाहरण किसी प्रकार भी अकेला नहीं है। कुछ साल पहले जब वसीम

अकरम पाकिस्तानी टीम के कैप्टेन थे और वह बांग्लादेश में मैच हार गई थी तब अकरम ने कहा था कि उनको पाकिस्तान द्वारा 'मुस्लिम भाई' के खिलाफ मैच हारने पर चिन्ता नहीं है। स्पष्ट है कि उनके विचार से उम्मा, यानी वैश्विक मुस्लिम पहचान किसी भी देश से ऊपर है। लेकिन यह इस्लामवादी अति-राष्ट्रवाद लोकप्रिय नहीं हुआ। इसी प्रकार 'यहूदी पहले तथा जर्मन, ब्रिटिश या फ्रेंच बाद में' की यहूदी भावना भी लोकप्रिय नहीं हुई थी। अति-राष्ट्रवाद का जन्म संभवत: एक यहूदी अवधारणा है। यहूदियों को मिस्रवासियों ने पकड़ कर उनसे पत्थर पर पत्थर रखने का बंधुआ मजदूर वाला काम लिया था। यह स्पष्ट था कि उनको रिहा करने का फिरौन का कभी इरादा नहीं था। यहूदी इस दयनीय स्थिति से बहुत परेशान थे तथा असहाय अनुभव कर रहे थे। इसके बाद उनके पैगंबर मूसा ने हर्कुलिस जैसे कठोर प्रयास से उनको मुक्त कराया और इस्राइल भेजा। ऐसे में वे केवल देवता की बात सोच सकते थे तथा कोई राज्य या देश उनके विचार में नहीं था। विडंबना है कि वे शताब्दियों तक अपने प्रयास में उस समय तक सफल नहीं

> **नागरिक की अपने देश के प्रति प्रतिबद्धता पर सीमाओं से परे कोई प्रतिबद्धता हावी होती है जो किसी साम्राज्य, धर्म या इससे उच्चतर किसी चीज के प्रति हो सकती है। एक प्रकार से यह संप्रभुता पर आधिपत्य का हावी होना है।**

हुए, जब तक अंग्रेजों ने द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद उनकी 1948 में सहायता नहीं की। अति-राष्ट्रवाद को अक्सर परा-राष्ट्रवाद के रूप में परिभाषित किया जाता है। यहां इसका अर्थ होता है कि नागरिक की अपने देश के प्रति प्रतिबद्धता पर सीमाओं से परे कोई प्रतिबद्धता हावी होती है जो किसी साम्राज्य, धर्म या इससे उच्चतर किसी चीज के प्रति हो सकती है। एक प्रकार से यह संप्रभुता पर आधिपत्य का हावी होना है। एक यहूदी की सर्वोच्च प्रतिबद्धता किसी एक देश के प्रति न होकर यहूदीवाद के प्रति होती है। यहां तक कि 1948 में इस्राइल नामक देश बनाने के बाद भी यहूदी के लिए जेहोवा के प्रति प्रतिबद्धता इससे अधिक है। यहूदियों के लिए एक अलग देश स्थापित करने वाले आंदोलन की प्रमुख शक्ति तथा इस्राइल के पहले राष्ट्रपति चैम वीज़मान ने इस बिंदु की व्याख्या करते हुए कहा था, 'कोई ब्रिटिश या फ्रेंच यहूदी नहीं है, बल्कि ब्रिटेन और फ्रांस में यहूदी हैं।'

यह तथ्य उल्लेखनीय है कि यूरोप से वापस आ कर 'सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा' लिखने वाले प्रख्यात कवि इकबाल परा-राष्ट्रवादी हो गए थे और वही बने रहे। इसके बावजूद वे जिन्ना की तरह संपूर्ण अलगाववादी नहीं थे। पूरी संभावना है कि बहुत से मुसलमान इसी प्रकार भ्रमित होकर अपनी भावनाओं के गुलाम बन गए हैं। अमीर परिवारों को छोड़ कर उनका कहीं स्वागत नहीं होता है। ऐसे में उनकी परा-राष्ट्रवादी भावनाओं को कहां जगह मिलेगी? क्या उन्होंने इस बात पर विचार किया है कि यहूदियों के साथ जर्मनी तथा अन्य स्थानों पर कैसा व्यवहार हुआ? अब्राहम परिवार का चौथा बेटा मार्क्सवाद भी अपनी प्रकृति से परा-राष्ट्रवादी है। मार्क्सवादी अपनी प्रकृति व सोच से परा-राष्ट्रवादी होते हैं और उन्होंने अपने मूल देशों को नष्ट किया है। क्या इसका अर्थ है कि परा-राष्ट्रवादी मुसलमान भी अंतत: अपने देशों को नष्ट करने की ओर बढ़ रहे हैं? प्राकृतिक रूप से न चलने के कारण उनके देश गरीब होते जा रहे हैं। उनकी सोच स्वाभाविक रूप से उत्पादन या उत्पादक संस्कृति को बढ़ावा नहीं देती है। इसकी सर्वाधिक प्रभावी रूप से व्याख्या प्रोफेसर तिमूर कुरान ने की है। उन्होंने सिद्ध किया है कि इस्लामी कानूनों ने किस प्रकार मुस्लिम उम्मा को आर्थिक प्रगति करने से रोका है। इसके एकदम उलट परा-राष्ट्रवाद में विश्वास रखने वाले यहूदियों ने एक प्रकार की जादुई शक्ति प्रदर्शित की है। उनकी प्राथमिकता संपत्ति अर्जित करना है और वे इसमें सफल हुए हैं। लेकिन यहूदी यूरोप में अलोकप्रिय हैं क्योंकि उनको अपने देश के बजाय अपनी चिन्ता अधिक करने वाले माना जाता है।

मार्क्सवादी परा-राष्ट्रवादियों का अपने किस्म का एक और समुदाय है जो किसी ईश्वर या धर्म में विश्वास नहीं करते हैं। वास्तव में ईश्वर के अस्तित्व से इनकार करते हैं तथा धर्म को 'जनता की अफीम' बताते हैं। कम्युनिस्टों का उद्देश्य दुनिया के मजदूरों को एकजुट करना है। उनके दुश्मन अमीर थे या जिनको वे बुर्जुआ कहते थे जिनको उखाड़ फेंकना जरूरी है। मार्क्सवादियों का विश्वास है कि सत्ता औद्योगिक कामगारों या सर्वहारा को सौंपी जानी चाहिए। एक दुष्टतापूर्ण तरीके से मार्क्सवादी छोटे किसानों के भी दुश्मन बन गए और सामूहिकीकरण के माध्यम से उनके खेत छीन लिए गए।

अंतत: जैसा कि इतिहास ने सिद्ध किया है, मार्क्सवादियों ने पूरे-पूरे देशों को नष्ट कर दिया। परा-राष्ट्रवादी विचारधारा की खोज में लगे मार्क्सवादियों का यह विश्वास भी था कि अलग-अलग देशों का ज्यादा महत्व नहीं है। वास्तव में मार्क्सवाद का विश्वास है कि राष्ट्र-राज्य पूंजीपतियों का शोषणकारी उपकरण है। यह उसी तरह है जैसे इस्लामवादियों का विश्वास है कि राष्ट्र-राज्य उनके विश्वास की मौत है।

उत्सर्जनों पर नियंत्रण हेतु गंभीर प्रयास जरूरी

संजीब पोहित
(लेखक एनसीएईआर नई दिल्ली में प्रोफेसर हैं)

हाल ही में ग्लासगो में एक और सीओपी बैठक आयोजित की गई थी। पिछले कुछ वर्षों में कम महत्वपूर्ण बैठकों की तुलना में, इस वर्ष की बैठक उच्च नोट पर समाप्त हुई प्रतीत होती है। विकसित देशों ने कार्बन स्पेस में ऐतिहासिक उत्सर्जन के स्टॉक की कथा को विकसित देशों द्वारा वर्तमान उत्सर्जन के मुद्दे से जोड़ने में काफी सफलता हासिल की है। बुरे लोग निश्चित रूप से भारत और चीन जैसे उभरते हुए देश हैं।

पिछले कुछ वर्षों में इस ओर झुकाव धीरे-धीरे स्पष्ट हो गया था जब विकासशील देशों पर कार्बन उत्सर्जन के चरम वर्ष की पहचान करने के लिए विभिन्न मंचों पर दबाव बनाया जा रहा था। चीन सहित कई देशों ने इसका अनुसरण किया और अपने विकास पथ के अनुसार शिखर वर्ष की पहचान की। मेरे सर्वोत्तम ज्ञान के लिए, भारत ने कभी भी आधिकारिक तौर पर एक चरम वर्ष की घोषणा नहीं की, भले ही उन्होंने 2070 को शुद्ध शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य वर्ष के रूप में घोषित करने से पहले आधिकारिक सर्कल में काम किया हो। भारत के प्रधान मंत्री द्वारा इस तरह की बैठक में एक साहसिक घोषणा एक मजबूत संदेश देती है।

जैसा कि मुझे याद है, पेरिस बैठक में प्रधान मंत्री का एक ऐसा ही संदेश भारत के ऊर्जा स्पेक्ट्रम में अक्षय ऊर्जा की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव का मार्ग प्रशस्त करता है। हालांकि इस बार टास्क ज्यादा चुनौतीपूर्ण है। भारत को ज्यादातर अपने संसाधनों पर निर्भर रहना पड़ता है क्योंकि विकसित देश भारत जैसे विकासशील देशों को संक्रमण के लिए धन आवंटित करने में बहुत आगे नहीं हैं। इसके अलावा, जैसे-जैसे जलवायु परिवर्तन अधिक स्पष्ट होते जाते हैं, वैसे-वैसे यह उम्मीद की जाती है कि भारत सहित सभी देशों पर शुद्ध शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य वर्ष को आगे बढ़ाने का दबाव होगा।

इस प्रकार, भारत को उत्सर्जन को कम करने के उपायों पर गंभीरता से होमवर्क करने की आवश्यकता है। साथ ही, भारत को दुनिया पर जोर देने की

जरूरत है जहां उसका स्कोरकार्ड कई विकसित देशों की तुलना में बेहतर है जो अक्सर भारत को उत्सर्जन प्रवाह पर व्याख्यान देते हैं। कुल मिलाकर, भारत ने ज्यादातर समय पीछे हटने का तरीका अपनाया है।

उदाहरण के लिए, उत्सर्जन के दो बोर्ड स्रोत हैं- खपत प्रक्रिया के साथ-साथ उत्पादन प्रक्रिया। यह हमारे हित में है कि हम प्रत्येक घटक के साथ खड़े हों। खपत के मामले में, भारत के घरों में विकसित देशों के अमीर परिवारों की तुलना में बहुत कम उत्सर्जन होता है। यह भारत के अति-समृद्ध परिवारों बनाम विकसित देशों में समान के लिए भी सच है। यह विपरीत जीवन के कारण होता है। बीईईएस द्वारा ऐसे सामानों की स्टार रेटिंग प्रणाली की शुरुआत के कारण कई भारतीय उपभोक्ता बिजली के सामान ऊर्जा कुशल हैं, जिससे उत्सर्जन कम होता है। इसी तरह, संयुक्त राज्य अमेरिका के ईंधन की खपत करने वाले ऑटोमोबाइल की तुलना में अधिकांश भारतीय व्यक्तिगत ऑटोमोबाइल ईंधन-कुशल हैं, जिससे कम उत्सर्जन होता है। हालाँकि, भारतीय इन तथ्यों को सबूतों के साथ वैश्विक बैठक में इंगित करने के लिए तैयार नहीं हैं। काश, भारतीय शोधकर्ताओं ने वैश्विक उपभोग के लिए इस तरह के तथ्य-खोज अनुसंधान में निवेश नहीं किया होता।

उत्पादन प्रक्रिया पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि अधिकांश उत्सर्जन यहीं होता है। यहां भी, ऐसे क्षेत्र हैं जहां भारतीय उद्योग विकसित लोगों के साथ तुलना करते हैं। हमें ऐसे मामलों का उद्देश्य विश्लेषण करने और दुनिया के सामने सबूत पेश करने की जरूरत है। इस प्रक्रिया में, हम जानेंगे कि हमें कहाँ सुधारात्मक कार्रवाई करने की आवश्यकता है। बेशक, इन पर गहन शोध की आवश्यकता है जहां सरकार और/या निजी क्षेत्र द्वारा धन का निवेश करने की आवश्यकता है।

पिछले कुछ वर्षों में, भारतीय पर्यावरण मानकों में ढील के कारण विकसित देशों से ऊर्जा गहन क्षेत्रों में बहुत अधिक निवेश आया है। इस तरह के और निवेश आने वाले हैं क्योंकि अन्य देश अपनी अर्थव्यवस्था को शुद्ध-शून्य उत्सर्जन लक्ष्य की ओर बढ़ाने के लिए अपने पर्यावरण मानदंडों को मजबूत करते हैं। अब समय आ गया है कि भारत पर्यावरण के मानदंड के बारे में एक वस्तुनिष्ठ निर्णय ले कि इन प्रदूषणकारी उद्योगों का आधुनिकीकरण कैसे किया जा सकता है और क्या ऐसे उद्योगों की स्थापना पर निवेश नीति को संशोधित किया जाना चाहिए। हमारा प्रमुख व्यापारिक भागीदार, यूरोपीय संघ, विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन से उत्पन्न कार्बन उत्सर्जन की मात्रा के आधार पर आयात पर कार्बन सीमा समायोजन कर लगाने पर चर्चा कर रहा है। भारत को ऊर्जा गहन उत्पादों पर एक सुविचारित नीति बनाने की आवश्यकता है।

भारत की कृषि पद्धतियों को आत्मनिरीक्षण की आवश्यकता है। उत्तर भारत के बेल्ट में मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी ने गहरे पानी में धान की खेती के तरीकों को प्रोत्साहित किया है जो अनजाने में उच्च उत्सर्जन की ओर जाता है। भारत के कृषि क्षेत्र में देश के कुल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग 14 प्रतिशत हिस्सा है, इससे पहले बिजली (44 प्रतिशत) और विनिर्माण उद्योग और निर्माण क्षेत्र संयुक्त (18 प्रतिशत) हैं। इस प्रकार, यदि हमें शुद्ध शून्य उत्सर्जन प्राप्त करना है तो कृषि क्षेत्र पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

आप की बात

देश से पहले

मुंबई पर 26/11 पाक प्रायोजित आतंकी हमले को 13 साल पुरे हुए। इस हमले के सूत्र को लेकर खास कर मुंबई के नागरिकों में खासा गुस्सा है। यही स्थिति देश के नागरिकों के साथ है। देश की आर्थिक राजधानी पर हुए हमले को तत्कालीन केंद्र सरकार ने गंभीरता से नहीं लिया। अगर लिया होता तो पाकिस्तान को तब ही सबक मिल सकता था। भारत-पाक युद्ध छिड़ गया, तो पाकिस्तान परमाणु बम का इस्तेमाल करेगा। तत्कालीन सरकार के इस भय से उन्होंने पाकिस्तान पर आक्रमण नहीं किया। उस समय कई लोग आतंकी हमलों में मारे गए और इन्हे परमाणु बमों का प्रयोग होने की चिंता होना, क्रोधजनक है। असली वजह यह हो सकती है कि अगर पाकिस्तान पर भारत से हमला होता, तो यहा के अल्पसंख्यक समुदाय को कैसा लगेगा? अगर उन्हें दु:ख पहुचाने वाला काम किया तो हमें राजनीति से ही बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। पाकिस्तान से अधिक डर तो इसी विचार का होगा। दुश्मन पर हमले की तुलना में वोट बैंक को प्राथमिकता दी गई। पाकिस्तान को दुनिया के नक्शे से मिटा देना होगा। अगर यहां एक भी नागरिक आतंकवादी हमले में मारा जाता है, तो पाकिस्तान को इसकी कीमत कैसे चुकानी पड़ सकती है?

– **जयेश राणे**, मुंबई

सड़क दुर्घटनाएं

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा प्रकाशित वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग देश के सड़क नेटवर्क का 2.13 प्रतिशत हिस्सा साझा करते हैं, लेकिन 2015 से 2019 तक की वार्षिक औसत सड़क दुर्घटनाओं और मौतों में 29.6 प्रतिशत हिस्सा है। इसी प्रकार राज्य राजमार्ग और प्रमुख जिला सड़कें देश के सड़क-तंत्र का क्रमश तीन और तिरासी प्रतिशत हिस्सा साझा करते हैं, जबकि वार्षिक सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों का 43.4 और 27 प्रतिशत हिस्सा साझा करते हैं। ग्रामीण सड़क दुर्घटनाओं में मौतें शहरी सड़कों की तुलना में लगभग दोगुनी हैं। 2019 में लगभग सड़सठ फीसद सड़क दुर्घटनाएं और साठ फीसद मौतें ग्रामीण इलाकों में हुईं। यानी ये हादसे न केवल बड़ी तादाद में जनक्षति की वजह बनते हैं, बल्कि इनसे देश की अर्थव्यवस्था को भी भारी नुकसान होता है। कई परिवारों में कमाकर खाने वाले काल का ग्रास बन जाते हैं! और उन परिवारों के दुर्दिन शुरू हो जाते हैं सड़क दुर्घटनाओं के लिए एक तो भारतीय जनता की लापरवाही की मनोवृत्ति, दूसरे युवाओं का पायलट बन जाना ,तीसरे घटिया सड़कें और रोड के संकेत चिन्ह चिन्हों पर लोगों द्वारा चिपकाए गए पोस्टर प्रमुख कारण है!

– **सुभाष बुड़ावनवाला**, रतलाम

अच्छा संकेत

सवा अरब आबादी वाले देश भारत मे लिंगानुपात की समस्या थी। लेकिन बेटी पढ़ाओ,बेटी बचाओ जैसे अभियानों और सरकारी अस्पतालों में प्रसव की सुविधाये बढ़ाने से लिंगानुपात में सकारात्मक परिवर्तन हुए है।नेशनल फेमिली हेल्थ मिशन के सर्वे के अनुसार 1000पुरुषों पर महिलाओ की संख्या 1020 हो गई है। जबकि 2016-17 में यह अनुपात1000-991 था। आज सरकारी अस्पतालों में 88.5 प्रतिशतप्रसव करवाने लोग गए। लोग अस्पतालों में प्रसव को प्राथमिकता दे रहे है।लड़का-लडकी एक समान और छोटा परिवार के महत्व का असर भी दिखाई देने लगा है। प्रजनन डर में गिरावट आ रही है। जिससे जनसंख्या भी धीरे धीरे कम हो रही है।जो भारत देश के विकसित देशों की श्रेणी में शामिल होने का सुखद संकेत है।समाज मे लड़कियों का महत्व बढ़ रहा है। लोग लड़कियों का महत्व समझ रहे है। हर क्षेत्र में महिलाएं उन्नति कर रही है और पुरुषों के साथ कंधा मिलाकर चल रही है। महिला सशक्तिकरण के लिये सरकार द्वारा किये गए प्रयासों का यह परिणाम है।

– **कुलदीप मोहन त्रिवेदी**, जरगांव

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

फरमाया

मुझे सीएम के रूप में चार महीने मिले हैं, लेकिन मैं चार साल का काम करूंगा। न मैं सोता हूं, न अधिकारियों को सोने देता हूं।

– **चरणजीत सिंह चन्नी**
पंजाब के मुख्यमंत्री

यदि कोई सहयोगी दल सरकार छोड़ने का विकल्प चुनता है तो सत्तासीन गठबंधन सरकार को इस्तीफा दे देना चाहिए।

– **मैगडालीना एंडरसन**
स्वीडन की प्रधानमंत्री

'**खेला होबे**' का आप कुछ भी मतलब समझें लेकिन यह उकसाने वाला नहीं हो सकता। हमारी जीत में इसका अहम योगदान रहा है।

– **संयोनी घोष**
तृणमूल नेता

देश के लिये नजीर बनी यूपी की कानून व्यवस्था: योगी

सीएम योगी ने मंत्रियों के साथ सुना संविधान दिवस पर राष्ट्रपति और पीएम का सम्बोधन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

संविधान दिवस पर शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने कार्यालय लोक भवन के ऑडिटोरियम में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री का सम्बोधन सुना। उनके साथ दोनों डिप्टी सीएम तथा सरकार के कई अन्य मंत्री मौजूद रहे। इसके बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी संविधान दिवस एवं अधिवक्ता कल्याणार्थ आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि 26 नवंबर 1949 को हमारे देश के संविधान को अंगीकृतए अधिनियमित और आत्मार्पित किया गया था। इस दौरान अलग.अलग समितियों के प्रारूप को एक रूप देने के लिए एक शिल्पी के रूप में बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर को यह दायित्व दिया गया था। बाबा साहब की 125वें जयंती वर्ष में पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा संविधान दिवस मनाया गया। संविधान के ही कारण हम सभी को एक सामान मताधिकार प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को न केवल संविधान से प्रदत्त अधिकार प्राप्त हुए हैंए बल्कि भारत को दुनिया की एक महाशक्ति के रूप में स्थापित करने के लिए हर नागरिक को कुछ कर्तव्य भी बताए गए हैं। उन्होंने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज हमने राष्ट्रपति के साथ संविधान की प्रस्तावना को दोहराया है। इसके साथ हमें राष्ट्रपतिएउपराष्ट्रपति व प्रधानमंत्री का उद्बोधन सुनने को प्राप्त हुआ है। भारत के संविधान निर्माताओं की भावनाओं के अनुरूप हम सब भी अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी पूर्वक कर सकेंए इसके लिए आप सभी के प्रति मैं अपनी शुभकामनाएं व्यक्त करता हूं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था देश के लिए एक नजीर बन रही है।

गांव-मोहल्लों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने पर योगी सरकार का जोर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के गांवों को प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए ग्रामीण को भटकना न पड़े इसके लिये योगी सरकार ने गांवों में 5000 से ज्यादा उप स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र बनवा रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसे अभियान के रूप में ले रहे है और इसे तेजी से पूरा कराना चाहते हैं। हाल में ही हुई उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को इन केंद्रों को जल्द शुरू कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए। साढ़े चार साल के कार्यकाल में स्वास्थ्य व्यवस्थाएं हमेशा प्राथमिकता में रही हैं। खासकर ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य पहुंचाने पर प्रदेश सरकार का खासा जोर रहा है। इसी के मद्देनजर प्रदेश में ग्रामीण इलाकों में 5000 नए स्वास्थ्य उपकेंद्र खोले जा रहे हैं। इन नए उपकेन्द्रों पर जरूरी उपकरणए चिकित्सक व पैरामेडिकल स्टाफ की व्य वस्था् स्वास्थ्य विभाग की ओर से की जाएगी। इन स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र के खुलने के बाद ग्रामीणों को कई तरह सुविधाएं मिलने लगेंगी। केंद्रों में मातृत्व स्वास्थ्य, शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, किशोर स्वास्थ्य, मधुमेह, रक्तचाप की जांच, संचारी और गैर संचारी रोग प्रबंधन और उपचार की व्यवस्था होगी। इसके साथ ही योग और एक्सरसाइज, काउंसिलिंगए स्कूल हेल्थ एजुकेशन, आपातकालीन चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी। टीकाकरण और मातृत्व स्वास्थ्य की जांच और इलाज के अलावा मौसमी बीमारी, टीबी, मलेरिया की रोकथाम के उपाय बताने के साथ उपचार की सुविधा मिलेगी। ग्रामीण इलाके के लोगों की सेहत सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं सरकार की ओर से चलाई जा रही हैं।

सपा मुखिया को हर बात राजनीति चश्मे से देखने की आदत: स्वतंत्र देव

पायनियर समाचार सेवाा। लखनऊ

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव को हर बात राजनीति के चश्मे से देखने की बुरी बीमारी लग गयी है यही कारण है कि संविधान दिवस जैसे पवित्र दिन भी वे कुत्सित राजनीति से ऊपर नहीं उठ पाए।

उन्होंने कहा कि आज का दिन जब पूरा देश भारत रत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर को याद कर रहा है और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प ले रहा है तो सपा मुखिया को चुनाव याद आ रहे हैं। श्री सिंह ने कहा कि जब मंच से अखिलेश यादव दबे-कुचले, वंचित, शोषितों और गरीबों के उत्थान की बड़ी-बडी बातें कर रहे थे तो वह भूल गए कि अनुसूचित जाति गरीबों और वंचितों पर सबसे ज्यादा अत्याचार सपा कार्यकाल में ही हुआ था। सबसे ज्यादा दलित उत्पीड़न के मामलें सपा कार्यकाल में ही सामने आए थे। स्थिति यह थी कि दलितों की एफ आई आर तक दर्ज नहीं की जाती थी। उन्होंने कहा कि सपा मुखिया आज मंच से संविधानए जो दलित, वंचित, शोषित वर्ग की सुरक्षा के लिए बनाया गया थाए उसके बारे में बात कर रहे थे। उन्हें इस संविधान की याद अपने शासनकाल में नहीं आई जब दलितों को मारा.पीटा जाता था और यहां तक कि उनकी हत्या कर दी जाती थी फिर भी कोई कार्रवाई नहीं होती थी। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि सपा-बसपा के शासनकाल में अपराधियों और माफियाओं ने जो संपत्ति अर्जित की थी ऐसी 1866 करोड़ रूपये से अधिक की संपत्ति ध्वस्त की गई।

देश में कोई जिन्नावादी पार्टी है तो वह है भाजपा: संजय सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने पार्टी के नवे स्थापना दिवस पर हुए कार्यक्रम में सत्ताधारी दल पर तीखा हमला बोला उन्होंने कहा देश में अगर कोई जिन्नावादी पार्टी है तो वह भाजपा है। जनसंघ के प्रथम अध्यक्ष श्यामा प्रसाद मुखर्जी और आरएसएस पदाधिकारी वीर सावरकर का जिक्र करते हुए पूछा क्कि आखिर आजादी से पहले उन्होंने जिन्ना की मुस्लिम लीग से गठबंधन करके तीन राज्यों में सरकार क्यों बनाई। मुख्यमंत्री के शहर गोरखपुर में पुलिस की पिटाई से अंकुर शुक्ला की मौत पर संजय सिंह ने सवाल खड़े किए। कहा आखिर कौन इन मौतों का जवाब देगा। संजय सिंह ने केक काटकर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को स्थापना दिवस की बधाई दी। बोले.आपकी मेहनत से हमने दिल्ली में तीन बार सरकार बनाई। केजरीवाल के नेतृत्व में हम पंजाब में मुख्य विपक्षी दल के रूप में स्थापित हुए और उत्तराखंड, गोवा, गुजरात, राजस्थान से लेकर यूपी तक गांव–गांव में पार्टी का झंडा उठाने के लिए लोग तैयार हैं। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह, निर्मल मिश्रा, इमरान लतीफ, अमित श्रीवास्तव, पुष्पेंद्र श्रीवास्तव, वंशराज दुबे, विनय पटेल, दिलावर रिजवी, तरुणिमा श्रीवास्तव, सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संविधान का ठीक से नहीं हो रहा पालन: मायावती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी ने 26 नवंबर को मनाए गए संविधान दिवस से किनारा कर लिया है। शुक्रवार को बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि देश में संविधान का ठीक से पालन ना होने के विरोध में संविधान दिवस कार्यक्रम में शामिल ना होने का फैसला किया है।

मायावती ने कहा कि डॉ भीमराव अम्बेडकर ने भारतीय संविधान में देश के कमजोर एवं उपेक्षित वर्गों को विशेषकर शिक्षा एवं सरकारी नौकरियों आदि में आरक्षण एवं अन्य जरूरी सुविधाओं का प्रावधान किया है। उसका पूरा लाभ इन वर्गों के लोगों को नहीं मिल पा रहा है। जिसको लेकर इन वर्गों के लोग और हमारी पार्टी बहुत ज्यादा दुखी है। केन्द्र और राज्य की सभी सरकारें इस वर्ग पर जरूर ध्यान देंए यह बीएसपी इनको सलाह देती है। इन वर्गों के लोगों को सपा जैसी पार्टियों से जरूर सावधान रहना चाहिएए जिसने एससी और एसटी सम्बंधित बिल को सांसद में फाड़ दिया था। षड्यंत्र के तहत पास भी नहीं होने दिया था। उन्होंने कहा कि केन्द्र की नरेन्द्र मोदी और राज्य सरकारें इस बात की गहन समीक्षा करें कि क्या यह पार्टियां संविधान का सही से पालन कर रही हैं। एससीए एसटी तथा ओबीसी वर्ग का ज्यादातर विभागों में आरक्षण का कोटा अधूरा पड़ा है।

संविधान में दिए हक और सम्मान को छीन रही है भाजपा सरकार: अखिलेश

● संविधान बचाओ रैली में सपा अध्यक्ष ने किया भाजपा का सफाया करने का आह्वान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीम राव अम्बेडकर ने ऐसा संविधान बनाया है जो हम सबको बराबरी का हक और सम्मान देता है। संविधान से सामाजिक न्याय मिलता है। हमारा संविधान लोकतंत्र की आत्मा है लेकिन आज संविधान और लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ हो रहा है। भाजपा सरकार लोगों से संविधान में दिये गये हक और सम्मान को छीन रही है। संविधान और कानून को कुचला जा रहा है।

अखिलेश यादव भारतीय संविधान दिवस एवं संविधान बचाओ विराट महापंचायत के अवसर पर मान्यवर कांशीराम स्मृति उपवन लखनऊ में संविधान बचाओ रैली को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए 2022 में भाजपा का सफाया किया जाना चाहिए। जो कानून संसद से बनाये और खत्म किये जाते थे वे राष्ट्र के नाम एक संदेश से हो रहे हैं। एक बार राष्ट्र के नाम संदेश आया और भारत सरकार का दिया गया रुपया बंद हो गया। रुपया का पता ही नहीं चला कि कहां चला गया। एक बार और राष्ट्र के नाम संदेश आया तो तीन काले कृषि कानून वापस हो गये। जो कानून पार्लियामेंट से वापस होने थे वे टीण्वीण् पर एक संदेश से वापस हो गये। इसलिए मंच पर जो सभी लोग कह रहे हैं कि संविधान को खतरा है उसे समझिए। अखिलेश यादव ने कहा कि जो सरकार जनता को दु:ख देती है। जनता समय आने पर उसका हिसाब.किताब करती है। भाजपा सरकार ने महंगाईए बेरोजगारीए अन्याय और अत्याचार बढ़ाया है। उत्तर प्रदेश की जनता इस बार भाजपा का दरवाजा बंद कर देगी। उन्होंने कहा कि जब किसान नहीं चाहते थे तब यह सरकार काला कानून क्यों लेकर आईघ् किसानों को सर्दीए गर्मीए बरसात झेलना पड़ा। उन्हें रोकने के लिए कीले लगा दी गई। किसानों ने कुर्बानी दी। आंदोलन में 600 से ज्यादा किसान शहीद हो गये। तब जाकर काले कृषि कानून वापस हुए। किसानों के अपमान की जिम्मेदार भाजपा सरकार है। लखीमपुर खीरी में गृह राज्यमंत्री के बेटे ने किसानों को गाड़ी से कुचल कर हत्या कर दी। सिर्फ किसानों को ही नहीं कुचला देश के संविधान और कानून को कुचल दिया गया।

उमाशंकर सिंह बने बसपा विधानमंडल दल के नेता

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बसपा सुप्रीमो मायावती ने शुक्रवार को बलिया के रसड़ा से विधायक उमाशंकर सिंह को बसपा विधानमंडल दल का नेता नियुक्त किया है। उमाशंकर सिंह को शुक्रवार को विधानमंडल दल का नेता घोषित करने के बाद बसपा मुखिया मायावती ने उनको बधाई भी दी है। विधानमंडल दल के नेता शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली ने एक दिन पूर्व अपने पद से इस्तीफा दिया था तभी से यह पद खाली चल रहा था। एसोसिएशन आफ डेमोक्रेटिक रिफार्म (एडीआर) की रिपोर्ट के मुताबिक उमाशंकर सिंह अधिक सम्पत्ति वाले प्रदेश के टॉप दस विधायकों में हैं। इनका नाम नौवें नम्बर पर दर्ज है। रसड़ा विधायक उमाशंकर सिंह आयकर विवरण में सबसे ज्यादा वार्षिक आय घोषित करने वाले विधायकों में शीर्ष पर हैं।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने किया प्रदेश कांग्रेस के सदस्यता महाअभियान का शुभारंभ

● जो लड़ाने व बरगलाने का काम कर रहें हैं उनसे सचेत रहने की आवश्यकता: बघेल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री एंव उत्तर प्रदेश चुनाव की कमान संभाल रहे भूपेश बघेल ने संविधान दिवस के अवसर पर प्रदेश कांग्रेस के सदस्यता महाअभियान की शुरूआत कराई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि देश को आजादी अनगिनत नेताओं को जेल यातनाएं, शहादत, फांसी पर चढ़ने और लाखों कार्यकर्ताओं के जेल जाने के बाद मिली लेकिन यह आजादी अधूरी रहती अगर हमें संविधान न मिलता। यह संविधान सबको बराबरी का अधिकार देता है। सपने देखने काए सपने को सकार करने का अधिकार देता है। जिस पार्टी में महात्मा गांधीए पं. जवाहर लाल नेहरू, सरदार बल्लभ भाई पटेल, जैसे नेता जिन्होंने आजादी दिलाई एवं संविधान लिखने के लिए भीमराव अम्बेडकर जी को मौका दिया, रहें हों, उस कांग्रेस पार्टी का सदस्य होने पर मुझे गर्व है। उन्होंने कहा कि संविधान दिवस के अवसर पर पार्टी सदस्यता अभियान की शुरूआत की गयी है। हमारा लक्ष्य हैए उत्तर प्रदेश में अगले 15 दिनों में एक करोड़ सदस्य बनाने काए जिसे हम पूरा करेंगे। कांग्रेस ने हमेशा देश के हित में कार्य किया है। पार्टी हित से ऊपर उठकर, देश हित में हमारी पार्टी के नेताओं ने देश की एकता और अखण्ता के लिए अपना खून बहाया है। यहां तक अपना बलिदान भी दिया है। बघेल ने कहा कि जब देश आजाद हुआ, भारत में सुई तक नहीं बनती थी। सुई से लेकर राकेट बनाने तक का कार्य कांग्रेस ने किया। और यह पूछते हैं कि कांग्रेस ने क्या किया है कांग्रेस ने सब कुछ दिया है। जो लड़ाने का, बरगलाने का काम कर रहें हैं, उनसे सचेत रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इन्दिरा जी ने हरित क्रान्ति का आह्वान किया जिसकी बदौलत अगर आज देश में सूखा पड़ जाये तो भी तीन साल तक अनाज की कमी नहीं होगी। यह हरित क्रान्ति की बदौलत संभव हुआ। आज किसानों को उचित दाम नहीं मिल रहा है। वह एक साल से लड़ाई लड़ रहें हैं। राहुल गांधी ने ट्रैक्टर रैली की, प्रियंका गांधी ने बैठकें की, पंचायतें की, तब जाकर यह तानाशाही सरकार झुकी और तीन काले कृषि कानूनों को वापस लिया। आज किसान एमएसपी मांग रहा है। जब छत्तीसगढ़ में अनाज का समर्थन अब हम अगले सत्र में 2500 से अधिक 2540 रुपये देने जा रहें हैं।

कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर भारत में रहने वाले बांग्लादेशी को 4 वर्ष का कारावास

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर जाली पासपोर्ट बनवाकर भारत में रहने वाले बांग्लादेशी लीटन विश्वास को कोर्ट ने 4 वर्ष के कारावास व 5 हजार के अर्थदण्ड की सजा सुनाई है। यूपी एटीएस द्वारा मई .2019 में कूट रचित दस्तावेज बनवाने और जाली पासपोर्ट रखने के आरोप में 6 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया था । जिसपर यूपी एटीएस द्वारा धारा 419, 420, 467, 468, 471 व 14 विदेशी अधिनियम, थाना . एटीएस, लखनऊ पर दर्ज किया गया था। जिसमें गिरफ्तार 6 अभियुक्त फर्जी दस्तावेज बनवाकर अवैध रूप से भारत में निवास कर रहे थे। जिसमें यूपी एटीएस की सघन पैरवी के कारण पांच अभियुक्तों हबीबुर्रहमान, कमालुद्दीन, काबिल ए जाकिर और ताईजुल ने न्यायलय के समक्ष अपना अपराध स्वीकार लिया था । जिस पर न्यायालय द्वारा उपरोक्त पांच अभियुक्तों को धारा 419 ए 420, 467, 468, 471 व 14 विदेशी अधिनियम में दोषी मानते हुए पांचो अभियुक्तों को 4.4 वर्ष के कारावास और 5.5 हज़ार के अर्थ दण्ड से 17.03.2021 को दण्डित किया था। छठे अभियुक्त लीटन विश्वास निवासी बिलासपुर थाना जोयदीपपुर जिला गाजीपुर बांग्लादेश जो न्यायालय में विचारणधीन था। जिसमें 24 नवम्बर को न्यायालय विशेष मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (कस्टम) लखनऊ द्वारा अभियुक्त लीटन विश्वास को धारा 419, 420, 467, 468, 471 आईपीसी व 14 विदेशी अधिनियम में दोषी पाते हुए 4 चार वर्ष की सज़ा व रुपए 5000 के जुर्माने से दंडित किया है।

संविधान को सुरक्षित रखना हम सब की जिम्मेदारी: कुंवर फतेह बहादुर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सामाजिक संस्था बहुजन भारत के मुख्यालय पर शुक्रवार को संविधान दिवस का आयोजन करके बाबा साहब को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर संस्था के अध्यक्ष कुंवर फ़तेह बहादुर ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने संविधान में देश के 85 फीसदी बहुजन समाज को स्वाभिमान से जीने के अधिकार संरक्षित किये। भारतीय संविधान में दिए गए अधिकारों की बदौलत ही आज देश के दलितए पिछड़ा और अल्पसंख्यक समाज को उसके अधिकार मिल पा रहे हैं। अपने अधिकारों को पाने के लिए संविधान को सुरक्षित रखना हम सब की जिम्मेदारी है। कुंवर फ़तेह बहादुर ने कहा कि बाबा साहब द्वारा संविधान में दिलाये गए अधिकारों के प्रति बहुजन नायक कांशीराम ने इस वर्ग में जागरूकता लाकर इनकी वोट की ताकत को सत्ता में परवर्तित करके इन्हें इनके अधिकार दिलाये। उपाध्यक्ष नंदकिशोर ने कहा संविशन के बिना लोकतंत्र की कल्पना ही नहीं की जा सकती। संस्था के महासचिव चिंतामणि ने कहा कि बहुजन समाज में जागरूकता अभियान चलाये रखना बहुत जरूरी है। संस्था के कोषाध्यक्ष राम कुमार गौतम ने कहा बाबा साहब ने संविधान सभा में कहा था कि साधन योग्य उद्योग ए मूल उद्योग ए बीमा ए कृषि आदि राज उद्योग बनाये जाएँ तथा व्यक्तिगति लोगों से ऐसे उद्योग धंधें अपने अधिकार क्षेत्र में लेकर सार्वजनिक उद्योग धंधें घोषित किये जाएं जिससे पैदा होने वाले रोजगार जनसामान्य तक पहुंच सकें।

डेंगू के सात नए मरीज मिले

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजधानी में डेंगू रोग के प्रभावी नियन्त्रण हेतु मुख्य चिकित्साधिकारी के निर्देशानुसार शुक्रवार को नगर मलेरिया इकाई एवं जिला मलेरिया अधिकारी की टीम द्वारा इब्राहिमपुर प्रथमए रकाबगंजए कदम रसूलए सआदतगंजए अलीगंजए राजीव गॉधी प्रथमए इन्दिरानगर वार्ड के आस.पास के क्षेत्रों का भ्रमण किया। वहीं आज इन्दिरानगरए अलीगंज क्षेत्र में 7 डेंगू धनात्मक रोगी पाये गये। आज कुल 3989 घरों तथा विभिन्न मच्छरजनित स्थितियों का सर्वेक्षण किया गया और कुल 3 घर में मच्छरजनित स्थितियां पाये जाने पर नोटिस जारी किया गया। वहीं दूसरी तरफ आज जीका वायरस रोगियों के क्षेत्रान्तर्गत अर्बन सीएचसी रेडक्रास की टीम द्वारा सफ्दलबागध्कुर्मी टोला क्षेत्र में कुल 16 टीमों द्वारा 386 घरों में 2067 व्यक्तियों का सर्वेक्षण किया गया। इसके अतिरिक्त क्षेत्र में सोर्स रिडक्शन के अन्तर्गत नगर मलेरिया इकाई की टीम द्वारा एण्टी लार्वा का छिडकाव तथा नगर निगम की टीम द्वारा फॉगिग का कार्य कराया गया।

भ्रष्टाचार पर योगी सरकार में हुई सख्त कार्रवाई

एसआईटी के इतिहास में सर्वाधिक 114 जांच व विवेचनाओं का हुआ निस्तारण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर जीरो टालरेन्स की नीति के तहत भ्रष्टाचार एवं वित्तीय गड़बड़ियों पर सख्त एवं प्रभावी कार्यवाही के लिए विशेष अनुसंधान दल (एसआईटी) की सक्रियता बढ़ाये जाने के फलस्वरूप बेहतर परिणाम सामने आये है। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में विशेष अनुसंधान दल के इतिहास में सर्वाधिक 114 जांचध्विवेचनाओं का निस्तारण किया जा चुका है।

उल्लेखनीय है कि एसआईटी द्वारा बड़ेए असरदार एवं विभिन्न पदों पर आसीन प्रभावशाली व्यक्तियों और लोकसेवकों द्वारा अपनी पहुंच और पद का दुरूपयोग कर किये जाने वाले गंभीर आर्थिक अपराधों और अन्य जटिल मामलों की जांच और विवेचना की जाती है। गृह विभाग द्वारा एसआईटी को ऐसे प्रकरण भी संदर्भित किये जाते है जिनमें राज्य सरकार एवं उसके अधीन कार्य कर रहे विभिन्न विभागों, संगठनों, संस्थाओं, निगमों, अधिकरणों आदि लोकसेवकों द्वारा स्वयं अथवा अन्य व्यक्तियों से सांठ.गांठ कर गंभीर राजस्वध्वित्तीय हानि पहुंचाई गई हो।

अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि विशेष अनुसंधान दल को वर्ष 2017 में 30ए वर्ष 2018 में 14ए वर्ष 2019 में 49ए वर्ष 2020 में 40 तथा वर्ष 2021 में अगस्त तक 36 जांचे अर्थात वर्तमान सरकार के कार्यकाल में कुल 116 जांचेध्विवेचनाएं अभिदिष्ट की गयीं। अवस्थी ने विशेष अनुसंधान दल द्वारा वर्तमान सरकार के कार्यकाल में निस्तारित महत्वपूर्ण जांचध्विवेचनाओं का विवरण देते हुए बताया कि जनपद सोनभद्र प्रकरण की विवेचना में दोष निर्धारित किया गया है। जनपद सहारनपुर में टपरी स्थित देशी शराब की फैक्ट्री में शराब निकासी में अनियमितताओं से राजस्व की क्षति होना प्रमाणित हुआ है। इसमें लगभग 35 करोड़ रुपये की एक्साइज चोरी उजागर कर 11 अभियुक्तों की गिरफ्तारी की गयी है। इसके अलावा जिन प्रकरणों में जांच से अनियमिततायें प्रमाणित हुई हैं उनमें प्रमुख नाम क्रमश: मोण् अली जौहर प्रशिक्षण संस्थानध्जौहर विश्वविद्यालय रामपुर की जांचए उप्र राजकीय निर्माण निगम लिण् द्वारा 137 निर्माण कार्यों में अनियमितताए उप्र सहकारी संस्थागत सेवा मण्डल द्वारा 40 भर्तियों में अनियमितताए 17 मण्डलों में पशुधन प्रसार अधिकारी की भर्ती में अनियमितता, उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा भर्ती प्रक्रिया में की गयी अनियमितता आदि। उप्र जल निगम में 1300 पदों पर भर्ती में अनियमितताओं तथा सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय में अनियमितताओं की भी जांच एसआईटी द्वारा की गई। अपर मुख्य सचिव गृह ने विशेष अनुसंधान दल में प्रचलित महत्वपूर्ण जांचध्विवेचनाओं के प्रमुख प्रकरणों का विवरण देते हुए बताया कि आगरा विश्वविद्यालय द्वारा फर्जी डिग्री के मामलेए उप्र परिवहन विभाग के अधिकारियों द्वारा अवैध वसूली का प्रकरणए जनपद गोण्डा के 28 महाविद्यालयों में अनियमितताओं का मामलाए समाज कल्याण विभाग द्वारा छात्रवृत्ति में अनियमितता प्रकरणए हज हाउस में निर्माण संबंधी अनियमितताए जनपद आजमगढ़ एवं मिर्जापुर के मदरसों में अनियमितताए मुरादनगर ;गाजियाबाद में शमशान के निर्माण कार्यए कानपुर में शस्त्र लाइसेंसों में अनियमितता व सरकारी भूमि पर भू.माफियाओं द्वारा अवैध कब्जा कर प्लाटिंग करने आदि के मामले प्रमुख हैं।

मतदाता सूची से डुप्लीकेट नाम हटाने को लेकर सपा प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्य चुनाव आयुक्त को लिखा पत्र

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने मुख्य चुनाव आयुक्त भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली को मतदाता सूची से डुप्लीकेट नाम हटाने और फर्जी मतदाता को मतदान से रोकने के सम्बन्ध में पत्र लिखा है। उन्होंने कहा चूंकि 1 नवम्बर 2021 को प्रकाशित मतदाता सूची में भारी अनियमितता एवं गडबड़ी की शिकायत उजागर हुई है। अत: समाजवादी पार्टी मांग करती है कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की अवधि 30 नवम्बर 2021 से बढ़ाकर 31 दिसम्बर 2021 तक कर दिया जाये। ताकि प्रदेश के प्रत्येक विधान सभा के प्रत्येक मतदेय स्थल (बूथवार) पर समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा डुप्लीकेट मतदाता की पहचान की जा सके और चिन्हित डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची जिला निर्वाचन अधिकारी को सौपी जा सके तथा जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा उक्त अवधि में चिन्हित डुप्लीकेट मतदाताओं को मतदाता सूची से हटाने का काम कर सके।

आप सांसद संजय सिंह को जान से मारने की धमकी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आप सांसद संजय सिंह को शुक्रवार को शाम को किसी ने फोन पर जान से मारने की धमकी दी । घटना के बाद संजय सिंह ने ट्वीट कर कहा कि मुझे फ़िर गोली मारने की धमकी मिली है। शायद कुछ लोग मुझे जान से मारना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी धमकियां पहले भी मिल चुकी हैं। इन बंदर घुड़कियों से डरने वाला नहीं। प्रदेश प्रवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह ने इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे कायरतापूर्ण हरकत करार दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसे दु:साहस करने वाले पर पुलिस तत्काल कार्यवाही करें । आम आदमी पार्टी गरीबों.मजलूमों के हक में हमेशा आवाज उठाती है और आगे भी मजबूती से उठाती रहेगी। इन कायरतापूर्ण हरकतों से हम डरने वाले नहीं हैं। सिंह ने कहा कि इस मामले में मुकदमा दर्ज करा दिया गया है । पुलिस जल्द कार्यवाही करे।

मतभेदों को जनसेवा में बाधक न बनने दें जनप्रतिनिधि

● संविधान दिवस पर राष्ट्रपति ने संसद में आयोजित कार्यक्रम को किया संबोधित

नई दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने संसद को लोकतंत्र का मंदिर बताते हुए शुक्रवार को कहा कि हर सांसद की यह जिम्मेदारी है कि वे संसद में उसी भावना के साथ आचरण करें, जिसके साथ वे अपने पूजा-गृहों और इबादतगाहों में करते हैं तथा मतभेद को जनसेवा के वास्तविक उद्देश्य के मार्ग में बाधा नहीं बनने दें। संविधान दिवस पर संसद के केंद्रीय कक्ष में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि ग्राम सभा, विधानसभा और संसद के निर्वाचित प्रतिनिधियों की केवल एक ही प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वह प्राथमिकता अपने क्षेत्र के सभी लोगों के कल्याण के लिए और राष्ट्रहित में कार्य करना है।

विचारधारा में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन कोई भी मतभेद इतना बड़ा नहीं होना चाहिए कि वह जनसेवा के वास्तविक उद्देश्य में बाधा बने। उन्होंने कहा , प्रतिपक्ष वास्तव में, लोकतंत्र का सर्वाधिक महत्वपूर्ण तत्व है। सच तो यह है कि प्रभावी प्रतिपक्ष के बिना लोकतंत्र निष्प्रभावी हो जाता है। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार और प्रतिपक्ष, अपने मतभेदों के बावजूद, नागरिकों के सर्वोत्तम हितों के लिए मिलकर काम करते रहें और उनसे यही अपेक्षा की जाती है। संविधान दिवस पर संसद के केंद्रीय कक्ष में आयोजित कार्यक्रम को राष्ट्रपति के अलावा उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी संबोधित किया। इस कार्यक्रम का कांग्रेस सहित कुछ विपक्षी दलों ने बहिष्कार किया।

सत्ता पक्ष और प्रतिपक्ष के सदस्यों में प्रतिस्पर्धा होना स्वाभाविक है, लेकिन यह प्रतिस्पर्धा बेहतर प्रतिनिधि बनने और जन-कल्याण के लिए बेहतर काम करने की होनी चाहिए और तभी इसे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा माना जाएगा। राष्ट्रपति ने कहा, संसद में प्रतिस्पर्धा को प्रतिद्वंद्विता नहीं समझा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हम सब लोग यह मानते हैं कि हमारी संसद लोकतंत्र का मंदिर है। अतः हर सांसद की यह जिम्मेदारी बन जाती है कि वे लोकतंत्र के इस मंदिर में श्रद्धा की उसी भावना के साथ आचरण करें, जिसके साथ वे अपने पूजा गृहों और इबादतगाहों में करते हैं। पश्चिम के कुछ विद्वान यह कहते थे कि भारत में वयस्क मताधिकार की व्यवस्था विफल हो जाएगी, लेकिन यह प्रयोग न केवल सफल रहा, बल्कि समय के साथ और मजबूत हुआ है और यहां तक कि अन्य लोकतंत्रों ने भी इससे बहुत कुछ सीखा है। कोविंद ने कहा, हमारीसमय, राष्ट्र के समक्ष उपस्थित चुनौतियों को यदि ध्यान में रखा जाए, तो भारतीय लोकतंत्र को निस्संदेह मानव इतिहास की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक माना जा सकता है। राष्ट्रपति ने कहा कि इसी केंद्रीय कक्ष में 72 वर्ष पहले संविधान निर्माताओं ने स्वाधीन भारत के उज्ज्वल भविष्य के दस्तावेज को यानि हमारे संविधान को अंगीकार किया था तथा भारत की जनता के लिए आत्मार्पित किया था। उन्होंने कहा कि लगभग सात दशक की अल्प अवधि में ही भारत के लोगों ने लोकतान्त्रिक विकास की एक ऐसी अद्भुत गाथा लिख दी है, समूची दुनिया को विस्मित कर दिया है।

संसदीय परंपराओं को बनाए रखना चाहिएः बिरला

● संविधान दिवस कार्यक्रम का विपक्ष के बहिष्कार करने पर लोकसभा अध्यक्ष ने कहा यह राजनीतिक समारोह नहीं संसद का कार्यकम था

नई दिल्ली। संविधान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों द्वारा बहिष्कार करने से दुखी लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को कहा कि यह कोई राजनीतिक समारोह नहीं, बल्कि संसद का कार्यक्रम था, ऐसे में सभी को संसदीय परंपराओं को बनाए रखना चाहिए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संवाददाताओं से कहा, किसी को कोई भी समस्या थी, तो वे मुझसे चर्चा कर सकते थे। मैं उनकी (विपक्ष) अपेक्षाओं को पूरा करने का प्रयास करता। प्रतिपक्ष को सम्मान देना मेरी जिम्मेदारी है और मैं भरपूर कोशिश भी करता हूं। विपक्ष की आवाज लोकतंत्र के लिए आवश्यक है, ऐसे में संसद की अच्छी परंपराओं एवं परिपाटी को बनाए रखना चाहिए। बिरला ने कहा कि ए संसद का कार्यक्रम था, केंद्र सरकार का नहीं। ऐसे गैर राजनीतिक कार्यक्रमों का बहिष्कार करना राष्ट्रहित एवं स्वस्थ्य लोकतांत्रिक परंपरा के अनुरूप नहीं है। विपक्षी दल शुक्रवार को संसद के केंद्रीय कक्ष में आयोजित संविधान दिवस कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। विपक्षी दलों ने सरकार पर संविधान की मूल भावना पर आघात करने और अधिनायकवादी तरीके से कामकाज करने का आरोप लगाया। कांग्रेस के अलावा समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी, भाकपा, माकपा, द्रमुक, अकाली दल, शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, राजद, आरएसपी, केरल कांग्रेस (एम), आईयूएमएल और एआईएमआईएम इस कार्यक्रम से दूर रहे।

कांग्रेस ने संसद सत्र के पहले दिन विपक्षी नेताओं की बैठक बुलाई

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी दलों के बीच एकजुटता और समन्वय बढ़ाने के प्रयास के तहत 29 नवंबर को कई विपक्षी पार्टियों के नेताओं की बैठक बुलाई है। संसद का शीतकालीन सत्र 29 नवंबर से आरंभ हो रहा है और यह 23 दिसंबर तक चलेगा है। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने विभिन्न विपक्षी दलों के सदन के नेताओं को शुक्रवार को पत्र लिखकर आग्रह किया कि वे संसद सत्र में उठाए जाने वाले मुद्दों पर चर्चा के लिए सोमवार को होने वाली बैठक में शामिल हों।

पत्र में खड़गे ने कहा, यह सत्र जरूरी मुद्दे उठाने के संदर्भ में हम सभी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। मैं 29 नवंबर को सुबह 9.45 बजे संसद भवन स्थित अपने कक्ष में दोनों सदनों के विपक्षी पार्टियों के नेताओं की बैठक बुला रहा हूं। विपक्षी नेताओं का आभार प्रकट किया और कहा कि 29 नवंबर की बैठक से जनहित के मुद्दे संसद में उठाने के लिए एकजुट होकर काम करने में मदद मिलेगी।

कांग्रेस के उपनेता आनंद शर्मा ने कहा कि कांग्रेस विपक्षी एकजुटता का मुख्य आधार है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, हमारा संवैधानिक कर्तव्य है, जिसे हम मानते हैं। हमें इसका अहसास है कि हम देश की मुख्य विपक्षी पार्टी हैं। लोगों की उम्मीद होती है कि हम उनके मुद्दे उठाएंगे। हम जनता के मुद्दे उठाएंगे। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को पार्टी के संसदीय मामलों के रणनीतिक समूह की बैठक में फैसला किया कि वह इस शीतकालीन सत्र में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी समेत किसान संगठनों की मांगों, गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा की बर्खास्तगी की मांग, महंगाई, सीमा पर चीन की आक्रमकता और पेगासस जासूसी प्रकरण दोनों सदनों में उठाते हुए सरकार को घेरेगी।

सांसदों को व्हिप जारी किया, 29 नवंबर को संसद में मौजूद रहने के लिए कहा

नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों के अपने सदस्यों को व्हिप जारी कर कहा कि वे शीतकालीन सत्र के पहले दिन सोमवार को संसद में मौजूद रहें। 29 नवंबर को सरकार तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों को निरस्त करने से जुड़ा विधेयक लाएगी। कांग्रेस ने तीन लाइन की व्हिप जारी की। राज्यसभा के अपने सांसदों को व्हिप जारी कर सोमवार को सदन में मौजूद रहने के लिए कह चुकी है। मुख्य विपक्षी पार्टी ने अपने सांसदों से यह भी कहा कि वे सोमवार को सुबह 11 बजे से संसद में मौजूद रहें और पार्टी के रुख का समर्थन करें। राज्यसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक जयराम रमेश की ओर से जारी व्हिप में कहा गया है, राज्यसभा में 29 नवंबर को कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। सभी कांग्रेस सदस्यों से आग्रह है कि वे उस दिन सुबह 11 बजे से कार्यवाही स्थगित होने तक सदन में मौजूद रहें और पार्टी के रुख का समर्थन करें।

हार-जीत सिक्के के दो पहलू, निराश न हों भाजपा कार्यकर्ताः वसुंधरा राजे

भाषा। जयपुर

राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता वसुंधरा राजे ने शुक्रवार को पार्टी कार्यताओं से कहा कि हार जीत सिक्के के दो पहलू हैं और उन्हें निराश नहीं होना चाहिए क्योंकि असफलता में ही सफलता छिपी है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि लोगों का दिल जीतने के लिए उनकी उम्मीदों पर खरा उतरना होगा। भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजे राज्य के मेवाड़ इलाके की अपनी यात्रा के चौथे व अंतिम दिन बनेड़ा(भीलवाड़ा) में लोगों को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा, हार-जीत एक सिक्के के दो पहलू हैं। भाजपा कार्यकर्ताओं को निराश नहीं होना चाहिए क्योंकि असफलता में ही सफलता छिपी है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के कथन अंधेरा छंटेगा-सूरज निकलेगा-कमल खिलेगा का जिक्र करते हुए राजे ने कहा, लेकिन यह सिर्फ नारों, बयानो, भाषणों और हवा में बातें करने से नहीं,जमीन पर काम करने से होगा। उन्होंने कहा, यह लोगों का दिल जीतने से होगा। लोगों में विश्वास कायम करने से होगा। उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने से होगा व कड़ी मेहनत करने से होगा। यहां जारी बयान के अनुसार उन्होंने कहा, असली भाजपा का कार्यकर्ता भी वही होता है जो बिना स्वार्थ संगठन के लिए काम करे और अपने आपको कार्यकर्ता कहलाने में ही अपना गौरव समझे। भाजपा के कार्यकर्ता की साख भी यही है-चाहे वह कितने ही बड़े पद पर क्यों न पहुंच जाए,आजन्म कार्यकर्ता ही कहलाना पसंद करता है। उसे कभी अपने बड़े पद का अभिमान नहीं होता।बड़े पद पर पहुंचने के बाद वह और भी विनम्र हो जाता है, जैसे हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के दम पर ही हम प्रचंड बहुमत के साथ देश में नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भाजपा सरकार और राज्य में भाजपा की सरकार बनाएंगे।

आईजीएनएफए के 11 आईएफएस अधिकारी कोरोना से संक्रमित

देहरादून। यहां इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी (आईजीएनएफए) से उत्तर प्रदेश के लखनऊ में प्रशिक्षण लेने गए भारतीय वन सेवा (आईएफएस) के 48 अधिकारियों में से 11 को वहां से लौटने के बाद कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया है। जिला निगरानी अधिकारी राजीव कुमार दीक्षित ने शुक्रवार को बताया कि इनमें से आठ अधिकारी 19 नवंबर को दिल्ली लौटने पर कोविड-19 से ग्रस्त पाए गए जबकि 24 नवंबर को देहरादून लौटने पर तीन और अधिकारी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए। दीक्षित ने बताया कि सभी संक्रमित अधिकारियों का टीकाकरण पूर्ण हो चुका है और उनमें संक्रमण के हल्के लक्षण हैं। गौरतलब है कि दिल्ली के रास्ते देहरादून लौटे अधिकारियों को राज्य में कोविड मानक परिचालन में दी गई ढील की वजह से आसानी से सीमा में प्रवेश मिल गया। राज्य सरकार ने हाल में दूसरे राज्यों से आने वाले लोगों को आरटी-पीसीआर जांच रिपोर्ट निगेटिव होने का प्रमाणपत्र पेश करने की अनिवार्यता समाप्त कर दी है।

क्विक न्यूज

मुंबई हमले के समय हमने जो कदम उठाए वो ठीक थेः आनंद

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने पूर्व केंद्रीय मंत्री मनीष तिवारी की पुस्तक मे किए गए दावे से असहमति जताते हुए शुक्रवार को कहा कि मुंबई मे 26 नवंबर, 2008 को हुए आतंकी हमले के समय तत्कालीन केंद्र सरकार की ओर से जो कदम उठाए गए थे और जो फैसले किए गए थे, वो ठीक थे। उन्होने तिवारी की पुस्तक से जुड़े सवाल पर संवाददाताओं से कहा, मुझे मालूम है कि जो कदम हमने उठाए थे, वो ठीक थे और वो निर्णय भी ठीक थे। आनंद शर्मा और तिवारी दोनो कांग्रेस नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार मे मंत्री थे। सांसद तिवारी ने अपनी नई पुस्तक 10 फ्लैश प्वाइंट्सः 20 ईयर्स में लिखा है कि कई बार संयम कमजोरी की निशानी होती है और भारत को 26।11 हमले के बाद कड़ी कार्वाई करनी चाहिए थी। उनकी पुस्तक दो दिसंबर से पाठको के लिए उपलब्ध होगी। तिवारी ने पिछले दिनो ट्विटर पर अपनी इस पुस्तक के कुछ अंश साझा किए। पुस्तक मे उन्होने लिखा, अगर किसी देश (पाकिस्तान) को निर्दोष लोगो के कत्लेआम का कोई खेद नही है, तो संयम ताकत की पहचान नही है, बल्कि कमजोरी की निशानी है। ऐसे मौके आते है जब शब्दो से ज्यादा कार्वाई दिखनी चाहिए। 26।11 एक ऐसा ही मौका था। एक ऐसा समय था जब भारत को प्रतिक्रिया मे कड़ी कार्वाई करनी चाहिए थी। उल्लेखनीय है कि 26 नवंबर 2008 को पाकिस्तान से लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकवादी समुद्री मार्ग से मुंबई पहुंचे थे और उन्होने कई स्थानो पर अंधाधुंध गोलीबारी की थी, जिसमे 18 सुरक्षा कर्मियो समेत 166 लोगो की मौत हो गई थी।

तमिलनाडु में नौसेना अधिकारी की समुद्र में डूबने से मौत

चेन्नई । तमिलनाडु के चेन्नई मे छुट्टियां मनाने आए नौसेना के एक अधिकारी की कोवलम समुद्र तट पर डूबने से मौत हो गई। प्राधिकारियो ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी का शव शुक्रवार को उस स्थान से करीब पांच किलोमीटर दूर केलाम्बक्कम से निकाला गया, जहां वह समुद्र मे बह गए थे। एक रक्षा विज्ञप्ति मे यहां कहा गया है, भारतीय नौसेना के लेफ्टिनेंट कमांडर जे आर सुरेश 25 नवंबर 2021 की शाम को चेन्नई के बाहरी इलाके मे कोवलम समुद्र तट पर बह गए थे। अधिकारी का शव 26 नवंबर को दोपहर मे केलाम्बक्कम से बरामद किया गया। विज्ञप्ति मे बताया गया है कि अधिकारी की तैनाती नई दिल्ली मे थी अपने परिवार के साथ कोवलम छुट्टियां मनाने आए थे।

सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे को अस्पताल से छुट्टी

पुणे। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे को शुक्रवार को यहां के एक निजी अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, जहां वह सीने मे दर्द की शिकायत के बाद भर्ती कराए गए थे। अस्पताल के अधिकारियो ने इसकी जानकारी दी। अस्पताल के एक अधिकारी ने बताया कि भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन चलाने वाले 84 वर्षीय हजारे को सीने मे दर्द की शिकायत के बाद बृहस्पतिवार को भर्ती कराया गया था जिसके बाद उनकी एंजियोग्राफी एवं अन्य जांच की गई। रूबी हॉल क्लीनिक अस्पताल के प्रबंध न्यासी एवं मुख्य हृदय रोग विशेषज्ञ डा परवेज ग्रांट ने बताया, हजारे को अस्पताल से आज छुट्टी दे दी गई। एंजीयोग्राफी के दौरान एक सूक्ष्म ब्लॉकेज का पता चला। इसके लिए एंजीयोप्लास्टी या अन्य सर्जरी की आवश्यक्ता नही थी। अस्पताल मे उपचार के बाद, उन्हें छुट्टी दे दी गई।

श्रीनगर का मुख्य क्षेत्र अब भी बंद इंटरनेट सेवाएं निलंबित

श्रीनगर। श्रीनगर मे तीन आतंकवादियो के मारे जाने के बाद शहर के व्यापारिक क्षेत्र मे अधिकतर दुकाने और कारोबारी प्रतिष्ठान शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन बंद रहे जबकि शहर के कई हिस्सो मे मोबाइल इंटरनेट सेवाओ पर रोक जारी रही। अधिकारियो ने बताया कि यह बंद मुख्य तौर पर नौहट्टा, गोजवारा, खन्यार, साफाकदल, नवाकदल, रजौरी कदल और एमआर गंज जैसे इलाको मे देखा गया। हालांकि, यातायात सामान्य दिनो की तरह सुचारू रहा। पुलिस ने बुधवार को द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) के एक स्वयंभू कमांडर एवं नवाकदल के जमालता इलाके के निवासी मेहरान शल्ला और पुलवामा के मंजूर अहमद मीर और अराफात शेख को शहर के रामबाग इलाके मे कुछ देर चली मुठभेड़ मे मार गिराया था। पुलिस ने कहा कि मीर और शेख भी लश्कर-ए-तैयबा की एक शाखा टीआरएफ से जुड़े थे।

पुलिस ने 24 किलो आरडीएक्स और 71 हथगोले नष्ट किए

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले मे पिछले 12 वर्षो मे विभिन्न आतंकवाद विरोधी अभियानो के दौरान जब्त किए गए 24 किलोग्राम आरडीएक्स और 71 हथगोलो को पुलिस ने शुक्रवार को नष्ट कर दिया। अधिकारियो ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होने कहा कि 2009 के बाद से, विशेष अभियान समूह ने रियासी के महोर-चासाना इलाके मे दर्ज आतंकवाद के 15 मामलो मे ग्रेनेड, तात्कालिक विस्फोटक उपकरण (आईईडी), फ्यूज और रिमोट कंट्रोल, डेटोनेटर तथा आरडीएक्स जब्त किए थे। अधिकारियो ने कहा कि ए सुरक्षित रूप से पुलिस के कब्जे मे थे। अधिकारियो ने बताया कि दुर्घटनावश विस्फोट की आशंका को भांपते हुए पुलिस ने जब्त विस्फोटको को कानूनी रूप से सुरक्षित तरीके से नष्ट करने के आदेश की अपील करते हुए अदालतो का दरवाजा खटखटाया।

जैसलमेर में थल सेना अध्यक्ष जनरल मनोज मुकुंद नरवणे सैनिको के साथ बातचीत करते हुए।

नरवणे ने युद्ध रणनीति के विकास पर जोर दिया

भाषा। जयपुर

थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने भविष्य के युद्धों को लड़ने के लिए रणनीति, तकनीक और प्रक्रिया के सतत विकास के साथ-साथ मानवयुक्त और मानव रहित प्रणालियों में क्षमता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया है। वह जैसलमेर (राजस्थान) में सेना के युद्धाभ्यास का निरीक्षण करने के लिए दो दिवसीय दौरे पर आए हुए थे। यह युद्धाभ्यास शुक्रवार को संपन्न हुआ। सेना प्रमुख ने सभी प्रतिभागियों को उच्च स्तर की तत्परता और संचालनात्मक तैयारियों के लिए बधाई दी और उन्हें राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अपनी निगरानी जारी रखने का आह्वान किया।

सैन्य प्रवक्ता द्वारा जारी बयान के अनुसार नरवणे ने इस अवसर पर कहा, भविष्य के युद्धों को लड़ने के लिए रणनीति, तकनीक और प्रक्रिया के सतत विकास के साथ-साथ मानवयुक्त और मानव रहित प्रणालियों में क्षमता बढ़ाने की आवश्यकता है। उल्लेखनीय है कि भारतीय सेना की दक्षिण कमान के इस सबसे बड़े इस युद्ध अभ्यास में भारतीय सेना ने परंपरागत शैली के साथ आधुनिक युद्ध प्रणाली का समावेश किया और पहली बार अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और कृत्रिम मेधा को इसमें जोड़ा गया। इसमें टी-72 और टी-90 टैंक और वायुसेना के लड़ाकू विमान शामिल हुए। इस दौरान लगभग 400 पैराट्रूपर्स ने एक साथ हजारों फुट की ऊंचाई से पैरा जंपिंग की।

चुनाव के लिए वाम मोर्चा ने उम्मीदवारों की सूची जारी की

भाषा। कोलकाता

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की अगुवाई वाली वाम मोर्चा ने शुक्रवार को कोलकाता नगर निगम के 144 वार्डों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की। वाम मोर्चा ने 17 सीटें छोड़ दी है जहां उसकी मंशा भाजपा और तृणमूल विरोधी ताकतों का समर्थन करना है। आईएसएफ समेत किसी भी दल के साथ गठबंधन नहीं किया है। उम्मीदवारों के नाम की घोषणा करने वाले वाम मोर्चा ने इसके लिए 56 महिला एवं 58 पुरूष उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। 17 उम्मीदवार अल्पसंख्यक समुदाय है। इससे पहले प्रदेश निर्वाचन आयोग ने बृहस्पतिवार को इस चुनाव के लिए अधिसूचना जारी की, इसके लिए 19 दिसंबर को मतदान कराया जाएगा। वाम मोर्चा के कोलकाता के संयोजक कल्लोल मजुमदार ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, हमने कुछ सीटों को छोड़ देने का निर्णय किया है जहां हमारी उपस्थिति कम है और कांग्रेस अथवा आईएसएफ अथवा किसी प्रमुख व्यक्ति का समर्थन करने का निर्णय किया है। मजुमदार ने यह भी बताया कि 50 फीसद उम्मीदवार की उम्र 50 साल से कम है।

अमरिंदर ने हरीश पर साधा निशाना कहा मुख्यमंत्री बने रबड़ स्टांप

चंडीगढ़। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता हरीश चौधरी पर निशाना साधते हुए उन पर मौजूदा मुख्यमंत्री को रबड़ स्टांप में तब्दील करने का आरोप लगाया और अपने ऊपर लगाए जा रहे इन आरोपों को खारिज किया कि पद पर रहने के दौरान उनकी भाजपा और प्रधानमंत्री से मिलीभगत थी। पूर्व मुख्यमंत्री ने हमला जारी रखते हुए यह भी कहा कि राजस्थान में मंत्री पद से बर्खास्त विधायक के बारे में उन्हें कुछ नहीं कहना है।

चौधरी को पार्टी का पंजाब मामलों का प्रभारी नियुक्त किया था जिन्होंने राजस्थान सरकार में मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। अमरिंदर सिंह ने पंजाब कांग्रेस प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू के साथ टकराव के चलते राज्य के मुख्यमंत्री पद से अपना इस्तीफा देने के बाद कांग्रेस छोड़ दी थी। उन्होंने अपनी खुद की राजनीतिक पार्टी बनाई है और आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा के साथ गठबंधन की उम्मीद व्यक्त की है। सिंह ने चौधरी पर हमला करते हुए कहा कि उन्हें ऐसे विधायक के बारे में कुछ नहीं कहना है जिसके पास कोई काम नहीं है और जिसे राजस्थान में मंत्री पद से बर्खास्त कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री रहते समय प्रधानमंत्री या भाजपा के साथ मेरी कोई मिलीभगत होती तो मैं किसानों के आंदोलन का समर्थन नहीं करता और न ही कृषि कानूनों को निरस्त करने की मांग करता तथा न ही इनके खिलाफ विधानसभा में कानून पारित करता। अमरिंदर सिंह ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री के रूप में उन्होंने प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री से मुलाकात की तथा उनके मंत्रियों ने भी अपने केंद्रीय समकक्षों के साथ मुलाकात की। मुख्यमंत्री (चरणजीत सिंह चन्नी) ने भी प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री से मुलाकात की है।

अदालत केआदेशों की अवहेलना का आरोप लगा उच्चतम न्यायालय का रुख किया

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस ने त्रिपुरा में नगरपालिका चुनाव के दौरान कथित तौर पर बड़े पैमाने पर हुई हिंसा की अदालत की निगरानी वाली समिति से जांच कराने का अनुरोध करते हुए शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय का रुख किया। न्यायमूर्ति डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति ए. एस. बोपन्ना की पीठ को वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया में मीडिया को निर्बाध पहुंच प्रदान करने के अदालत के बृहस्पतिवार के आदेश के बावजूद इस संबंध में कुछ भी नहीं किया गया। सिब्बल ने तृणमूल द्वारा दायर दो आवेदनों को तत्काल सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया था।

उन्होंने कहा, वहां बिल्कुल अशांत माहौल था। उम्मीदवारों को भी मतदान नहीं करने दिया गया। हिंसक घटनाएं हुईं। यहां तक कि मीडिया में आई खबरों में कहा गया कि उच्चतम न्यायालय के आदेशों का उल्लंघन हुआ है। पीठ ने कहा कि अदालत ने इस मुद्दे से निपटने के लिए बृहस्पतिवार को एक विशिष्ट और विस्तृत आदेश पारित किया था। सिब्बल ने कहा कि मुझे पता है, लेकिन केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की दो बटालियन को मुहैया नहीं कराया गया। चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को दो कांस्टेबल भी उपलब्ध नहीं कराए गए। हमारे पास इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के सबूत हैं। कृपया इन अर्जियों को अविलम्ब सूचीबद्ध करें। पीठ ने कहा कि शुक्रवार को अलग-अलग न्यायाधीशों की पीठ है।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, देखते हैं कि क्या किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि न्यायाधीश संविधान दिवस के अवसर पर आधिकारिक कार्यों में व्यस्त हैं। इस पर सिब्बल ने कहा कि कल शनिवार होने के बावजूद अदालत मामले की सुनवाई कर सकती है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि शनिवार को एक आधिकारिक कार्यक्रम है। लेकिन वह दोपहर के भोजनावकाश के समय न्यायमूर्ति बोपन्ना से बात करेंगे और चर्चा करेंगे कि क्या किया जा सकता है। एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड रजत सहगल ने कहा कि तृणमूल ने दो आवेदन दायर कर मतगणना स्थगित करने और हिंसक घटनाओं की अदालत की निगरानी वाली समिति से जांच कराने का अनुरोध किया है।

उन्होंने कहा कि एक अन्य आवेदन में पार्टी ने इस मामले में राज्य चुनाव आयुक्त को जिम्मेदार ठहराने का अनुरोध किया है। शीर्ष अदालत ने तृणमूल और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के आरोपों के बाद बृहस्पतिवार को केंद्रीय गृह मंत्रालय को त्रिपुरा नगरपालिका चुनावों के दौरान मतदान केंद्रों की सुरक्षा के लिए सीएपीएफ की दो अतिरिक्त कंपनियां मुहैया कराने का निर्देश दिया था। दोनों पार्टियों ने आरोप लगाया है।

पटना में केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे जलवायु परिवर्तन से जुड़े एक कार्यक्रम के दौरान परंपरागत ढोल बजाते हुए।

बीएसई सेंसेक्स 1,688 अंक लुढ़का

● निवेशकों को 7.35 लाख करोड़ रुपए का नुकसान

भाषा। मुंबई

शेयर बाजारों में शुक्रवार को बड़ी गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स 1,688 अंक लुढ़क गया। कोविड-19 वायरस की नई किस्म को लेकर चिंता के बीच वैश्विक बाजारों में बिकवाली के साथ घरेलू बाजार में गिरावट आई। ऐसी खबरें हैं कि वायरस की नई किस्म टीका लेने वाले लोगों को भी संक्रमित करता है। शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक अब तक दक्षिण अफ्रीका, बोत्सवाना और हांगकांग में पाए गए इस किस्म में उत्परिवर्तनों (म्यूटेशन) का आसाधारण मेल है।

ब्रिटेन और जापान जैसे देश पहले ही यात्रा संबंधी प्रतिबंध लगा चुके हैं जिसके साथ लॉकडाउन का नया दौर शुरू होने की आशंका बढ़ गई है। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,687.94 अंक यानी 2.87 प्रतिशत का गोता लगाकर 57,107.15 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 509.80 अंक यानी 2.91 प्रतिशत लुढ़क कर 17,026.45 अंक पर बंद हुआ। मुद्रा बाजार भी प्रभावित हुए और रुपया दूसरे उभरते बाजारों की मुद्राओं की तरह ही अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 37 पैसे की गिरावट के साथ 74.89 पर पहुंच गया।

सेंसेक्स के शेयरों में 6.01 प्रतिशत की गिरावट के साथ इंडसइंड बैंक सर्वाधिक नुकसान में रहा। इसके अलावा, मारुति, टाटा स्टील, एनटीपीसी, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी और टाइटन में भी प्रमुख रूप से गिरावट रही। दूसरी तरफ, केवल चार शेयर...डा. रेड्डीज, नेस्ले इंडिया, एशियन पेंट्स और टीसीएस 3.32 प्रतिशत तक चढ़े। शुक्रवार को बाजार में गिरावट से निवेशकों को 7.35 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार मूल्यांकन 2,58,31,172.25 करोड़ रुपए रहा। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, "दक्षिण अफ्रीका में पाए गए कोविड वायरस की नई किस्म की वजह से घरेलू बाजार कमजोर वैश्विक शेयर बाजारों की तरह ही नुकसान में चले गए। मौजूदा मुद्रास्फीति की आशंकाओं के साथ-साथ अमेरिकी फेडरल रिजर्व के मौद्रिक नीति को आक्रामक तरीके से कड़ा करने की चिंताओं की वजह से भी बाजार में बड़ी गिरावट आई। उन्होंने कहा, घरेलू मोर्चे पर, व्यापक बिकवाली देखी गई क्योंकि निवेशकों ने कोविड-संवेदनशील शेयर बेचे, जबकि ज्यादा उत्परिवर्तन वाले वायरस की नई किस्म को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच दवा क्षेत्र की कंपनियों तरफ ध्यान जाता दिखा। इस सप्ताह के दौरान सेंसेक्स 2,528.86 अंक या 4.24 प्रतिशत और निफ्टी 738.35 अंक या 4.15 प्रतिशत टूटा है।

कोटक सिक्योरिटीज के इक्विटी शोध प्रमुख श्रीकांत चौहान ने कहा कि कोविड-19 महामारी को लेकर चिंता बढ़ने से बाजार में इस सप्ताह तेज गिरावट रही। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में इस सप्ताह करीब चार प्रतिशत की गिरावट आई। दोनों सूचकांक अपने उच्चतम स्तर से करीब आठ प्रतिशत नीचे आ गए हैं। उन्होंने कहा, कोविड-19 की नई किस्म से फिर से लॉकडाउन और यात्रा पाबंदी को लेकर चिंता बढ़ रही है। इसके अलावा दुनिया के कई देशों के लिए मुद्रास्फीति चिंता का कारण बनी हुई है। इस सप्ताह विदेशी संस्थागत निवेशक शुद्ध बिकवाल रहे।

भारतीय बायोगैस संघ की कचरे से ऊर्जा योजना जारी रखने की मांग

नई दिल्ली। भारतीय बायोगैस संघ (आईबीए) ने नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय से अनुरोध किया है कि वह केंद्र सरकार से मिलने वाली वित्तीय मदद से चलने वाली कचरे से ऊर्जा योजना को जारी रखे। आईबीए के अध्यक्ष ए आर शुक्ला ने बायोगैस के समक्ष मौजूद चुनौतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इसे सरकार को केंद्रीय वित्तीय सहायता कार्यक्रम से चलने वाली योजनाओं के जरिए प्रोत्साहन देने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि बायोगैस एवं बायो-सीएनजी संयंत्र कचरे के निपटान एवं प्रदूषण-रोधी इकाइयों के तौर पर काम करते हैं। इसके अलावा ए संयंत्र जैविक खाद एवं गैसीय ईंधन भी पैदा करते हैं। आईबीए प्रमुख ने कहा कि इतनी अहम भूमिका निभाने के बावजूद बायोगैस परियोजनाओं को दी जाने वाली सब्सिडी के बारे में चालू वित्त वर्ष में कोई स्पष्टता नहीं है। उन्होंने कहा, "अगर समूचे देश की बायोगैस क्षमता का दोहन किया जाए तो सालाना 6.2 करोड़ टन बायो-सीएनजी के अलावा 65.8 करोड़ टन (रिपीट करोड़ टन) जैविक खाद पैदा हो सकती है। इससे जीवाश्म ईंधन के आयात में करीब 35 प्रतिशत और सिंथेटिक उर्वरक के आयात में करीब 27 प्रतिशत की कमी आ सकती है। सरकार ने वर्ष 2023 तक करीब 5,000 बायोगैस संयंत्रों की स्थापना में सहयोगी भूमिका निभाने का लक्ष्य रखा है। आईबीए ने कहा है कि अगर कृषि भूमि पर बायो-सीएनजी संयंत्र लगाने की मंजूरी जैसे कदम उठाए जाएं तो इसमें और तेजी लाई जा सकती है।

क्विक न्यूज

ई-कॉमर्स कंपनियों के जरिए प्रदान की जाने वाली ऑटोरिक्शा सेवाओं पर लगेगा पांच प्रतिशत जीएसटी

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स कंपनियों के माध्यम से प्रदान की जाने वाली ऑटो-रिक्शा सेवाओं पर एक जनवरी, 2022 से पांच प्रतिशत जीएसटी लगेगा। वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग ने 18 नवंबर की एक अधिसूचना के माध्यम से ई-कॉमर्स मंचों के जरिए यात्री परिवहन सेवाएं प्रदान करने वाले ऑटो रिक्शा के लिए उपलब्ध जीएसटी (माल एवं सेवा कर) छूट को वापस ले लिया है। जहां ऑटो रिक्शा चालकों द्वारा ऑफलाइनामैनुअल तरीके से प्रदान की जाने वाली यात्री परिवहन सेवाओं पर छूट जारी रहेगी, ई-कॉमर्स मंचों के माध्यम से प्रदान की जाने वाली ऐसी सेवाओं के लिए एक जनवरी, 2022 से पांच प्रतिशत कर देना होगा। ईवाई इंडिया के कर भागीदार बिपिन सपरा ने कहा, "इस संशोधन का ई-कॉमर्स उद्योग की कंपनियों पर सीधा असर पड़ेगा जो बहुत सारे ऑटो रिक्शा चालकों को सवारियों से जुड़ने के लिए एक ऑनलाइन मंच प्रदान करती हैं। ई-कॉमर्स उद्योग ने अपने ज्यादा सस्ते, आरामदायक और यात्रा की बुकिंग के लचीले तरीके के सहारे यात्री परिवहन सेवा प्रदान करते हुए बाजार में एक बहुत ही महत्वपूर्ण जगह बनी ली है।

एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी ने सौर परियोजनाओं के लिए बिजली खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी की इकाई एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी ने भारतीय रेलवे, मध्य प्रदेश विद्युत प्रबंधन कंपनी और रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर के साथ बिजली खरीद समझौता और अन्य परियोजना संबंधी समझौते किए है। एनटीपीसी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, भारत की सबसे बड़ी एकीकृत ऊर्जा कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड ने भारतीय रेलवे, मध्य प्रदेश विद्युत प्रबंधन कंपनी लिमिटेड (एमपीपीएमसीएल) और रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड (आरयूएमएसएल) के साथ 325 मेगावाट क्षमता की सौर परियोजनाओं के लिए एक पीपीए (बिजली खरीद समझौता) और परियोजना संबंधी अन्य समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। ए सौर परियोजनाएं रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड (आरयूएमएसएल) के मध्य प्रदेश के शाजापुर सौर पार्क में स्थापित की जा रही है। बयान में कहा गया कि 25 नवंबर 2021 को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय बिजली एवं नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आर के सिंह की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

जीएसटी दर युक्तिकरण संबंधी मंत्री समूह की बैठक टली

नई दिल्ली। जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाने पर विचार कर रहे राज्यों के वित्त मंत्रियों की समिति की बैठक टाल दी गई है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई की अध्यक्षता वाले दर युक्तिकरण संबंधी मंत्री समूह (जीओएम) में पश्चिम बंगाल के वित्त मंत्री अमित मित्रा, केरल के वित्त मंत्री के एन बालगोपाल और बिहार के उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद भी शामिल हैं। समिति की अब तक दो बार बैठक हो चुकी है और जीएसटी दर एवं स्लैब में बदलाव के संबंध में फिटमेंट कमेटी की सिफारिशों पर विचार करने के लिए 27 नवंबर को बैठक होनी थी। सूत्रों ने कहा कि बैठक स्थगित कर दी गई है और मंत्री समूह अपनी रिपोर्ट वित्त मंत्री की अध्यक्षता वाली जीएसटी परिषद को सौपेगा। जीएसटी परिषद के सदस्यों में सभी राज्यों के वित्त मंत्री शामिल हैं। जीएसटी परिषद की बैठक हर तिमाही में एक बार होती है। इसकी बैठक अब अगले महीने होगी।

दिसंबर से टमाटर की कीमत नरम होगी: सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने शुक्रवार को कहा कि देश के उत्तरी राज्यो से टमाटर की नई फसल की आवक के साथ दिसंबर से इसके भाव नरम पड़ने की उम्मीद है। टमाटर का अखिल भारतीय औसत खुदरा मूल्य बेमौसम बारिश के कारण पिछले वर्ष की तुलना में 63 प्रतिशत बढ़कर 67 रुपए प्रति किलो होने के साथ सरकार का यह बयान आया है। वही प्याज के मामले में, खुदरा कीमतें वर्ष 2020 और वर्ष 2019 के स्तर से काफी नीचे आ गई है। खाद्य और उपभोक्ता मामलो के मंत्रालय ने कहा, "देश के उत्तरी राज्यों से टमाटर की आवक दिसंबर की शुरुआत से ही शुरू हो जाएगी। इससे उपलब्धता बढ़ेगी और कीमतो में गिरावट आएगी। दिसंबर मे आवक पिछले साल के बराबर रहने की उम्मीद है। इस साल नवंबर में आवक 19.62 लाख टन थी, जो एक साल पहले की समान अवधि में 21.32 लाख टन थी। टमाटर की कीमतो में बढ़ोतरी के कारणो के बारे में बताते हुए, मंत्रालय ने कहा कि पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में बेमौसम बारिश के कारण सितंबर के अंत से टमाटर की खुदरा कीमतें बढ़ी हैं। बारिश की वजह से टमाटर की फसल को नुकसान हुआ और इन राज्यो से आने मे देरी हुई।

प्राकृतिक आपदा जोखिमों से बचाव के लिए भारत को राष्ट्रीय आपदा पूल बनाने की जरूरत: रिपोर्ट

भाषा। मुंबई

प्राकृतिक आपदाओं की घटनाएं और गंभीरता बढ़ने के साथ, एक रिपोर्ट में भारत में एक राष्ट्रीय आपदा पूल बनाने का आग्रह किया गया है, क्योंकि भारत दुनिया में सबसे अधिक आपदा-संभावित देशों में से एक है।

भारत वर्ष 1900 से अब तक आई प्राकृतिक आपदाओं की संख्या के मामले में अमेरिका और चीन के बाद तीसरे स्थान पर है। भारत में वर्ष 1900 से अब तक 756 प्राकृतिक आपदाएँ आई हैं जैसे भूस्खलन, तूफान, चक्रवात, भूकंप, बाढ़, सूखा आदि। 1900-2000 के दौरान 402 आपदाएँ और 2001-2021 के दौरान 354 आपदाएँ आईं। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने शुक्रवार को एक रिपोर्ट में कहा कि 2001 से अब तक कुल 100 करोड़ लोग प्रभावित हुए हैं और इन आपदाओं के कारण लगभग 83,000 लोगों की जान चली गई। अगर नुकसान को मौजूदा कीमतों के आधार पर देखें, तो नुकसान 13 लाख करोड़ रुपए या सकल घरेलू उत्पाद का छह प्रतिशत हो जाता है।1991 और 2021 के बीच, देश में कुल नुकसान का केवल आठ प्रतिशत ही कवर किया गया, इसलिए, इस अवधि के दौरान लगभग 92 प्रतिशत सुरक्षा अंतर है।एसबीआई समूह के मुख्य आर्थिक सलाहकार सौम्य कांति घोष ने रिपोर्ट में कहा है कि सुरक्षा अंतर को खत्म करने के लिए प्रारंभिक हस्तक्षेप की आवश्यकता है। प्राकृतिक आपदा जोखिमों से बचाव के लिए एक राष्ट्रीय आपदा पूल बनाकर सार्वजनिक-निजी समाधान एकमात्र रास्ता है। रिपोर्ट में उन्होंने कहा कि 2020 की बाढ़ से कुल आर्थिक नुकसान 7.5 अरब डॉलर या 52,500 करोड़ रुपए था, लेकिन बीमा केवल 11 प्रतिशत था। उन्होंने कहा कि अगर सरकार ने इसका बीमा किया होता, तो 60,000 करोड़ रुपए के बीमा राशि का प्रीमियम सिर्फ 13,000-15,000 करोड़ रुपए होता।प्राकृतिक आपदाओं के कारण मानवीय क्षति के अलावा भारी आर्थिक नुकसान होता है। उन्होंने कहा, 1900 के बाद से, हमें 144 अरब डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ है। बाढ़ से सबसे अधिक 86.8 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है और उसके बाद तूफान से 44.7 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। यदि इन नुकसानों को मौजूदा कीमतों के साथ समायोजित किया जाता है नुकसान लगभग 87 अरब अमरीकी डालर या 13 लाख करोड़ रुपए का है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके अलावा, नुकसान की रिपोर्टिंग में बहुत बड़ा अंतर है। देश की केवल 193 घटनाओं के नुकसान के आंकड़े उपलब्ध हैं और मौजूदा आकलन पद्धति में भी कई समस्याएं हैं।

रिजर्व बैंक ने निजी बैंक के प्रवर्तकों को 15 साल बाद 26 प्रतिशत तक हिस्सेदारी रखने की मंजूरी दी

भाषा। मुंबई

रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को निजी क्षेत्र के बैंकों के कॉरपोरेट स्वामित्व पर अपने कार्यकारी समूह की अधिकतर सिफारिशों को स्वीकार करते हुए परिचालन के पहले पांच वर्षों में प्रवर्तकों की बिना किसी सीमा के शेयरधारिता और 15 साल बाद उसे मौजूदा 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 26 प्रतिशत करने की मंजूरी दे दी। रिजर्व बैंक ने साथ ही नई पूंजी जरूरतों के संबंध में भी मंजूरी दे दी। इस कदम से कोटक महिंद्रा बैंक और इंडसइंड बैंक जैसे प्रमुख बैंकों को फायदा होगा, जो कई वर्षों से नियामक से अपनी हिस्सेदारी बेचने के लिए और समय मांग रहे थे। केंद्रीय बैंक ने आंतरिक कार्य समूह की 33 सिफारिशों में से 21 को स्वीकार करते हुए कहा कि शेष सुझावों पर विचार किया जा रहा है। रिजर्व बैंक ने 12 जून, 2020 को कार्य समूह का गठन किया और इस समिति ने 20 नवंबर, 2020 को रिपोर्ट प्रस्तुत की।

इसमें हितधारकों और जनता के सदस्यों की टिप्पणियां 15 जनवरी, 2021 तक मांगी गई थीं। केंद्रीय बैंक ने समिति की इस सिफारिश को स्वीकार कर लिया कि पहले पांच वर्षों के लिए बैंक की चुकता वोटिंग इक्विटी शेयर पूंजी का न्यूनतम 40 प्रतिशत रखने की प्रारंभिक लॉक-इन जरूरतों से संबंधित मौजूदा निर्देशों में कोई बदलाव नहीं किया जाना चाहिए, लेकिन कहा कि इस अवधि में प्रवर्तकों की शेयरधारिता पर कोई सीमा नहीं होगी। समिति की रिपोर्ट यह सुनिश्चित करने के लिए कि प्रवर्तक बैंकों में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी बनाए रखें, और व्यवसाय ठीक से स्थापित एवं स्थिर होने तक प्रवर्तक समूह के नियंत्रण की विश्वसनीयता बनी रहे, पहले पांच वर्षों के लिए न्यूनतम 40 प्रतिशत हिस्सेदारी बनाए रखने का समर्थन करता है। इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि प्रवर्तक शुरुआती वर्षों में बैंक को जरूरी रणनीतिक दिशा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहे। एक और महत्वपूर्ण बदलाव वह यह है कि प्रवर्तकों को बैंक शुरू करने के लिए और पैसा लाना होगा क्योंकि रिजर्व बैंक ने नए बैंकों को लाइसेंस देने के लिए न्यूनतम प्रारंभिक पूंजी संबंधी जरूरत से जुड़ी सभी सिफारिशों को स्वीकार कर लिया है। रिजर्व बैंक ने प्रारंभिक पूंजी जरूरतों से जुड़ी सिफारिशों को स्वीकार करते हुए कहा है कि विविध बैंकिंग गतिविधियों में शामिल बैंकों के लिए प्रारंभिक चुकता वोटिंग इक्विटी शेयर पूंजीाकुल संपत्ति किसी नए बैंक के लिए जरूरी, मौजूदा 500 करोड़ रुपए से पांच साल में बढ़ाकर।,000 करोड़ रुपए किया जा सकता है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 28.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 640.40 अरब डॉलर पर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 19 नवंबर को समाप्त सप्ताह में 28.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 640.401 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक के शुक्रवार को जारी आंकड़े के अनुसार इससे पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 76.3 करोड़ डॉलर घटकर 640.112 अरब डॉलर रहा था। तीन सितंबर, 2021 को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार 642.453 अरब डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा आस्तियों (एफसीए) में बढ़ोतरी हुई। एफसीए का विदेशी मुद्रा भंडार में महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, सप्ताह के दौरान एफसीए 22.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 575.712 अरब डॉलर हो गया। डॉलर में अभिव्यक्त किए जाने वाले विदेशीमुद्रा आस्तियों में विदेशीमुद्रा भंडार में रखे यूरो, पौंड और एन जैसे गैर-अमेरिकी मुद्रा के घट बढ़ को भी समाहित किया जाता है। इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 15.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 40.391 अरब डॉलर हो गया।

सीरम इंस्टीट्यूट ने कोविशील्ड टीके का निर्यात शुरू किया

भाषा। नई दिल्ली

टीका बनाने वाली कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने कम और मध्यम आए वाले देशों को कोविशील्ड टीके का निर्यात शुरू कर दिया है। कंपनी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि पुणे संयंत्र से कोविशील्ड की पहली खेप भेजी गई। कंपनी ने अब तक कोविशील्ड की 1.25 अरब खुराकों का उत्पादन किया है। सीरम इंस्टीट्यूट ने कहा, कोविड-19 रोधी वैक्सीन कोविशील्ड की पहली खेप को पुणे में एसएसआई संयंत्र से कोवैक्स व्यवस्था के तहत कम और मध्यम आय वाले देशों में वितरण के लिए भेजा गया। उसने कहा कि कोवैक्स के तहत अगले वर्ष की पहली तिमाही में कोविशील्ड टीकों की आपूर्ति पर्याप्त रूप से बढ़ने की उम्मीद है।

दिल्ली-मुंबई आर्थिक गलियारे के तहत चार औद्योगिक स्मार्ट सिटी का विकास जारी: वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली। दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारे (डीएमआईसी) के तहत गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में चार नए औद्योगिक शहरों का विकास किया जा रहा है और वहां प्रमुख बुनियादी ढांचागत काम पूरा हो चुका है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इन शहरों में 16,750 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश के साथ कंपनियों को 138 भूखंड (754 एकड़) आवंटित किए गए हैं। इन शहरोंनोड्स के प्रमुख (एंकर) निवेशकों में ह्योसुंग (दक्षिण कोरिया), एनएलएमके (रूस), हायर (चीन), टाटा केमिकल्स और अमूल जैसी कंपनियां शामिल हैं। इसके अलावा दूसरे औद्योगिक गलियारों में 23 नोड्सापरियोजनाएं, योजना और विकास के विभिन्न चरणों में हैं। औद्योगिक गलियारा कार्यक्रम का उद्देश्य देश में विनिर्माण निवेश की सुविधा को लेकर उद्योगों के लिए गुणवत्तापूर्ण, विश्वसनीय, टिकाऊ और मजबूत बुनियादी ढांचा प्रदान करके नए स्मार्ट औद्योगिक शहरों का निर्माण करना है। इसका मकसद पूर्ण रूप से तैयार आईसीटी (सूचना और संचार प्रौद्योगिकी) सक्षम उपयोगिताओं का विकास करना है ताकि कंपनियां निवेश के लिए आकर्षित हों। सरकार ने ऐसे 11 गलियारों को मंजूरी दी है जिनमें 32 परियोजनाओं को चार चरणों में विकसित किया जाएगा।

सरकार ने सीमा पार दिवाला प्रक्रिया के लिए रूपरेखा का प्रस्ताव रखा, टिप्पणी मांगी

भाषा। नई दिल्ली

सरकार संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय व्यापार कानून आयोग के मॉडल कानून के आधार पर एक सीमा पार दिवाला समाधान ढांचा पेश करने की तैयारी कर रही है। इसे कॉरपोरेट देनदारों के साथ-साथ इस तरह के देनदारों को व्यक्तिगत गारंटी देने वाले दोनों के लिए लागू करने का प्रस्ताव है। दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) को लागू करने वाले कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने ढांचे के मसौदे पर 15 दिसंबर तक टिप्पणी मांगी है।

व्यापक रूप से सीमा पार दिवाला प्रक्रिया उन देनदारों से संबंधित है जिनके पास विदेशों में संपत्ति और लेनदार हैं। मंत्रालय के अनुसार, पिछले कुछ दशकों के दौरान, विभिन्न न्यायालयों में, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय व्यापार कानून आयोग (यूएनसीआईटीआरएएल) मॉडल कानून के तहत सीमा पार दिवाला मुद्दों से निपटने के लिए मजबूत संस्थागत व्यवस्था करने की जरूरत तेजी से सामने आई है।

सीमा-पार दिवाला पर यूएनसीआईटीआरएएल मॉडल कानून, 1997, सीमा-पार दिवाला मुद्दों से निपटने के लिए सबसे व्यापक रूप से स्वीकृत कानूनी ढांचा है। कानून एक विधाई ढांचा प्रदान करता है जिसे अधिनियमित क्षेत्राधिकार के घरेलू संदर्भ के अनुरूप संशोधनों के साथ देशों द्वारा अपनाया जा सकता है। इसे सिंगापुर, ब्रिटेन, अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका समेत लगभग 50 देशों में अपनाया गया है।

ई-दाखिल के जरिए उपभोक्ताओं को मिल रहा है त्वरित न्याय: केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में एक दुकान से 16,990 रुपए की खराब साड़ी के साथ ठगी का शिकार बनने वाले एक उपभोक्ता को सरकार की ई-दाखिल सुविधा की मदद से इस साल की शुरुआत में त्वरित न्याय मिला है। ई-दाखिल व्यवस्था के तहत उपभोक्ता को गड़बड़ी की शिकायत करने के लिए व्यक्तिगत रूप से उपभोक्ता अदालत जाने की जरूरत नहीं होती। इसमें शिकायत डिजिटल तरीके से दर्ज कराई जाती है।

एक अन्य उपभोक्ता शिकायत का भी चंडीगढ़ में इसी ई-दाखिल सुविधा के माध्यम से हल किया गया। इस मामले में उपभोक्ता ने एक वेबसाइट से।,529 रुपए में कच्चे लोहे का तवा और कड़ाही खरीदी थी जिसमें खराबी थी। इसी तरह बेंगलुरु की एक और उपभोक्ता की शिकायत का भी निपटान किया गया। वह शिक्षा शुल्क देने के बावजूद एक पाठ्यक्रम में दाखिला नहीं ले पाई थी। उसे 48,658 रुपए का शुल्क लौटाया गया। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) की मुख्य आयुक्त निधि खरे ने पीटीआई-भाषा को से कहा कि अब तक देश भर में उपभोक्ता आयोगों में स्थापित ई-दाखिल सुविधाओं के माध्यम से कुल 213 मामलों का निपटान किया जा चुका है।

राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों में, दिल्ली और महाराष्ट्र क्रमशः 67 और 38 मामलों के साथ मामलों के निपटान में सबसे आगे रहे हैं। खरे ने कहा, हम चाहते हैं कि अधिक से अधिक उपभोक्ता अपनी शिकायत दर्ज कराने के लिए ई-दाखिल का इस्तेमाल करें। ई-दाखिल देश भर के उपभोक्ताओं को संबंधित उपभोक्ता मंच तक आसानी से पहुंचने के लिए परेशानी मुक्त सुविधा प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि इस सुविधा के लिए उपभोक्ता को शिकायत दायर करने के लिए व्यक्तिगत रूप से उपभोक्ता अदालत जाने की जरूरत नहीं होती। वह ई-दाखिल पोर्टल के जरिए शिकायत दायर कर सकता है जो कोविड-19 महामारी के बीच सात सितंबर, 2020 को शुरू किया गया था।

पेज एक का शेष

परिवारवाद लोकतंत्र...

यह आयोजन किसी सरकार या राजनीतिक दल या किसी प्रधानमंत्री का नहीं था बल्कि इसका आयोजन लोकसभा अध्यक्ष की ओर से किया गया था। भारत की संवैधानिक लोकतांत्रिक परंपरा में राजनीतिक दलों के महत्व का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वह संविधान की भावनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का एक प्रमुख माध्यम भी हैं। उन्होंने कहा, ... लेकिन संविधान की भावना को भी चोट पहुंची है, संविधान की एक-एक धारा को भी चोट पहुंची है, जब राजनीतिक दल अपने आप में, अपना लोकतांत्रिक चरित्र खो देते हैं। जो दल स्वयं का लोकतांत्रिक चरित्र खो चुके हों, वह लोकतंत्र की रक्षा कैसे कर सकते हैं? उन्होंने किसी दल का नाम लिए बगैर कहा कि यदि कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक आज के राजनीतिक दलों को देखा जाए तो भारत एक ऐसे संकट की तरफ बढ़ रहा है, जो संविधान के प्रति समर्पित ओर लोकतंत्र के प्रति आस्था रखने वाले लोगों के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा,... और वह है पारिवारिक पार्टियां...राजनीतिक दल... पार्टी फॉर द फैमिली, पार्टी बाय द फैमिली... अब आगे कहने की जरूरत मुझे नहीं लगती है। उन्होंने कहा, कश्मीर से कन्याकुमारी तक राजनीतिक दलों की ओर देखिए। यह लोकतंत्र की भावना के खिलाफ है। संविधान हमें जो कहता है, उसके विपरीत है। उन्होंने पारिवारिक पार्टियों की व्याख्या भी की और कहा कि योग्यता के आधार पर व जनता के आशीर्वाद से किसी परिवार से एक से अधिक लोग राजनीति में जाएं, इससे पार्टी परिवारवादी नहीं बन जाती।

पंद्रह विपक्षी...

साथ ही, वाईएसआर कांग्रेस पार्टी, तेलंगाना राष्ट्र समिति, तेलुगू देशम पार्टी, बीजू जनता दल और बसपा के सदस्य भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने यह कहा कि यह सरकार प्रजातंत्र और संविधान के जश्न के आयोजन में विपक्ष का सम्मान नहीं करती और संसदीय लोकतंत्र का अपमान तथा अधिनायकवादी ढंग से कामकाज करती है, जिस कारण कई विपक्षी दलों ने इस कार्यक्रम से अलग रहने का फैसला किया। राज्यसभा में कांग्रेस के उप नेता शर्मा ने यह भी कहा कि इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से विपक्ष की आलोचना करने का कोई औचित्य नहीं था। उन्होंने कहा, कांग्रेस और अन्य मुख्य विपक्षी दल इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। भाजपा की सरकार निरंतर संवैधानिक संस्थाओं को चोट पहुंचा रही है, संवैधानिक नियमों का उल्लंघन हो रहा है। संविधान की मूल भावना पर आघात कर रही है। शर्मा के मुताबिक, दो साल पहले भी यही स्थिति पैदा हुई थी और हमने विरोध दर्ज कराया था। हमारी अपेक्षा थी कि सरकार सचेत हो जाएगी और विपक्ष को सम्मान देगी।

सीजेआई का...

दिवसाराष्ट्रीय विधि दिवस के अवसर पर शुक्रवार और शनिवार को आयोजित होने वाले तमाम कार्यक्रमों में एससीबीए का यह आयोजन भी शामिल है। आज ही के दिन, 1949 में भारत की संविधान सभा ने संविधान को स्वीकार किया था, जिसे 26 जनवरी, 1950 को लागू किया गया। न्यायमूर्ति रमण ने बहस और चर्चा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि संविधान जब स्वीकार किया गया था उस वक्त से अभी तक अदालत के बाहर और भीतर हुई चर्चाओं के कारण अब यह बेहद समृद्ध और जटिल दस्तावेज है। उन्होंने कहा, निर्माताओं द्वारा रखी गई नींव पर बना आज का संविधान 1949 में स्वीकृत दस्तावेज के मुकाबले अब ज्यादा समृद्ध और जटिल है। यह अदालत के भीतर और बाहर हुई चर्चाओं का परिणाम है, जिनके कारण बहुत अच्छी और अद्भुत व्याख्याएं सामने आई हैं।

कोरोना के...

नहीं है जो इसके खिलाफ कम प्रभावी है, लेकिन उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह नहीं है कि वे शून्य सुरक्षा प्रदान करेंगे। दक्षिण अफ्रीका में 100 से अधिक मामलों का पता चला है, जहां नया स्ट्रेन धीरे-धीरे प्रमुख होता जा रहा है। इज़राइल ने मलावी से लौटे एक व्यक्ति में बड़ी संख्या में उत्परिवर्तन के साथ एक कोविड -19 संस्करण के मामले की पहचान की है। बेल्जियम में भी एक मामला सामने आया है। हांगकांग में दो मामलों का पता चला है। बढ़ते खतरे के संकेत के रूप में यूरोपीय संघ ने दक्षिणी अफ्रीका से यात्रा पर प्रतिबंध लगाने का अलग से प्रस्ताव रखा है। ब्रिटेन कई दक्षिणी अफ्रीकी देशों से यात्रा प्रतिबंधों की घोषणा करने वाला पहला देश है। अपने ताजा आदेश में ब्रिटेन अथॉरिटी ने कहा कि यात्रियों को अनिवार्य क्वांरटीन से गुजरना होगा। ब्रिटेन के स्वास्थ्य सचिव साजिद जाविद ने कहा कि छह देशों को खतरे वाली सूची में जोड़ा जाएगा, उड़ानों पर अस्थायी रूप से प्रतिबंध लगाया जाएगा। हालांकि, यूके में अभी तक किसी भी मामले की पुष्टि नहीं हुई है।

देश 26/11...

उद्धव ठाकरे ने भी 26/11 के शहीदों को याद किया। ठाकरे ने ट्वीट कर कहा कि आतंकी हमला आतंकवादियों की कायराना मानसिकता का स्पष्ट उदाहरण है। इस आतंकवादी हमले की 13वीं बरसी में कोविड-19 महामारी के मद्देनजर सीमित संख्या में लोगों ने भाग लिया। कुछ शहीद पुलिसकर्मियों के परिवारों के सदस्यों ने भी स्मारक पर श्रद्धांजलि दी। कामा और आल्ब्लेस अस्पताल, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस और गेटवे ऑफ इंडिया के पास, दक्षिण मुंबई के कुछ स्थानों पर भी 26।11 के हमले के दौरान आतंकवादियों का निशाना बने लोगों को श्रद्धांजलि दी गई। गिरगांव चौपाटी पर भी श्रद्धांजलि दी गई। दक्षिण मुंबई में विभिन्न स्थानों पर शहीदों के बैनर और होर्डिंग लगाए गए, जहां आम नागरिकों ने पुष्पांजलि अर्पित की। आभार के तौर पर लोग गेटवे ऑफ इंडिया पर ड्यूटी पर तैनात सुरक्षाकर्मियों को फूल देते दिखे।

भारत से...

फीसदी जो भी अधिक हो। द्विपक्षीय समझौतों के तहत उपलब्धता के अनुसार प्रति सप्ताह न्यूनतम सात बार संचालन की अनुमति होगी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने जारी अपने सर्कुलर में यूनाइटेड किंगडम (ब्रिटेन) और दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील, बांग्लादेश, बोत्सवाना, चीन, मॉरीशस, न्यूजीलैंड, जिम्बाब्वे, सिंगापुर, हांगकांग और इज़राइल सहित यूरोप के देशों को %खतरे की श्रेणी में रखा है। हालांकि, एयर बबल व्यवस्था के तहत विशेष उड़ानें जारी रहेंगी। एक ऐसे देश के लिए जिसे कोविड-19 के जोखिम के रूप में पहचान की गई है और भारत के साथ एयर-बबल समझौता नहीं है, तो केवल द्विपक्षीय क्षमता का 50 प्रतिशत या पूर्व-कोविड संचालन का 50 फीसदी भारतीय या विदेशी वाहक, जो भी अधिक हो की अनुमति होगी।

बिहार, झारखंड...

सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) रूपरेखा ने दुनिया भर में विकास की प्रगति को मापने के लिए विकास नीतियों और सरकारी प्राथमिकताओं को फिर से परिभाषित किया है। नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने रिपोर्ट की प्रस्तावना में कहा कि भारत के राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक का विकास एक सार्वजनिक नीति उपकरण स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण योगदान है। यह बहुआयामी गरीबी की निगरानी करता है, साक्ष्य-आधारित और केंद्रित हस्तक्षेप के बारे में बताता है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कोई भी पीछे न छूटे। कुमार ने लिखा है कि भारत के पहले राष्ट्रीय एमपीआई की यह आधारभूत रिपोर्ट राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) की 2015-16 की संदर्भ अवधि पर आधारित है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एमपीआई को 12 प्रमुख घटकों का उपयोग करके तैयार किया गया है जिसमें स्वास्थ्य और पोषण, शिक्षा और जीवन स्तर जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है।

अफगानिस्तान के...

एवं प्रौद्योगिकी एवं राजनीति सहित अन्य विषयों पर हमारा सहयोग वैश्विक प्रगति, शांति एवं स्थिरता में काफी योगदान कर सकता है। यह दुनिया को एक परिवार मानने की हमारी भावना के अनुरूप है। विदेश मंत्री ने कहा कि कोविड-19 महामारी ने एक-दूसरे से जुड़ी दुनिया की एक-दूसरे पर निर्भरता को स्पष्ट किया है तथा ऐसे में एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य पहल समय की आवश्यकता है।

जम्मू में...

था और संशोधित प्रस्ताव जमा करने और जल्द से जल्द ग्राउंड जीरो पर परियोजना पर काम फिर शुरू करने के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए थे। यह बहुमंजिला इमारत तो लगभग पूरी हो चुकी है। कुछ सिविल/ परिष्करण कार्य और परिसर को जोड़ने वाले पुल बनना बाकी है। जेकेपीसीसी के एक वरिष्ठ इंजीनियर ने कहा कि एक बार जब हमें धनराशि उपलब्ध करा दी जाएगी तो हम छह महीने से कम समय में लंबित कार्यों को पूरा कर लेंगे।

श्रेयस अय्यर ने जड़ा शतक

भारतीय टीम 345 रन बनाकर आउट

● जवाब में न्यूजीलैंड ने बगैर नुकसान के 129 रन बनाए

भाषा। कानपुर

तेज गेंदबाज टिम साउदी के पांच विकेट की मदद से भारत को 345 रन पर आउट करने के बाद अपने सलामी बल्लेबाजों विल यंग और टॉम लाथम की उम्दा अर्धशतकीय पारियों के दम पर न्यूजीलैंड ने पहले क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन ठोस शुरूआत करते हुए बिना किसी नुकसान के 129 रन बना लिए। श्रेयस अय्यर के पदार्पण टेस्ट में शतक को छोड़कर दूसरे दिन का खेल न्यूजीलैंड के नाम रहा। पहले दिन काइल जैमीसन के बाद दूसरे दिन साउदी ने पहले सत्र में गेंदबाजी में दबदबा बनाया तो दूसरे सत्र में बल्लेबाजी में यंग और लाथम ने भारत के अनुभवी गेंदबाजों को दबाव नहीं बनाने दिया।

ईशांत शर्मा की रफ्तार भी उनकी राह नहीं रोक सकी और रविचंद्रन अश्विन की फिरकी भी नहीं। यंग ने 180 गेंदों में 12 चौकों की मदद से 75 रन बना लिए हैं जबकि लाथम 165 गेंद में 50 रन बनाकर खेल रहे हैं जिसमें चार चौके शामिल हैं। न्यूजीलैंड की टीम भारत के पहली पारी के स्कोर से 216 रन पीछे है और उसके सारे विकेट सुरक्षित हैं।कीवी बल्लेबाजों ने पगबाधा के तीन फैसलों के खिलाफ डीआरएस अपील की और कामयाब रहे।

पिच से तेज गेंदबाजों को सुबह अधिक उछाल मिली जिसकी बदौलत साउदी ने चार विकेट चटकाए। वहीं अश्विन और जडेजा जैसे स्पिनरों को टर्न नहीं मिली। अश्विन, जडेजा और अक्षर पटेल ने मिलकर 41 ओवर डाले और 92 रन दिए जबकि किसी को कामयाबी नहीं मिल सकी। वहीं ईशांत ने छह ओवर मे दस और उमेश ने 10 ओवर में 26 रन दिए।

इससे पहले श्रेयस अय्यर अपने पदार्पण टेस्ट में शतक जमाने वाले 16वें भारतीय बल्लेबाज बने लेकिन अश्विन को छोड़कर निचले क्रम के बल्लेबाज न्यूजीलैंड के गेंदबाजों का

विल यंग ने नाबाद 75 रन बनाए

सामना नहीं कर सके। अश्विन ने 56 गेंद में 38 रन बनाए। अपने कल के स्कोर 75 रन से आगे खेलते हुए अय्यर ने 171 गेंद में 105 रन बनाए। वह अपने पहले टेस्ट में शतक जमाने वाले भारत के 16वें क्रिकेटर बन गए। इस सूची में लाला अमरनाथ, गुंडप्पा विश्वनाथ, सौरव गांगुली, रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों के नाम हैं।

सुबह के सत्र में 81 रन बने लेकिन चार विकेट भी गिरे। यह सत्र साउदी के नाम रहा जिन्होंने 27.4 ओवर में 69 रन देकर पांच विकेट लिए। अपना 80वां टेस्ट खेल रहे साउदी 13वीं बार यह कमाल कर चुके हैं। उन्होंने सबसे पहले दूसरी नई गेंद से रविंद्र जडेजा को आउट किया जो कल के स्कोर 50 रन पर ही लौट गए। रिधिमान साहा 12 गेंद में एक रन बनाकर आउट हुए। दूसरी ओर अय्यर ने काइल जैमीसन को थर्डमैन पर शॉट खेलकर अपना शतक पूरा किया। उन्होंने अपनी पारी में 13 चौके और दो छक्के लगाए। साउदी ने कवर में विल यंग के हाथों लपकवाकर अय्यर की पारी का अंत किया। अश्विन ने अपनी पारी में पांच चौके लगाए जिसमें साउदी को कवर में जड़ा दर्शनीय चौका शामिल है।

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी : मयंक अग्रवाल का ब्लंडेल बो जैमीसन 13, शुभमन गिल बो जैमीसन 52, चेतेश्वर पुजारा का ब्लंडेल बो साउदी 26, अजिंक्य रहाणे बो जैमीसन 35, श्रेयस अय्यर का यंग बो साउदी 105, रविंद्र जडेजा बो साउदी 50, रिधिमान साहा का ब्लंडेल बो साउदी 12, रविचंद्रन अश्विन बो पटेल 38, अक्षर पटेल का ब्लंडेल बो साउदी 3, उमेश यादव नाबाद 10, ईशांत शर्मा पगबाधा बो पटेल 00
अतिरिक्त : 12 रन
कुल योग : 111.1 ओवर में 345 रन
विकेट पतन : 1-21, 2-82, 3-106, 4-145, 5-266, 6-288, 7-305, 8-313, 9-339
गेंदबाजी : साउदी 27.4 -6-69-5, जैमीसन 23.2-6-91-3, पटेल, 29.1-7-90-2, सोमेरविले 24-2-60-0, रचिन-7-1-28-0
न्यूजीलैंड पहली पारी : टॉम लाथम नाबाद 50, विल यंग नाबाद 75
अतिरिक्त : चार रन
कुल योग : 57 ओवर में 129 रन
गेंदबाजी : ईशांत-6-3-10-0, उमेश 10-3-26-0, अश्विन 17-5-38-0, जडेजा 14-4-28-0, अक्षर 10-1-26-0

पुरानी गेंद से कौशल में सुधार है साउदी के शानदार प्रदर्शन का राज

भाषा। कानपुर

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी ने पिछले तीन वर्षों में देश से बाहर अपनी शानदार सफलता का श्रेय विदेशी परिस्थितियों में तेजी से ढलने और पुरानी गेंद से अपने कौशल में निखार को दिया। साउदी ने अपने 80वें टेस्ट में 13वीं बार पांच विकेट चटकाने का कारनामा किया, जिसमें भारत में दूसरी बार पांच विकेट झटकना भी शामिल है। इससे उन्होंने अपनी टीम को यहां शुरूआती टेस्ट के दूसरे दिन मेजबानों के खिलाफ मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। जहां भारतीय तेज गेंदबाजों को विकेट निकालने में जद्दोजहद करनी पड़ी तो वहीं साउदी ने क्रीज का शानदार इस्तेमाल किया और नई व पुरानी गेंद से धीमी पिच पर स्विंग हासिल कर प्रतिद्वंद्वी टीम के बल्लेबाजों को परेशान किया। नई गेंद से उनके जोड़ीदार काइल जैमीसन भी इसमें पीछे नहीं रहे। साउदी भारत में सभी प्रारूपों में काफी क्रिकेट खेल चुके हैं और यह उनका तीसरा टेस्ट दौरा है।

कोविड के चलते भारत का दक्षिण अफ्रीका दौरा खटाई में

● नए स्वरूप को लेकर दहशत का माहौल

भाषा। कानपुर

दक्षिण अफ्रीका में दहशत पैदा करने वाले कोविड-19 के नए स्वरूप के कारण भारत के अगले महीने के दौरे को लेकर चिंता पैदा हो गई है, हालांकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का मानना है कि श्रृंखला पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होगी। भारत ए टीम ब्लोमफोंटेन में तीन अनधिकृत टेस्ट मैच खेलने के लिए अभी दक्षिण अफ्रीकी दौरे पर है जो कि नई परिस्थितियों में प्रभावित हो सकता है। उसका पहला मैच शुक्रवार को ड्रा छूटा जबकि दूसरा मैच 29 नवंबर से खेला जाएगा।

भारत की सीनियर टीम को 17 दिसंबर से शुरू होने वाले अपने लगभग सात सप्ताह के दौरे में तीन टेस्ट, तीन वनडे और चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने हैं। ए मैच चार स्थानों जोहानिसबर्ग, सेंचुरियन, पार्ल और केपटाउन में खेले जाएंगे। देश के उत्तरी हिस्से में मामले बढ़ रहे हैं और टेस्ट श्रृंखला के कम से कम दो स्थलों जोहानिसबर्ग और प्रिटोरिया (सेंचुरियन के करीब) में इस नए स्वरूप की चपेट में आ सकते हैं।

बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि देखिए जब तक हमें क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) से वहां की स्थिति का पता नहीं चल जाता तब तक हम अपने अगले कदम के बारे में नहीं बता पाएंगे। वर्तमान कार्यक्रम के अनुसार भारतीय टीम को मुंबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला समाप्त होने के बाद आठ या नौ दिसंबर को रवाना होना है। दौरा भले ही अभी पूर्व निर्धारित कार्यक्रम से होने की बात की जा रही है लेकिन बीसीसीआई अगले

एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप स्थगित

लुसाने। दक्षिण अफ्रीका में होने वाला एफआईएच जूनियर महिला हॉकी विश्व कप शनिवार को देश में कोविड-19 के नए स्वरूप के पाए जाने के कारण स्थगित कर दिया गया। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट दक्षिण अफ्रीका में पांच से 16 दिसंबर तक होना था। लेकिन दक्षिण अफ्रीका में कोरोना वायरस नए स्वरूप के प्रकोप के बाद अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच), दक्षिण अफ्रीकी हॉकी संघ और नॉर्थ-वेस्ट यूनिवर्सिटी ऑफ़ पोटचेफस्ट्रूम ने संयुक्त रूप से निर्णय लिया है कि टूर्नामेंट वर्तमान परिस्थितियों में आयोजित नहीं किया जाएगा। एफआईएच के सीईओ थियरी वील ने बयान में कहा, एफ आईएच प्रतियोगिताओं में हर किसी की सुरक्षा पहली प्राथमिकता है।

कपिल देव ने हार्दिक पंड्या की काबिलियत पर उठाए सवाल

भाषा। कोलकाता

भारत के पूर्व कप्तान कपिल देव ने शुक्रवार को पूछा कि क्या हार्दिक पंड्या को हरफनमौला कहा जा सकता है जबकि वह उतनी गेंदबाजी करते ही नहीं हैं। सीमित ओवरों के क्रिकेट में भारतीय टीम के अभिन्न अंग पंड्या ने हाल ही में टी-20 विश्व कप में सिर्फ दो मैचों में गेंदबाजी की। भारत टूर्नामेंट के ग्रुप चरण से ही बाहर हो गया था।

अपनी फिटनेस से जुड़े कई मसलों का खुलासा नहीं करने के लिए भी पंड्या की आलोचना हो रही है।उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 श्रृंखला के लिए टीम में जगह नहीं मिली। भारत ने श्रृंखला 3-0 से जीती। कपिल ने रॉयल कलकत्ता गोल्फ

कोर्स पर कहा कि हरफनमौला कहलाने के लिए उसे दोनों काम करने होंगे। वह गेंदबाजी नहीं कर रहा है तो क्या उसे हरफनमौला कहेंगे। वह चोट से उबर चुका है तो पहले उसे गेंदबाजी करने दीजिए। भारत के पहले विश्व कप विजेता कप्तान ने कहा कि वह भारत के लिए काफी महत्वपूर्ण बल्लेबाज है। गेंदबाजी के लिए उसे काफी मैच खेलने होंगे और अच्छा प्रदर्शन करना होगा। इसके बाद ही हम कह सकेंगे। कपिल ने यह भी कहा कि कोच के रूप में राहुल द्रविड़ बतौर क्रिकेटर मिली कामयाबी से भी अधिक कामयाब होंगे। उन्होंने कहा कि वह अच्छा इंसान है और अच्छा क्रिकेटर भी है।

वह बतौर क्रिकेटर जितना सफर रहा, कोच के रूप में उससे भी अधिक सफल होगा। अपने पसंदीदा हरफनमौला के बारे में पूछने पर कपिल ने रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा का नाम लिया। उन्होंने कहा कि मैं आजकल क्रिकेट का सिर्फ मजा लेने जाता हूं। मेरा काम वही है। मैं आपके नजरिए से नहीं देखता। उन्होंने पसंदीदा हरफनमौला के बारे में कहा कि मैं अश्विन का नाम लूंगा। वह जबर्दस्त है।

फुटबॉल में भारत को ब्राजील ने 6-1 से हराया

मानौस (**ब्राजील**)। भारतीय महिला फुटबॉल टीम को ब्राजील जैसी धुरंधर टीम ने चार देशों के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के पहले मैच में शुक्रवार को 6-1 से हरा दिया। विश्व कप 2007 की उपविजेता ब्राजील के लिए डेबोरा ओलिवियरा ने पहले ही मिनट में गोल कर दिया। भारत की मनीषा कल्याण ने आठवें मिनट में बराबरी का गोल किया। जियोवाना कोस्टा ने 36वें मिनट में ब्राजील को फिर बढत दिला दी। दूसरे हाफ में ब्राजील ने चार और गोल दाग दिए।

उसके लिए एरियाडिना बोर्गेस (52वां, 81वां मिनट), कैरोलिन फेराज (54वां) और गेसे फेरेइरा (76वां) ने गोल किए। इस मैच के साथ ही ब्राजील की मिडफील्डर फोरमिगा ने 43 वर्ष की उम्र में फुटबॉल को अलविदा कह दिया।

PUBLIC NOTICE

This is made public through this notice that I, Anand Kumar Saini S/O Sh. Mool Chand Saini R/o WZ-398, Palam Gaon, Palam Village S.O. South West Delhi, Delhi-110045 and my wife Jai Bala Saini do hereby debar/ disown our son Akash Saini his wife Chandrika Sood and our younger son Aman Saini from all our movable and immovable property as they are disloyal, disrespectful and distrustful as they are disturbing the environment, peace and tranquility of our house by having regular fight with us and each other every now and then without any reason as they had misbehaved with us and they are not cooperating with us, as we have no control over them, as Chandrika Sood (our daughter-in-law) always threatens us to implicate us to false cases i.e. cruelty, dowry & abetment to suicide etc. So we decided to debar/disown our son Akash Saini and his wife Chandrika Sood and our younger son Aman Saini, from our all movable and immovable properties and if anything happens to them we should not be liable for the same. Further, if anyone deals with them in future shall do so on his/ her own peril, and we shall not be responsible for any civil or criminal Liability arising out of such transaction(s).

TARUN SHARMA (ADVOCATE)
CH.NO. 609, DWARKA COURTS,
NEW DELHI - 110075

पैट कमिंस आस्ट्रेलिया के नए टेस्ट कप्तान बने

भाषा। मेलबर्न

पैट कमिंस आस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम की पूर्णकालिक कप्तानी करने वाले पहले तेज गेंदबाज बन गए जबकि पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ को उपकप्तान बनाया गया है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को दोनों घोषणा की। उपकप्तान कमिंस अब टिम पेन की जगह लेंगे जिन्होंने एक महिला सहकर्मी को अश्लील मैसेज भेजने का चार साल पुराना प्रकाश में आने के बाद पिछले सप्ताह कप्तानी छोड़ दी।

टेस्ट स्तर पर आस्ट्रेलिया की कप्तानी करने वाले आखिरी तेज गेंदबाज रे लिंडवाल थे जिन्होंने 1956 में एक टेस्ट में कार्यवाहक कप्तान के रूप में जिम्मेदारी संभाली थी। कमिंस आस्ट्रेलिया के 47वें टेस्ट कप्तान हैं। स्मिथ को 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गेंद से छेड़खानी मामले

के बाद कप्तानी से हटाया गया था। उन्हें दो साल के लिए नेतृत्व दल में शामिल किए जाने पर भी रोक लगा दी गई थी। कमिंस ने एक बयान में कहा कि एशेज से पहले इस जिम्मेदारी को स्वीकार करके मैं गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। उम्मीद है कि मैं टिम पेन के काम को आगे बढा सकूंगा। पहला टेस्ट आठ दिसंबर से ब्रिसबेन में खेला जाएगा।

भारत के लिए पोलैंड के खिलाफ करो या मरो का मुकाबला

जूनियर हॉकी विश्व कप

भाषा। भुवनेश्वर

कनाडा जैसी कमजोर टीम पर धमाकेदार जीत दर्ज करके अपने अभियान को ढें पर लाने वाली गत चैम्पियन भारतीय टीम को एफआईएच जूनियर हॉकी विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में क्वालीफाई करने के लिए शनिवार को पोलैंड के खिलाफ पूल बी का आखिरी मैच हर हालत में जीतना होगा।

टूर्नामेंट शुरू होने से पहले प्रबल दावेदार माने जा रहे भारत को पहले ही मैच में फ्रांस ने 5-4 से हराकर बड़ा उलटफेर कर दिया। इससे भारत के अभियान को करारा झटका लगा और पूल में शीर्ष रहने की उसकी उम्मीदों पर भी पानी फिर गया। एक जीत और एक हार के बाद भारत पूल बी में दूसरे स्थान पर है जबकि फ्रांस दोनों मैच जीतकर शीर्ष पर है।

पोलैंड तीसरे स्थान पर है। क्वार्टर फाइनल में भारत का सामना यूरोपीय दिग्गज और शीर्ष वरीयता प्राप्त बेल्जियम से हो सकता है जो पूल ए में शीर्ष रह सकती है। ऐसे में भारत को आत्ममुग्धता से बचकर खेलना होगा। फ्रांस के खिलाफ भारतीय टीम बिल्कुल लय में नहीं दिखी। दूसरे मैच में कनाडा के सामने हालांकि उसने चिर परिचित लय का प्रदर्शन किया। अब यहां से भारत को हर मैच जीतना होगा। मुख्य कोच ग्राहम रीड ने कहा कि फ्रांस से मिली हार को लेकर अब कुछ नहीं किया जा सकता। यहां से हमें हर मैच जीतना होगा, तभी खिताब बरकरार रख सकेंगे। उन्होंने कहा कि अभी पूरा फोकस पोलैंड के खिलाफ मैच पर है। उसे जीतकर ही आगे के बारे में सोच सकते हैं। टीम के लिए यह सबक रहा है। हर मैच कुछ सिखाता है। यही मैं सीनियर खिलाड़ियों से भी कहता हूं। दोनों मैचों में भारत ने गोल करने के मौके बनाए लेकिन उन्हें पूरी तरह भुनाने में नाकाम रहा।

उपकप्तान और स्टार ड्रैग फ्लिकर संजय ने लगातार दो मैचों में हैट्रिक लगाई जबकि उत्तम सिंह ने फॉरवर्ड पंक्ति में अच्छा प्रदर्शन किया। अराइजीत सिंह हुंडल ने भी कनाडा के खिलाफ हैट्रिक लगाई। संजय, हुंडल और शारदानंद तिवारी के रूप में भारत के पास तीन अलग अलग शैली के पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञ है।

लिटन और मुशफिकुर ने बांग्लादेश को शुरुआती झटकों से उबारा

भाषा। चटगांव

विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास के करियर के पहले शतक और अनुभवी मुशफिकुर रहीम के साथ उनकी 204 रन की अटूट साझेदारी से बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन शुक्रवार को यहां शुरुआती झटकों से उबरकर चार विकेट पर 253 रन बनाए। बांग्लादेश ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए पहले 58 मिनट में 49 रन के अंदर चार विकेट गंवा दिए थे लेकिन इसके बाद लिटन (नाबाद 113) और मुशफिकुर (नाबाद 82) ने संभलकर बल्लेबाजी की और दिन के अगले लगभग 69 ओवर तक टीम को कोई झटका नहीं लगने दिया। अपना 26वां टेस्ट मैच खेल रहे लिटन ने अपना पहला शतक पूरा किया। उन्होंने अब अपनी पारी में 225 गेंदों का सामना करके 11 चौके और एक छक्का लगाया है। मुशफिकुर की 190 गेंद की पारी में 10 चौके शामिल हैं।

ह्यूस्टन। मनिका बत्रा और जी साथियान तथा अचंता शरत कमल और अर्चना कामथ की भारत की मिश्रित युगल जोड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए विश्व टेबल टेनिस के प्रीक्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। मनिका और साथियान ने प्यूर्टोरिको के एड्रियाना डियाज और ब्रायन एफानडोर को 3-1 से हराया।

गुमशुदा की तलाश

चेर्रिशी बहल

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक लड़की जिसका नाम **चेर्रिशी बहल, पुत्री** स्व दीपक बहल, **पता** मकान नं. 3ए/1बी, गाँव टूट सराय, मालवीय नगर, नई दिल्ली जो दिनांक 26.10.2021 से लापता है। इस संदर्भ में **डीडी सं. 04ए दिनांक 27.10.2021** थाना मालवीय नगर, नई दिल्ली में दर्ज है।

गुमशुदा लड़की का ब्यौरा इस प्रकार है : **नाम** : चेर्रिशी बहल, **पिता का नाम** : स्व. दीपक बहल, **उम्र** : 20 साल, **कद** : 5 फीट 2 इंच, **रंग** : सांवला, **चेहरा** : गोल, **शरीर**: मजबूत, **पहनावा** : पीले रंग का टॉप, व नीली जीन्स तथा पैरों में स्लीपर पहने हुए है।
अगर किसी व्यक्ति को इस बारे में कोई जानकारी/सूचना मिले तो कृपया निम्नलिखित फोन नम्बरों पर सूचित करें।

वेबसाइट : http://cbi.nic.in
ई-मेल : ciccbi@cbi.nic.in
फैक्स : 011-230111334
फोन : 011-23014046, 30115229, 23015218, एक्स.: 210
DP/781/SD/2021

थानाध्यक्ष
थाना : मालवीय नगर, नई दिल्ली
फोनः 011-26691861
26691863, 8750870822

पीवी सिंधू सेमीफाइनल में पहुंचीं

इंडोनेशिया ओपन बैडमिंटन

● चिराक-सात्विक की जोड़ी युगल के अंतिम चार में

भाषा। बाली

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने एक गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए दक्षिण कोरिया की सिम युजिन को हराकर इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी ने मलेशिया के गोह जे फेई और नूर इजुद्दीन को सीधे गेम में 21-19 21-19 से हराकर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। हालांकि एकल क्वार्टरफाइनल में बी साई प्रणीत को ओलंपिक चैम्पियन और पूर्व नंबर एक डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसेन से 12-21, 8-21 से सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा।

विश्व रैंकिंग में 16वें स्थान पर काबिज प्रणीत ने गुरूवार को दूसरे दौर में फ्रांस के 70वीं रैंकिंग वाले क्रिस्टो पोपोव को 21-17, 14-21, 21-19 से हराया था। मौजूदा विश्व चैम्पियन तीसरी वरीयता प्राप्त सिंधू ने युजिन को क्वार्टरफाइनल में एक घंटे और छह मिनट में 14-21, 21-19, 21-14 से हराया। अब उनका सामना दूसरी वरीयता प्राप्त थाईलैंड की इंतानोन रेचानोक से होगा जिन्होंने 850,000 डॉलर की ईनामी राशि के टूर्नामेंट के दूसरे क्वार्टर फाइनल में जापान की असुका ताकाहाशी को 21-17, 21-12 से हराया। सिंधू के लिए युजिन के खिलाफ मैच आसान नहीं था। उसने एक समय 7-1 की बढत बना ली लेकिन जापानी खिलाड़ी ने लगातार छह अंक लेकर वापसी की और फिर ब्रेक तक 11-10 की बढत बना ली।

एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी हॉकी में भारत की कप्तानी करेंगे मनप्रीत

भाषा। भुवनेश्वर

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता कप्तान मनप्रीत सिंह ढाका में अगले महीने होने वाली हीरो एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में भारत की 20 सदस्ईय पुरूष हॉकी टीम के कप्तान होंगे जबकि अनुभवी गोलकीपर पी आर श्रीजेश टीम में नहीं हैं। स्टार ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह टीम के उपकप्तान होंगे। यह टूर्नामेंट 14 से 22 दिसंबर के बीच खेला जाएगा। टोक्यो ओलंपिक के बाद यह भारत का पहला टूर्नामेंट है और टीम में कई नए चेहरों को जगह दी गई है।

श्रीजेश को आराम दिया गया है और गोलकीपिंग का जिम्मा केबी पाठक तथा सूरज करकेरा पर रहेगा। डिफेंस में हरमनप्रीत सिंह के साथ गुरिंदर सिंह, जरमनप्रीत सिंह, नीलम संजीप सेस, दिप्सन टिर्की, वरूण कुमार और मनदीप मोर होंगे। मिडफील्ड की कमान मनप्रीत, हार्दिक सिंह, जसकरण सिंह, सुमित, राजकुमार पाल, शमशेर सिंह और आकाशदीप सिंह संभालेंगे। फॉरवर्ड पंक्ति में ललित उपाध्याय, दिलप्रीत सिंह, गुरसाहिबजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा होंगे। गत चैम्पियन भारत का सामना पहले दिन कोरिया से होगा। टूर्नामेंट में जापान, मलेशिया, पाकिस्तान और बांग्लादेश भी खेलेंगे।

मुख्य कोच ग्राहम रीड ने कहा कि हमने भविष्य को ध्यान में रखकर टीम चुनी है। खिलाड़ियों को मौके देने जरूरी है तभी मजबूत टीम तैयार होगी। इस टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ी दोनों हैं। भारत को 14 दिसंबर को कोरिया से, 15 को बांग्लादेश से, 17 को पाकिस्तान, 18 को मलेशिया और 19 दिसंबर को जापान से खेलना है। सेमीफाइनल 21 दिसंबर को और फाइनल 22 दिसंबर को खेला जाएगा।

fanatically for you
agranté

KAVYAM

"KAVYAM" - AFFORDABLE HOUSING PROJECT

Advertisement is invited to inform general public at large regarding cancellation of units of already allotted customers through the1st draw of lots dated 24.06.2019, 2nd draw of lots dated 01.08.2020 and 3rd draw of lots dated 22.01.2021 due to non-payment despite several reminders, in the Residential Apartments in the Affordable Group Housing Project Kavyam is being developed by Agrante Realty Ltd Sector-108,Gurugram, Haryana, as per terms and conditions of the policy prescribed by the Town & Country Planning Department, Government of Haryana vide notification no PF-27/48921 dated 19.08.2013 & amendments thereof (details available at the Department website, i.e. www.tcpharyana.gov.in).

S.No.	Application No.	TYPE	Unit No.	Applicant Name	Co-Applicant Name
1	11017	Type-3	TD-510	Pushp Lata Gulhani	Hans Raj Gulhani
2	10223	Type-1	TA3-303	Vipin Joshi	N/A
3	10390	Type-3	TD-1405	Kanika Tandon	N/A
4	10553	Type-1	TA1-902	Monika Garg	N/A
5	3805	Type-1	TB-901	Pooja Tyagi Wadhwa	N/A
6	3507	Type-1	TA4-804	Kamla	N/A

It is to inform to all above allottees that it is last & final opportunity to restore the allotment after making the all dues till date within seven working days, otherwise it shall be considered as cancelled and the same shall be allotted to the aspiring applicants under the applicable provisions of policy prescribed by the Town & Country Planning Department, Government of Haryana vide notification no PF-27/48921 dated 19.08.2013 & amendments thereof.

Office address: Agrante Realty Ltd Unit No. 122 Suncity Trade Tower, Sector-21, Gurgaon-122016
CIN: U70101DL2013PLC248731
Contact at: - website: www.kavyamhomes.com; 0124-4769500-599, 8800499383, 8800499674

शरणार्थी संकट को लेकर ब्रिटेन का प्रस्ताव फ्रांस को नामंजूर

● दोनों देशों के बीच बयानबाजी तेज

एपी। कलाइस (फ्रांस)

फ्रांस ने ब्रिटेन के उस प्रस्ताव पर शुक्रवार को तीखी प्रतिक्रिया दी है, जिसमें दोनों देशों की समुद्री सीमा पर शरणार्थी संकट से निपटने को लेकर अनुशंसाएं की गई हैं। शरणार्थियों द्वारा इंग्लिश चैनल को पार करने को लेकर दोनों देशों के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने एक नौका डूबने से 27 लोगों की मौत होने के बाद बुधवार को फ्रांस के राष्ट्रपति एमेनुअल मैक्रों को लिखे एक सार्वजनिक पत्र में इस संकट से निपटने के लिए सिलसिलेवार तरीके से अनुशंसाएं कीं। हालांकि सोशल मीडिया पर सार्वजनिक हुए इस पत्र को फ्रांस सरकार के प्रवक्ता गैब्रियल एटल ने अस्वीकार्य बताया। उन्होंने कहा कि इसके परिणामस्वरूप, इस समस्या पर चर्चा के लिए रविवार को होने वाली एक यूरोपीय बैठक में ब्रिटेन की गृह मंत्री प्रीति पटेल को नहीं बुलाया गया है। एटल ने कहा कि हम इन द्विअर्थी बातों से तंग आ चुके हैं।

जॉनसन ने प्रस्ताव में फ्रांस से कहा है कि वह अवैध रूप से सीमा पार कर ब्रिटेन आए सभी शरणार्थियों को अपने पास वापस बुलाए। एटल ने इस विचार को यह कहकर खारिज कर दिया कि हम जिस तरह से इस समस्या को हल करना चाहते हैं, उसमें इस विचार का कोई महत्व नहीं है। उन्होंने कहा कि इस पत्र में उन मुददों का कोई जिक्र नहीं है, जिन पर बुधवार को जॉनसन तथा मैंक्रों ने चर्चा की थी।

जॉनसन ने अगले सप्ताह से उत्तरी फ्रांस के समुद्र तटों पर ब्रिटिश सीमा अधिकारियों द्वारा गश्त शुरू करने का प्रस्ताव भी रखा, जिसका फ्रांस लंबे समय से विरोध करता आ रहा है।

उन्होंने एक-दूसरे के जल क्षेत्र में संयुक्त या पारस्परिक समुद्री गश्त और मानवयुक्त उड़ानों तथा ड्रोन द्वारा हवाई निगरानी की भी सिफारिश की।

ब्रिटिश परिवहन मंत्री ग्रांट शाप्स ने कहा कि जॉनसन ने अच्छी नीयत से प्रस्ताव रखा है। उन्होंने फ्रांस से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया। उन्होंने बीबीसी रेडियो से कहा कि प्रस्ताव अच्छी नीयत से रखा गया है। मैं अपने फ्रांसीसी मित्रों को इसके प्रति आश्वस्त कर सकता हूं। मुझे उम्मीद है कि वे इस पर पुनर्विचार करेंगे।

ब्रिटेन के साथ विवाद में फ्रांसीसी मछुआरों ने बंदरगाहों को अवरुद्ध किया

कैले (**फ्रांस**)। यूरोपीय संघ से ब्रिटेन के बाहर होने (ब्रेक्जिट) के बाद मछली पकड़ने के लाइसेंसों को लेकर विवाद में, फ्रांस के मछुआरों ने शुक्रवार को ब्रिटेन तक सामान की आवाजाही को रोकने के मकसद से फ्रांसीसी बंदरगाहों और इंग्लिश चैनल के तहत होने वाले यातायात को अवरुद्ध कर दिया। यह पड़ोसी देशों के बीच तनाव का नया कारण बन गया है। दोनों देश दुनिया के सबसे व्यस्त नौवहन मार्ग पर बुधवार तड़के कैले तट के पास एक नौका डूबने को लेकर भी एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। इस हादसे में कम से कम 27 प्रवासियों की मौत हो गई थी और दोनों देशों का आरोप है कि हादसे को रोकने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं किए गए। फ्रांसीसी मछुआरे ब्रिटिश सरकार पर ब्रिटेन के जलक्षेत्र में मछली पकड़ने के लिए अधिक लाइसेंस नहीं देने से नाराज हैं। वे उनके बचाव के लिए ठोस कदम नहीं उठाने को लेकर अपनी सरकार से भी नाराज हैं। मछली पकड़ने का उद्योग आर्थिक रूप से छोटा है लेकिन ब्रिटेन और फ्रांस दोनों के लिए प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण है। मछुआरों की एक स्थानीय समिति के अध्यक्ष ओलिवियर लेप्रेते ने संवाददाताओं से कहा कि शुक्रवार की नाकाबंदी एक चेतावनी है।

चीन, उत्तर कोरिया की सैन्य गतिविधियों से चिंतित जापान ने रक्षा बजट बढ़ाया

टोक्यो। जापान की कैबिनेट ने चीन, रूस और उत्तर कोरिया द्वारा सैन्य गतिविधियां बढ़ाए जाने को लेकर बढ़ती चिंता के बीच रक्षा बजट को 6.8 अरब डॉलर बढ़ाने के एक अनुरोध को शुक्रवार को स्वीकृति दे दी। मिसाइलों, पनडुब्बी रोधी रॉकेटों और अन्य हथियारों की खरीद तेज गति से करने के लिए मार्च तक अतिरिक्त रक्षा बजट मांगा गया था। संसदीय अनुमोदन के लिए अब भी लंबित यह अनुरोध, वर्तमान वर्ष के लिए जापान के सैन्य खर्च को 53.2 बिलियन डॉलर से अधिक के नए उच्च स्तर पर ले जाएगा, जो 2020 में 5.31 ट्रिलियन एन से 15 प्रतिशत अधिक है।

रोम में शुक्रवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन और इटली के प्रधान मंत्री मारियो ड्रैगी के बीच बैठक के दौरान इतालवी एक्रोबैटिक टीम फ्रेक्स ट्राइकोलोरी और फ्रैंच एक्रोबैटिक पैट्रोल फ्लाई ने क्विरिनेल प्रेसिडेंशियल पैलेस के ऊपर उड़ान भरी।

सोलोमन ने अशांति के लिए विदेशी हस्तक्षेप को ठहराया जिम्मेदार

एपी। कैनबरा

सोलोमन द्वीप के प्रधानमंत्री मनासेह सोगावरे ने ताइवान से संबंध खत्म कर चीन से नाता जोड़ने के उनके सरकार के फैसले को लेकर हाल के दिनों में राजधानी होनियारा में हुए सरकार विरोधी प्रदर्शनों, आगजनी और लूटपाट के लिए विदेशी हस्तक्षेप को शुक्रवार को जिम्मेदार ठहराया। सोलोमन द्वीप एक संप्रभु देश है जिसमें छह प्रमुख द्वीप और ओशिनिया के 900 से अधिक छोटे द्वीप आते हैं। सोगावरे ने 2019 में कई लोगों, खासतौर से सोलोमन द्वीप के सबसे घनी आबादी वाले प्रांत मलाइता के नेताओं को उस समय नाराज कर दिया था जब उन्होंने ताइवान के साथ देश के राजनयिक संबंध खत्म कर दिए। देश के रक्षा मंत्री पीटर डटन ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई पुलिस और राजनयिकों को लेकर आने वाला एक विमान बृहस्पतिवार को होनियारा में पहुंचा, जहां वे दूसरे दिन सरकार विरोधी हिंसक प्रदर्शनों के बाद शांति व्यवस्था कायम करने के प्रयासों में स्थानीय पुलिस की मदद करेंगे। सोगारवे ने कहा कि वह चीन से राजनयिक संबंध स्थापित करने के अपने सरकार के फैसले पर अडिग हैं और उन्होंने इसे हिंसा का एकमात्र मुद्दा बताया। उन्होंने कहा कि मैं किसी के भी आगे झुकने वाला नहीं हूं। हम अपनी बात पर कायम है, सरकार भी अपनी बात पर काम है और हम लोकतंत्र की रक्षा करेंगे। सोगारवे के आलोचकों ने अशांति के लिए सरकारी सेवाओं की कमी और भ्रष्टाचार की शिकायतों को भी जिम्मेदार बताया। ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री मारिस पायने ने इस पर बात पर सहमति नहीं जताई कि अशांति के लिए दूसरे देश जिम्मेदार हैं। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने शांति व्यवस्था बहाल करने और अहम प्रतिष्ठानों की रक्षा करने में स्थानीय पुलिस की मदद के वास्ते सैनिकों, पुलिस और राजनयिकों को भेजने की बृहस्पतिवार को प्रतिबद्धता जताई। कुछ पर्यवेक्षकों की दलील है कि शांति व्यवस्था बहाल करने को लेकर चीन के सुरक्षा बलों को आने से रोकने के लिए ऑस्ट्रेलिया ने तत्काल हस्तक्षेप किया है, लेकिन मॉरिसन ने कहा कि सोगारवे ने मदद के लिए कहा है क्योंकि वह ऑस्ट्रेलिया पर भरोसा करते हैं।

डब्ल्यूएचओ ने नए स्वरूप पर विशेष बैठक की

जिनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सलाहकार शुक्रवार को एक विशेष सत्र आयोजित कर रहे हैं, जिसमें दक्षिण अफ्रीका में सामने आए कोरोना वायरस के एक चिंताजनक नए स्वरूप के बारे में विचार विमर्श किया जाएगा। हालांकि, एक शीर्ष विशेषज्ञ का कहना है कि इसका कोविड-19 टीकों पर पड़ने वाले प्रभाव का कई सप्ताह तक पता नहीं चल सकेगा। कोविड-19 के विकास पर तकनीकी सलाहकार समूह तथाकथित बी-1.1.529 संस्करण पर चर्चा करने के लिए आभासी बैठक कर रहा है, जिसने शेयर बाजारों को झकझोर कर रख दिया है और यूरोपीय संघ को दक्षिणी अफ्रीका के लिए उड़ानों पर रोक की सिफारिश करने के लिए प्रेरित किया है। समूह यह तय कर सकता है कि क्या यह डेल्टा वेरिएंट की तरह ही ''सर्वाधिक चिंतापूर्ण स्वरूप'' है और इसे वर्गीकृत करने के लिए ग्रीक अक्षर का उपयोग करना है या नहीं। कोविड-19 पर तकनीकी समूह का नेतृत्व करने वाली मारिया वान केरखोव ने सोशल मीडिया चाट में बृहस्पतिवार को कहा, ''हम अभी तक इसके बारे में बहुत कुछ नहीं जानते हैं। हम इतना ही जानते हैं कि कोरोना के इस वेरिएंट में बड़ी संख्या में उत्परिवर्तन हैं, जो एक चिंता का विषय है, क्योंकि जब इतने सारे उत्परिवर्तन होते हैं तो यह वायरस के व्यवहार पर प्रभाव पड़ सकता है। वान केरखोव ने कहा कि हमें यह समझने में कुछ सप्ताह समय लगेगा कि किसी भी महत्वपूर्ण टीके पर इस स्वरूप का क्या असर होगा।

एडम्स दूसरी बार कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए

लॉस एंजिलिस। कनाडा के संगीतकार ब्रायन एडम्स एक बार फिर कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। वह 2022 पिरेली कैलेंडर का अनावरण करने के लिए इटली के मिलान पहुंचने के तुरंत बाद संक्रमित पाए गए। उन्होंने इतालवी टायर निर्माण कंपनी की ब्रिटेन की सहायक कंपनी द्वारा प्रकाशित इस कैलेंडर के लिए तस्वीर खिंचवाई है। यह दूसरी बार है जब 62 वर्षीय गायक कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए। एडम्स ने बृहस्पतिवार को इंस्टाग्राम पर लिखा कि यहां मैं अभी मिलानो में पहुंचा हूं और मैं एक महीने में दूसरी बार कोविड-19 से संक्रमित पाया गया हूं तो अब मेरे लिए अस्पताल जाने का वक्त आ गया है। आपके सहयोग के लिए शुक्रिया। गायक ने मिलान मालपेंसा हवाई अड्डे पर और एक एम्बुलेंस में बैठे हुए अपनी तस्वीरें भी साझा कीं। एडम्स 30 अक्टूबर को भी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे।

अपनी तस्वीरें हटाने पर इंस्टाग्राम पर भड़कीं मडोना

लॉस एंजिलिस। पॉप स्टार मडोना का कहना है कि चार दशकों तक सेंसरशिप, लिंगभेद, उम्र संबंधी भेदभाव और स्त्रियों के साथ भेदभाव बर्दाश्त करने के बावजूद उन्होंने अपना मानसिक संतुलन बनाए रखा है। मडोना बिना किसी चेतावनी के इंस्टाग्राम द्वारा उनके आधिकारिक पेज से तस्वीरें हटाए जाने से नाराज थीं।

सोशल मीडिया मंच की निर्वस्त्र नीति के कथित उल्लंघन को लेकर जो 10 तस्वीरें इंस्टाग्राम ने हटा दी थीं, उन्हें फिर से पोस्ट करते हुए 63 वर्षीय गायिका ने कहा कि उनके लिए यह बहुत आश्चर्य की बात है कि जो संस्कृति महिलाओं के शरीर को माल के रूप में पेश करती है उसे बस थोड़े से एक्सपोज से दिक्कत हो रही है।

लेबनान में प्रदर्शनकारी मंत्रालय में घुसे

एपी। बेरूत

लेबनान में बिगड़ती अर्थव्यवस्था और राजनीतिक गतिरोध के बीच देश की मुद्रा लेबनानी पाउंड नए निचले स्तर पर पहुंच गई है। इस बीच, प्रदर्शनकारियों के एक छोटे समूह ने शुक्रवार तड़के बेरूत में एक मंत्रालय की इमारत में घुसकर तोड़फोड़ की और इसके एक मुख्य कमरे से राष्ट्रपति की तस्वीर हटा दी।

सामाजिक मामलों के मंत्रालय में प्रवेश करने वाले लगभग एक दर्जन प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पाउंड में लगातार गिरावट के कारण संकटग्रस्त देश में अर्थव्यवस्था की स्थिति और बिगड़ गई है, जो अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गिरकर 25,100 पाउंड तक पहुंच गया है। पिछला रिकॉर्ड 25,000 पाउंड का था। देश में हाल के हफ्तों में कीमतों में भारी वृद्धि हुई है क्योंकि सरकार ने ईंधन और कुछ दवाओं पर सब्सिडी हटा ली है, जिससे ए चीजें लेबनान में अनेक लोगों की पहुंच से बाहर हो गई हैं।

लेबनान में एक लाख सीरियाई शरणार्थियों सहित साठ लाख की आबादी में से लगभग तीन चौथाई लोग अब गरीबी में जी रहे हैं। देश में न्यूनतम मासिक वेतन अब लगभग 27 डॉलर है। प्रदर्शनकारी मंत्रालय के बैठक कक्ष में घुस गए और राष्ट्रपति मिशेल औन की एक तस्वीर को हटाने से पहले उसे उल्टा कर दिया। उन्होंने राष्ट्रपति की तस्वीर की जगह अरबी में लिखा एक बैनर लगा दिया, जिस पर लिखा था, 17 अक्टूबर के क्रांतिकारी। प्रदर्शनकारी देश के शासक वर्ग के खिलाफ 17 अक्टूबर, 2019 को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन शुरू होने का जिक्र कर रहे थे। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद इमारत से बाहर निकलने से पहले एक प्रदर्शनकारी ने चिल्लाते हुए कहा, जिन लोगों ने जनता का पैसा हड़प लिया, वे सुधार नहीं कर सकते। कोरोना वायरस तथा चार अगस्त, 2020 के बंदरगाह विस्फोट ने संकट को और भी गहरा बना दिया है। इस विस्फोट में 216 लोग मारे गए थे और 6,000 से अधिक लोग घायल हुए थे ।

सूडान में नए समझौते ने देश को गृहयुद्ध से बचाया

काहिरा। सूडान में एक सैन्य तख्तापलट के बाद प्रधानमंत्री को बहाल करने के लिए सूडान में हुआ समझौता अपूर्ण है, लेकिन देश गृह युद्ध के चंगुल में फंसने से बच गया है। सूडान के लिए संयुक्त राष्ट्र के दूत ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। दूत वोल्कर पर्थ सूडान के सैन्य नेताओं और प्रधानमंत्री अब्दुल्ला हमदोक के बीच समझौते की बात कर रहे थे, जिन्हें पिछले महीने तख्तापलट के बाद अपदस्थ कर दिया गया था और उन्हें नजरबंद कर दिया गया था, जिसे लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हंगामा मच गया था। सूडान के अपदस्थ प्रधानमंत्री ने रविवार को सेना के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें उन्हें पद पर बहाल करने की बात कही गई थी। लगभग एक महीने पहले सैन्य तख्तापलट के बाद उन्हें नजरबंद कर दिया गया था। हालांकि, देश के लोकतंत्र समर्थक समूहों ने इसे नाजायज बताते हुए खारिज कर दिया था। पर्थ ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया, बेशक समझौता सही नहीं है, लेकिन यह एक समझौता न करने और उस रास्ते पर बने रहने से बेहतर है, जहां अंत में सेना ही एकमात्र शासक होगी। उन्होंने कहा, ऐसे परिदृश्य को बाहर करना संभव नहीं होगा, जो सूडान को यमन, लीबिया या सीरिया में हमने जो कुछ देखा है, उसके करीब लाया होगा। उन्होंने कहा कि अब हमारे पास एक ऐसी स्थिति है, जहां हमारे पास संवैधानिक व्यवस्था की बहाली की दिशा में कम से कम एक महत्वपूर्ण कदम है। सैन्य कब्जे के बाद से सूडान की जनता सड़कों पर उतर आई थी। कार्यकर्ता समूहों के अनुसार, सूडानी सुरक्षा बलों ने रैलियों पर नकेल कसी है और अब तक 40 से अधिक प्रदर्शनकारी मारे गए हैं।पाकिस्तान न्यायालय रक्षा भूमि

सेना की भूमि का व्यावसायिक काम में क्यों हो रहा इस्तेमाल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को रक्षा सचिव से सवाल किया कि रणनीतिक और रक्षा भूमि का उपयोग शादी की पार्टियों और सिनेमाघरों जैसी व्यावसायिक गतिविधियों के लिए क्यों किया जा रहा है। न्यायालय ने यह पूछताछ तब की जब पता लगा कि शक्तिशाली सेना ने व्यावसायिक गतिविधियों के लिए रक्षा भूमि का उपयोग किया था। पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश गुलजार अहमद की अध्यक्षता वाली तीन-न्यायाधीशों की पीठ सैन्य भूमि का उपयोग व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए किए जाने के मुद्दे पर सुनवाई कर रही थी। डॉन समाचार पत्र की एक खबर के अनुसार प्रधान न्यायाधीश ने सैन्य भूमि के व्यावसायिक उपयोग को लेकर रक्षा सचिव सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल मोहम्मद हिलाल हुसैन से पूछताछ की।

फाइजर के कोविड रोधी टीके की दूसरी खुराक के 90 दिन बाद बढ़ने लगता है संक्रमण का खतरा: अध्ययन

भाषा। यरूशलम

फाइज़र-बायोएनटेक के कोविड-19 रोधी टीके की दूसरी खुराक लेने के 90 दिन बाद से संक्रमण का खतरा धीरे-धीरे बढ़ने लगता है। एक नए अध्ययन में यह बात सामने आई है। इज़राइल के रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ ल्यूमिट हेल्थ सर्विसेज द्वारा किए गए एक अध्ययन में पाया गया है कि टीके से मिलने वाली प्रतिरक्षा समय के साथ कम होती जाती है। साथ ही, इसमें तीसरी खुराक (बूस्टर डोज) की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया है। इज़राइल में दिसंबर 2020 में कोविड-19 रोधी टीकाकरण अभियान व्यापक स्तर पर शुरू कर दिया गया था, लेकिन यहां जून 2021 से संक्रमण के मामले एक बार फिर बढ़ने लगे हैं। शोधकर्ताओं ने, औसतन 44 वर्ष की आयु वाले 80,057 वयस्कों के लिए इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड की समीक्षा की, जिन्होंने अपनी दूसरी खुराक लेने के कम से कम तीन सप्ताह बाद पीसीआर जांच कराई और उनके पूर्व में कोरोना वायरस से संक्रमित होने के कोई सबूत नहीं थे। इन 80,057 प्रतिभागियों में से 7,973 (9.6 प्रतिशत) लोग संक्रमित पाए गए। फिर इन लोगों की रिपोर्ट को उसी आयु तथा जातीय समूह की रिपोर्ट से मिलाया गया, जिनकी जांच उसी सप्ताह की गई थी और जो संक्रमित नहीं पाए गए थे। अन्य संभावित प्रभावशाली कारकों पर गौर करने के बाद शोधकर्ताओं ने दूसरी खुराक के बाद समय बीतने के साथ संक्रमण का खतरा बढ़ा पाया। दूसरी खुराक के शुरुआती 90 दिनों की तुलना में, सभी आयु समूहों में संक्रमण का जोखिम 90-119 दिनों के बाद 2.37 गुना अधिक, 120-149 दिनों के बाद 2.66 गुना अधिक, 150-179 दिनों के बाद 2.82 गुना अधिक और और 180 दिनों या उससे अधिक के बाद 2.82 गुना अधिक था।

तुर्की में पुलिस ने महिला प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए दागे आंसू गैस के गोले

इस्तांबुल। तुर्की के इस्तांबुल में महिला प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे। महिलाओं को हिंसा से बचाने से संबंधित एक ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय संधि में तुर्की की वापसी की मांग को लेकर इस प्रदर्शन का आयोजन किया गया। महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के उन्मूलन के लिए 25 नवंबर को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय दिवस के उपलक्ष्य में इस्तांबुल की मुख्य सड़क इस्तिकलाल पर मार्च निकाला गया। इस दौरान महिलाओं ने रंग-बिरंगी तख्तियां हाथ में ले रखी थीं, उन्होंने नारे भी लगाए और यूरोपीय परिषद की इस्तांबुल संधि में देश के बने रहने की मांग की। महिलाओं को मुख्य सड़क से आगे जाने से रोकने के लिए दंगा रोधी पुलिस ने अवरोधक लगाए थे। प्रदर्शन कर रही महिलाओं के अवरोधक पार करते ही पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। इस दौरान एक महिला घायल हो गई।

ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग वेन से अमेरिकी सांसदों ने की मुलाकात

एपी। ताइपे

ताइवान के प्रति अमेरिका के चट्टान की तरह मजबूत समर्थन की पुन: पुष्टि करने के इरादे से एक दिवसीय यात्रा पर अचानक यहां पहुंचे पांच अमेरिकी सांसदों ने स्वशासित द्वीप की राष्ट्रपति साई इंग-वेन से शुक्रवार को मुलाकात की।

ताइवान में अमेरिकी दूतावास अमेरिकन इंस्टीट्यूट इन ताइवान (एआईटी) ने बताया कि अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के द्विदलीय सांसदों का समूह बृहस्पतिवार रात ताइवान पहुंचा और उसकी साई के अलावा कई वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात करने की योजना है। यात्रा के बारे में विस्तार से जानकारी मुहैया नहीं कराई गई है। अमेरिकी सांसद ऐसे समय में यात्रा पर यहां आए हैं, जब ताइवान और चीन के बीच तनाव अत्यधिक बढ़ गया है। गृह युद्ध में 1949 में दोनों पक्षों के अलग होने के बाद से ताइवान में स्वशासन है, लेकिन चीन का कहना है कि यह द्वीप उसके अधिकार क्षेत्र में आता है।

प्रतिनिधिमंडल में शामिल सांसद और डेमोक्रेटिक नेता एलिसा स्लॉटकिन ने कहा, जब हमारी यात्रा की खबर कल फैली, तो मेरे कार्यालय को चीनी दूतावास से स्पष्ट संदेश मिला, जिसमें मुझे यात्रा रद्द करने को कहा गया। साउथ कैरोलाइना के रिपब्लिकन सांसद नैंसी मेस ने बृहस्पतिवार रात ट्वीट किया, अभी ताइवान गणराज्य की धरती पर पहुंचे हैं। मार्क ताकानो, स्लॉटकिन, कॉलिन आलरेड, सारा जैकब्स और मेस ताइवान आए प्रतिनिधिमंडल में शामिल हैं।

ताकानो ने कहा कि वे ताइवान में अपने भागीदारों और सहयोगियों को यह याद दिलाने के लिए इस सप्ताह यहां आए हैं कि एक स्वतंत्र और सुरक्षित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए हमारी प्रतिबद्धता और साझा जिम्मेदारी पहले से कहीं ज्यादा दृढ़ है। उन्होंने कहा कि ताइवान के साथ अमेरिका के संबंध चट्टान की तरह मजबूत हैं और हमारे संबंधों के और गहरे होने के साथ ही ए स्थिर बने हुए हैं। साई ने ताइपे में राष्ट्रपति के कार्यालय में अमेरिकी सांसदों और एआईटी निदेशक का स्वागत किया। उन्होंने अमेरिका के साथ द्वीप के निकट संबंधों को रेखांकित करते हुए दोनों पक्षों के बीच सहयोग का जिक्र किया। साई ने कहा, ताइवान क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता सुनिश्चित करने और स्वतंत्रता एवं लोकतंत्र के साझा मूल्यों को बरकरार रखने के लिए अमेरिका के साथ सहयोग बढ़ाना जारी रखेगा। इससे कुछ ही सप्ताह पहले छह रिपब्लिकन सांसदों का समूह द्वीप पर आया था। अमेरिकी सांसद इस साल तीसरी बार ताइवान आए हैं। इससे पहले जून में तीन अमेरिकी सांसद कोविड-19 टीके दान करने के लिए ताइवान आए थे।

अमेरिकी सांसदों ने मार्शल द्वीप समूह के साथ विवाद पर चीन के फायदे उठाने की आशंका जताई

वेलिंगटन। दशकों से अमेरिका के सहयोगी रहे मार्शल द्वीप समूह के साथ हाल में पैदा हुए उसके विवाद के बीच अमेरिकी सांसदों ने चिंता जताई है कि चीन इस स्थिति का फायदा उठा सकता है। इस द्वीपसमूह के प्रशांत महासागर के मध्य में स्थित होने के कारण यह अमेरिकी सेना के लिए सामरिक रूप से अहम चौकी बना। लेकिन कॉम्पैक्ट ऑफ फ्री एसोसिएशन समझौते की शर्तों के कारण उसका अमेरिका से विवाद हो गया है। यह समझौता अमेरिका, मार्शल द्वीप समूह, माइक्रोनेशिया और पलाऊगणराज्य के बीच मुक्त सहयोग का संबंध स्थापित करने का एक अंतरराष्ट्रीय समझौता है। अमेरिका मार्शल द्वीप समूह के 1940 और 50 के दशक में किए गए दर्जनों परमाणु परीक्षणों से पहुंचे पर्यावरणीय और स्वास्थ्य नुकसान का हर्जाना देने के दावों को खारिज कर रहा है। इन परमाणु परीक्षणों में बिकिनी एटॉल पर एक बड़ा थर्मोन्यूक्लियर विस्फोट भी शामिल है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से अमेरिका ने मार्शल द्वीप समूह पर ऐसे क्षेत्र में सैन्य, खुफिया, एयरोस्पेस सुविधाएं विकसित की जहां खासतौर से चीन सक्रिय है। इसके बदले में अमेरिका ने मार्शल द्वीप समूह की अर्थव्यवस्था को फायदा पहुंचाया और इस द्वीप समूह के कई लोगों को अमेरिका में रहने तथा काम करने की अनुमति दी गई। इस महीने अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के 10 डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन सदस्यों ने राष्ट्रपति जो बाइडन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन को मार्शल, माइक्रोनेशिया और पलाऊके साथ अमेरिका की वार्ता को लेकर पत्र लिखा।

द. अफ्रीका से आने वाली उड़ानों पर रोक लगाना चाहता है यूरोपीय संघ

भाषा। ब्रसेल्स

यूरोपीय संघ के देश कोविड-19 के एक नए स्वरूप को फैलने से रोकने के लिए दक्षिणी अफ्रीका से आने वाले हवाई यात्रियों पर रोक लगाने के लिए कदम बढ़ा रहे हैं। कदम ऐसे वक्त में उठाए जा रहे हैं जब 27 देशों वाले यूरोपीय संघ में संक्रमण के मामले काफी बढ़ रहे हैं।

यूरोपीय संघ आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वोन डेर लेएन ने एक वक्तव्य में कहा कि वह सदस्य देशों के साथ करीबी समन्वय से दक्षिणी अफ्रीका क्षेत्र से आने वाले हवाई यात्रियों को रोकने के लिए आपातकालीन रोक लगाने का प्रस्ताव देती हैं। दक्षिण अफ्रीका में कोरोना वायरस का एक नया स्वरूप सामने आया है, जिसे वैज्ञानिकों ने चिंता का सबब बताया है। उनका कहना है कि देश की सबसे घनी आबादी वाले प्रांत गावतेंग में युवाओं के बीच यह स्वरूप तेजी से फैला है। जर्मनी ने कहा कि वोन डेर लेएन के प्रस्ताव को जल्द से जल्द शुक्रवार रात तक लागू किया जा सकता है। देश के स्वास्थ्य मंत्री जेन्स स्पान ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका से आ रहे विमान केवल जर्मनी के नागरिकों को ला सकेंगे और यात्रियों को 14 दिन तक पृथक वास करना होगा, भले ही उन्होंने कोविड-19 रोधी टीके की खुराक ली हो या नहीं।

जर्मनी में हाल के दिनों में संक्रमण के दैनिक मामलों की संख्या बढ़ रही है और बृहस्पतिवार को मृतकों की संख्या 1,00,000 के पार चली गई। इटली के स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी हर उस व्यक्ति के देश में प्रवेश पर रोक लगाने की घोषणा की है जो पिछले 14 दिनों में सात दक्षिणी अफ्रीकी देशों- दक्षिण अफ्रीका, लेसोतो, बोत्सवाना, जिम्बाब्वे, मोजाम्बिक, नामिबिया और एस्वातीनी में रहा है। नीदरलैंड भी ऐसे ही कदम उठाने की योजना बना रहा है। देश के स्वास्थ्य मंत्री हुगो डे जोंगे ने कहा कि इन देशों को उच्च जोखिम वाले इलाके माना गया है। इसका मतलब है कि इन देशों से आने वाले यात्रियों को पृथक वास में रहना पड़ेगा और दोहरी जांच करानी पड़ेगी। इजराइल के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि मलावी से लौटे एक यात्री में कोरोना वायरस के नए स्वरूप से संक्रमण का मामला सामने आया है। यात्री और दो अन्य संदिग्ध संक्रमितों को पृथकवास में रखा गया है। कोरोना वायरस के मामलों में चौथी बार वृद्धि होने से 27 देशों वाला यूरोपीय संघ बुरी तरह प्रभावित है और सरकार संक्रमण को फैलने से रोकने की कवायद में पाबंदियों को और सख्त बना रही है। उड़ानों पर प्रतिबंध का यह प्रस्ताव तब आया है जब ब्रिटेन ने बृहस्पतिवार को ऐसा ही कदम उठाया।

ब्रिटेन ने घोषणा की कि वह दक्षिण अफ्रीका और पांच अन्य दक्षिणी अफ्रीकी देशों से उड़ानों पर प्रतिबंध लगा रहा है और यह प्रतिबंध शुक्रवार दोपहर से लागू होगा। साथ ही उसने कहा कि हाल में इन देशों से लौटने वाले लोगों को कोरोना वायरस की जांच कराने को कहा जाएगा। ब्रिटेन के स्वास्थ्य मंत्री साजिद जावेद ने कहा कि ऐसी चिंताएं हैं कि नया स्वरूप डेल्टा स्वरूप के मुकाबले अधिक संक्रामक हो सकता है और हमारे पास इसके खिलाफ जो टीके अभी उपलब्ध हैं वे कम प्रभावी हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि अभी जिस नए स्वरूप बी-1.1.529 की पहचान की गई है वह दक्षिण अफ्रीका से बोत्सवाना और हांगकांग आए यात्रियों में पाया गया है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के तकनीकी कामकाजी समूह की शुक्रवार को बैठक होनी है जिसमें वह नए स्वरूप का आकलन करेंगे और यह फैसला कर सकते हैं कि क्या इसे ग्रीक वर्णमाला से एक नाम दिया जा सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के मामले पिछले हफ्ते में यूरोप में 11 प्रतिशत तक बढ़ गए और यह दुनिया में इकलौता क्षेत्र है जहां कोविड-19 के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। डब्ल्यूएचओ के यूरोप के निदेशक डॉ. हंस क्लुगे ने आगाह किया कि तत्काल उपायों के बिना इस महाद्वीप में गर्मियों तक 7,00,000 और लोगों की मौत हो सकती है। ऐसी आपात स्थितियों से निपटने के लिए यूरोपीय संघ ने आपातकालीन रोक तंत्र स्थापित किया है। जब किसी तीसरे देश या क्षेत्र में महामारी की स्थिति तेजी से बिगड़ती है तो सदस्य देश यूरोपीय संघ में सभी यात्रा पर तत्काल, अस्थाई पाबंदी लगा सकते हैं। ऐसी पाबंदियों की कम से कम हर दो सप्ताह में समीक्षा की जानी होती है।

कोविड-19: बढ़ते मामलों से निपटने के लिए फ्रांस वयस्कों को टीके की बूस्टर डोज देगा

पेरिस। फ्रांस ने देश में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले चिंताजनक रूप से बढ़ने के बीच देश में फिर से लॉकडाउन लगाने के बजाय सभी वयस्कों को कोविड-19 रोधी टीके की बूस्टर डोज (अतिरिक्त खुराक) देने का फैसला किया है। फ्रांस में पिछले कुछ सप्ताह में कोविड-19 के मामले बढ़े हैं और दैनिक मामलों की संख्या 30,000 से पार चली गई है। देश में संक्रमितों के अस्पतालों में भर्ती होने और संक्रमण से मौत के मामले भी बढ़ रहे हैं। फ्रांस के स्वास्थ्य मंत्री ओलिवियर वेरन ने संवाददाता सम्मेलन में इस योजना की जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने कोविड-19 रोधी टीके की दूसरी और तीसरी खुराक के बीच के अंतराल को छह से पांच महीने तक कम करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रव्यापी बूस्टर अभियान शुरू करने के लिए फ्रांस के पास पहले से ही पर्याप्त टीके उपलब्ध हैं। वेरन ने सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनने और कोविड-19 के दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करने पर जोर देते हुए कहा कि अगर किसी ने बूस्टर डोज नहीं ली, तो उसका कोविड-19 पास अमान्य माना जाएगा। यह पास कई बंद स्थानों पर जाने के लिए अनिवार्य है।

पायनियर
नई दिल्ली, शनिवार, 27 नवंबर, 2021

पूर्वी रोहित पुगलिया महिलाओं के लिए उत्तम औपचारिक पोशाक तैयार करने में मदद करती हैं, एक उत्तम दर्जे के आफिस-लुक के साथ :

महिलाओं की औपचारिक पोशाक

भारत, अपने सभी विविध सांस्कृतिक और कार्य-उपयुक्त परिधानों के साथ, उत्तम दर्जे के जातीय संगठनों से लेकर ठाठ पश्चिमी औपचारिकताओं तक, महिलाओं के लिए औपचारिक परिधान के लिए अनगिनत विकल्प प्रस्तुत करता है। कार्यस्थल पर सुस्वादु लेकिन ट्रेंडी ड्रेसिंग ओम्फ में जोड़ती है और आपको आत्मविश्वास से पुरस्कृत करती है।

कार्यालय के लिए सही प्रकार की पोशाक चुनना एक दुविधा है जिससे आप मुश्किल से बच सकते हैं। और घंटों अपनी कोठरी को घूरते रहना कई लोगों के लिए एक आम रस्म है। हालांकि, आम धारणा के विपरीत, आपको काम पर अपना सर्वश्रेष्ठ कपड़े पहनने में सक्षम होने के लिए एक अलग अलमारी की आवश्यकता नहीं है। आपको बस इतना करना है कि एक पहनावा में फेंकने में सक्षम हो जो कि सार्टोरियल लालित्य में रस्सियों को सहजता से रखता है।

ये छह चरण आपको बोर्डरूम में एक स्थायी छाप बनाने में मदद करेंगे।

अपना औपचारिक पोशाक चुनें

भारतीय फैशन फॉर्मल वियर में अपने कई पसंद विकल्पों के लिए प्रसिद्ध है। आप या तो भारतीय फॉर्मल जैसे साड़ी या सलवार सूट और लेगिंग के साथ कुर्तियां चुन सकते हैं या वेस्टर्न फॉर्मल का विकल्प चुन सकते हैं जिसमें ड्रेस, शर्ट और ट्राउजर या ब्लाउज और स्कर्ट शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक की एक अनूठी अपील है और आप उनके बीच वैकल्पिक कर सकते हैं जैसा आप फिट देखते हैं।

फिट हो जाओ

औपचारिक पोशाक चुनना केवल इतना ही जाता है। सही फिट पाने के लिए बड़ा सौदा है। बदले हुए कपड़े एक स्टाइलिंग विजार्ड हैं जिन्हें आप नहीं जानते थे कि आपको उनकी जरूरत है। लोगों को छोटी फिटिंग के विवरणों पर ध्यान दिए बिना रैक से कपड़े उठाने और काम पर पहनने की आदत है। हर किसी का आकार अनोखा होता है और आपके कपड़े ऐसे दिखने चाहिए जैसे वे आपके लिए बने हों। अपने शरीर के प्रकार के अनुरूप टॉप्स या कुर्तियां बदलवाएं और बॉटम्स को आपको एक साफ और ट्रिम लुक देने के लिए सिलवाया जाए।

अपने रंग चुनें

अपने कार्यक्षेत्र के अनुरूप सही रंग चुनना आपके पेशेवर व्यक्तित्व को एक पायदान ऊपर ले जाएगा। पेस्टल और पाउडर टिंट, ब्लैक और बेज और ब्लूज़ और ब्राउन जैसे आंखों पर आराम करने वाले रंगों के लिए जाएं। कुछ ठोस और बोल्ड रंग एक शानदार फैशन स्टेटमेंट भी बना सकते हैं, अगर आप उन्हें आसानी से कैरी कर सकते हैं।

अपने जूतों का मिलान करें

कोई भी औपचारिक पोशाक इसके साथ जाने के लिए सही जोड़ी के जूते के बिना पूरी नहीं होती है। हालांकि, एक आम पहेली यह चुनना है कि पोशाक के साथ सबसे अच्छा क्या है। स्टिलेटोस या नुकीली एड़ी एक कॉर्पोरेट पसंदीदा है और पतली पतलून और ब्लाउज के साथ जोड़े जाने पर उत्तम दर्जे की दिखती है। जबकि यदि आप एक भारतीय औपचारिक पोशाक पहन रहे हैं, तो मंच ऊँची एड़ी के जूते या संगठन के साथ स्ट्रैपी सैंडल एक अच्छा काम है।

इसे एक्सेसरीज के साथ बढ़ाएं

सही प्रकार की एक्सेसरीज़ आपके वर्कवियर में एक अतिरिक्त बढ़त जोड़ सकती हैं। यह आदर्श व्यक्तित्व-वर्धक है। हालांकि, गहनों के साथ एक अनकहा नियम यह है कि थोड़ा बहुत लंबा रास्ता तय करता है। क्लासिक स्टड और सॉलिटेयर के लिए जाएं, जबकि नेक-पीस भी अधिमानतः सुंदर होने चाहिए। एक आधुनिक घड़ी और एक ब्रेसलेट बांधें और आप कॉर्पोरेट ग्लैम लुक पर राज करने के लिए तैयार हैं।

बैग के साथ तारीफ

पावर-ड्रेसिंग का एक बड़ा हिस्सा आपके द्वारा ले जाने वाले बैग से संबंधित है। जब स्टाइल स्टेटमेंट बनाने की बात आती है तो वे अपने लिए बोलते हैं। एक बैग जो महिलाओं के लिए ऑफिस-वियर की तारीफ करता है, वह परिष्कृत और फाइलों या नोटपैड के लिए पर्याप्त होना चाहिए। एक टोट बैग आदर्श है क्योंकि यह एक गंभीर स्वर सेट करता है, उसके बाद एक सैचेल या एक संरचित बॉक्सी बैग होता है। अगर आप क्लासीनेस को बढ़ाना चाहते हैं तो ब्रीफ-केस बैग भी आपकी मदद कर सकते हैं।

(लेखिका वेस्टर्न वर्कवियर ब्रांड नॉट सो पिंक की सह-संस्थापक हैं।)

आतंकवाद को परस्पर संबंधों की हमारी कहानी को जाया करने देने की इजाजत नहीं मिलनी चाहिए : अमिताभ बच्चन

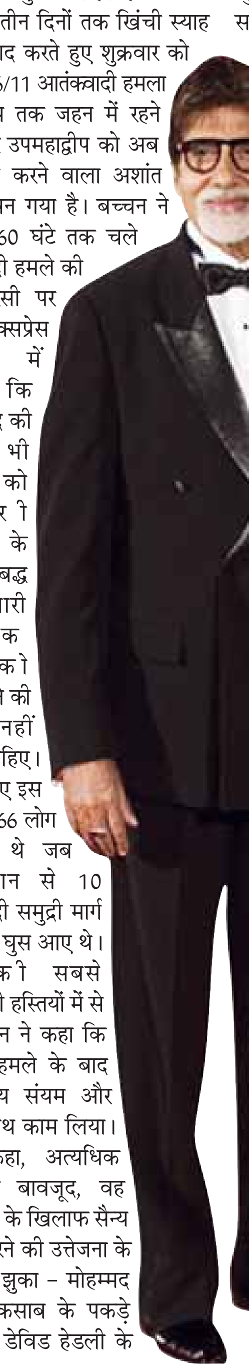

मुंबई। बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन ने तीन दिनों तक खिंची स्याह रात को याद करते हुए शुक्रवार को कहा कि 26/11 आतंकवादी हमला लंबे समय तक जहन में रहने वाला और उपमहाद्वीप को अब भी निराश करने वाला अशांत इतिहास बन गया है। बच्चन ने मुंबई में 60 घंटे तक चले आतंकवादी हमले की 13वीं बरसी पर इंडियन एक्सप्रेस अखबार में लिखा कि आतंकवाद की किसी भी कार्रवाई को हमारी कहानियों के परस्पर संबद्ध और हमारी बहुसंख्यक एकता को बर्बाद करने की ताकत नहीं मिलनी चाहिए। मुंबई में हुए इस हमले में 166 लोग मारे गए थे जब पाकिस्तान से 10 आतंकवादी समुद्री मार्ग से शहर में घुस आए थे। भारत की सबसे प्रभावशाली हस्तियों में से एक बच्चन ने कहा कि भारत ने हमले के बाद उल्लेखनीय संयम और धैर्य के साथ काम लिया। उन्होंने कहा, अत्यधिक दबाव के बावजूद, वह पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्वाई करने की उत्तेजना के आगे नहीं झुका - मोहम्मद अजमल कसाब के पकड़े जाने और डेविड हेडली के खुलासों से पाकिस्तान की सैन्य समर्थित आईएसआई प्रतिष्ठान में उसके नियंत्रण के बाहर राज्एतर तत्वों के होने की जानकारी होने के बाद भी, और पाकिस्तान को शर्मसार करने में भी भारत ने कोई कसर नहीं छोड़ी। बच्चन (79) ने खुद को भय से विकृत और परिभाषितै तथा संदेह की नजर से देखने के खिलाफ आगाह किया। उन्होंने लिखा, सच्चाई यह है कि 26। 11 लंबे समय तक जहन में रहने वाला है और यह ऐसा अशांत इतिहास बन गया है जिसके ज म अब भी हमारे उपमहाद्वीप के जहन में हरे हैं। अपने दुर्लभ, समाचार पत्र लेख में, अभिनेता ने कहा कि हम जो कहानियां सुनाते हैं, वे अक्सर हमसे बड़ी हो सकती हैं,... सीमाओं के पार से, कभी क्रिकेट के जरिए, कभी फिल्म के माध्यम से। अपनी इस बात को साबित करने के लिए उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली का पाकिस्तान के मोह मद रिजवान और बाबर आजम से गले मिलने का, फिल्म बजरंगी भाईजान आदि का उदाहरण दिया।

'साथी दिखने में अच्छा हो'

बेटरहाफ.एआई सर्वेक्षण के अनुमानों ने कुछ महत्वपूर्ण कारकों का खुलासा किया जो एक मैच-मेकिंग साइट पर पार्टनर-खोज प्रि या को प्रभावित करते हैं, जिसमें अधिकांश युवा लुक को सबसे अधिक प्रभाववादी मानते हैं। प्रस्तुत है पवन गुप्ता का विश्लेषण :

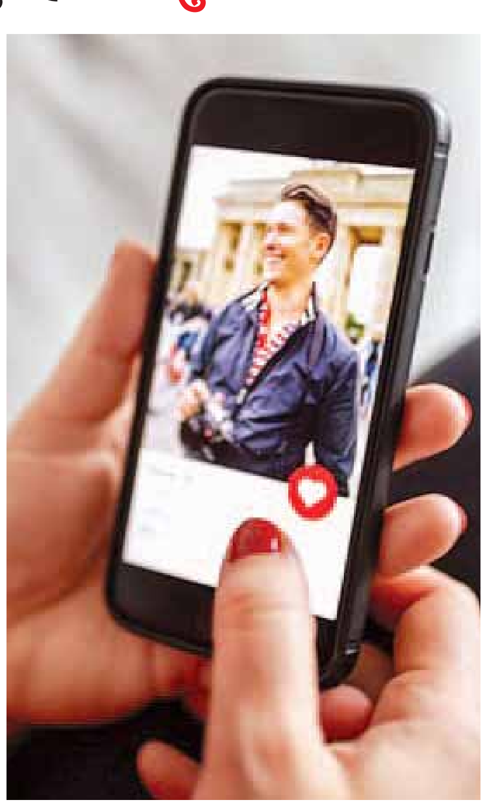

हम सभी ने समाचार पत्रों में विवाह सूची को देखा है जिसमें दुल्हन या दूल्हे के प्रकार की आवश्यकता होती है। यह आमतौर पर एक विशिष्ट जाति / धर्म से एक शिक्षित, घरेलू लेकिन आधुनिक दुल्हन की आवश्यकता का उल्लेख करता है जिसमें सबसे व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली विशेषता है - निष्पक्ष-चमड़ी और सुंदर। भले ही हम डिजिटल रूप से संचालित दुनिया में रहते हैं जहां युवा शहरी भारतीय अपने साथी को ऑनलाइन खोजते हैं, निर्णय लेने का मानदंड वही रहता है।

युवा भारतीयों की मैच-मेकिंग आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, बेटरहाफ.एआई ने हाल ही में एक ऑनलाइन सर्वेक्षण किया, ताकि यह पता लगाया जा सके कि लोग अपने साथी की खोज करते समय किन सबसे महत्वपूर्ण कारकों पर विचार करते हैं और इन कारकों को दूर करने के लिए वे कितना महत्वपूर्ण महसूस करते हैं। सर्वेक्षण के अनुमानों में कुछ महत्वपूर्ण कारक सामने आए हैं जो मोबाइल स्क्रीन के पीछे भागीदार-खोज प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं।

निष्कर्षों के अनुसार, 286 उत्तरदाताओं में से 43 प्रतिशत अविवाहित भारतीय वैवाहिक प्रोफ़ाइल पर लुक को पहली चीज़ मानते हैं। हालांकि यह कारक भौतिकवादी दृष्टिकोण पर आधारित है, अविवाहित भारतीय वैवाहिक जीवन में रुचि दिखाने से पहले दिखने पर विचार करते हैं। दूसरी ओर, 22 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने उम्र, 19 प्रतिशत पेशे पर विचार किया, जबकि 16 प्रतिशत पहले वेतन को वैवाहिक प्रोफ़ाइल पर देखते हैं।

जबकि हम सभी के लिए एक सामाजिक पहचान बनाने की बात करते हैं, हमें यह भी समझना चाहिए कि मैच बनाने वाली साइटों पर किसी व्यक्ति का ऑनलाइन प्रतिनिधित्व भी महत्वपूर्ण है और आपके द्वारा डाली गई तस्वीरें आपकी पहली छाप हैं। तो, यहां दिखने का मतलब यह नहीं है कि आप अच्छे दिखने वाले या बुरे दिखने वाले हैं, लेकिन चित्रों की नियुक्ति, चित्रों की गुणवत्ता, चित्रों की विविधता जो किसी प्रोफ़ाइल को रोचक और भरोसेमंद बनाती है, वह भी मेक-या-ब्रेक पॉइंट हो सकता है एक ऑनलाइन दुनिया में प्रोफाइल।

कहानी की नीति ? अपनी ऑनलाइन पहचान बनाने में समय लगाना वास्तव में आपके पक्ष में काम कर सकता है। अधिकांश एकल युवा सहस्त्राब्दी अपने लिए जीवन साथी खोजने की प्रक्रिया में हैं। जबकि पार्टनर-खोज एक चिंताजनक प्रक्रिया है, प्रोफाइल को बाहर निकालने का पारंपरिक तरीका समान या उच्च पारिवारिक आय वर्ग, जाति, आयु, धर्म, कुंडली और भाषा जैसे कारकों द्वारा कुछ नाम रखने के लिए मानदंड पर आधारित है।

साथी-खोज प्रक्रिया के दौरान, आजकल लोग जाति, धर्म, समुदाय और संस्कृति पर विचार करने के अन्य पारंपरिक मानदंडों पर, प्रोफ़ाइल में अपनी रुचि दिखाने से पहले पेशे और वेतन पर भी विचार करते हैं।

सर्वेक्षण में इस बात पर भी जोर दिया गया कि क्या भारत में शादियां कभी भी मैच-मेकिंग के पारंपरिक कारकों को दूर करने में सक्षम होंगी या नहीं। निष्कर्ष बताते हैं कि 58 प्रतिशत मानते हैं कि ये कारक उनके प्राथमिक फ़िल्टर नहीं हैं जबकि 42 प्रतिशत उन्हें बहुत महत्वपूर्ण मानते हैं। निष्कर्ष स्पष्ट रूप से बताते हैं कि जातिवाद, उम्रवाद और धर्म की समस्याएं हमारे देश में जीवन साथी खोजने की प्रक्रिया को अत्यधिक प्रभावित करती हैं। हालांकि, शहरी भारतीयों की मानसिकता धीरे-धीरे और तेजी से पुराने मैचमेकिंग मानदंडों के बजाय संगतता के आधार पर अधिक यथार्थवादी दृष्टिकोण की ओर बढ़ रही है।

ऑनलाइन दुनिया में विकल्पों की आमद को ध्यान में रखते हुए, व्यस्त एकल भारतीय अपनी विशिष्ट आधुनिक प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए बेहतर और कुशल वैवाहिक साइटों और ऐप्स की तलाश करते हैं। जीवन साथी-खोज प्रक्रिया धीरे-धीरे बदल रही है और एक स्वप्निल परी कथा की तुलना में अधिक तार्किक होती जा रही है।

(लेखक बेटरहाफ.एआई के सीईओ हैं, जो माता-पिता की भागीदारी के बिना भारत का पहला वैवाहिक आवेदन है)

सोशल मीडिया बनाम मानसिक स्वास्थ्य

'अनुजा कपूर' का कहना है कि सोशल मीडिया पर अपने एक्सपोजर को सीमित करने से आपकी चिंता और अवसाद कम होगा :

सोशल मीडिया एक अन्य कारक है जो इसके द्वारा किए जाने वाले अच्छे पर इसके प्रतिकूल प्रभावों से अधिक है। सोशल मीडिया आपको चिंतित, उदास महसूस करवा सकता है और यहां तक कि आपको एक असफल व्यक्ति के रूप में भी चित्रित कर सकता है। इस नकारात्मक प्रभाव के पीछे का कारण यह है कि सोशल मीडिया साइटों को लगातार आपके दोस्तों, सहकर्मियों, या यहां तक कि परिवार के सदस्यों का आनंद लेने, पार्टी करने, यात्रा करने, सही नौकरी पाने या शादी करने की तस्वीरें और स्थिति के साथ अपडेट किया जा रहा है। किसी तरह यह आपको महसूस कराता है कि हर कोई सपना जी रहा है और आप अपने माता-पिता के साथ घर पर फंस गए हैं, या अपनी शिक्षा के कारण कर्ज में डूबे हुए जीवन जी रहे हैं या आपके ऊपर गृह ॠण लटका हुआ है। हमें यह महसूस करने की आवश्यकता है कि हमें हजारों वर्षों से सोशल मीडिया की आवश्यकता नहीं है, इसलिए हमें यह नहीं सोचना चाहिए कि यदि हमारे पास नहीं है तो जीवन समाप्त हो गया है।

सोशल मीडिया नकारात्मक अनुभवों को बढ़ावा दे सकता है जैसे :

थोड़ा लग रहा है

आमतौर पर, सोशल मीडिया पर छवियों में हेराफेरी की जाती है, लेकिन फिर भी यह दर्शकों के जीवन में एक चिंता और असुरक्षा को सफलतापूर्वक जन्म देती है। हालाँकि, हमें इस बात से अवगत होने की आवश्यकता है कि यह उच्च है कि लोग अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, और निम्न को छोड़ देते हैं। मुस्कुराहट और उपलब्धियां आपके भीतर ईर्ष्या और असंतोष की भावना पैदा करती हैं क्योंकि आप समुद्र तट की छुट्टी या पेशेवर मोर्चे पर पदोन्नति के आसपास केंद्रित मित्र की प्रोफ़ाइल के माध्यम से स्क्रॉल कर रहे हैं, और इसी तरह।

छूटा हुआ महसूस कर रहा है

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में छूटे जाने की भावनाओं को बढ़ाने की क्षमता है क्योंकि अन्य लोग मौज-मस्ती कर रहे हैं या ऐसा जीवन जी रहे हैं जो आप चाहते थे। कुछ चीजों को याद करने का विचार आपके आत्म-सम्मान को प्रभावित कर सकता है, चिंता को ट्रिगर कर सकता है और सोशल मीडिया के अधिक से अधिक उपयोग / दुरुपयोग को बढ़ावा दे सकता है। यहां तक कि यह आपको हर दो मिनट में अपडेट लेने, स्क्रॉल करने और जांचने के लिए प्रेरित करता है या हर अलर्ट पर जुनूनी प्रतिक्रिया देता है - भले ही इसका मतलब है कि आप ड्राइविंग करते समय जोखिम लेना, रात में नींद से गायब होना, या वास्तविक पर सोशल मीडिया इंटरैक्शन को प्राथमिकता देना-विश्व संबंध।

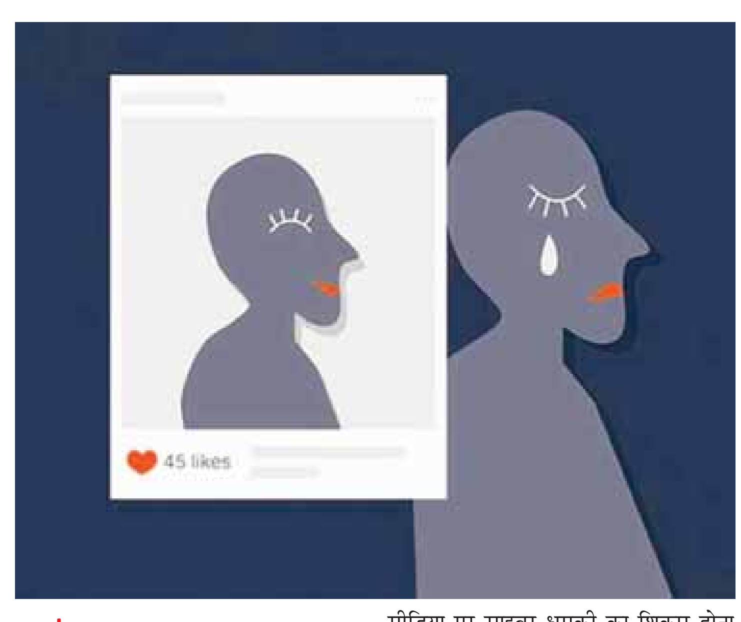

एकांत

एक अध्ययन से पता चलता है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का अत्यधिक उपयोग अकेलेपन की भावना को कम करने के बजाय बढ़ा देता है। अध्ययन में आगे बताया गया है कि सोशल मीडिया के उपयोग को कम करने से आप कम अकेला और अलग-थलग महसूस कर सकते हैं और अपनी भलाई में सुधार कर सकते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं

मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए मनुष्य को आमने-सामने संपर्क की आवश्यकता होती है। कोई भी चीज़ तनाव को कम नहीं करती है और आपके मूड को किसी ऐसे व्यक्ति के साथ आँख से आँख मिलाने की तुलना में तेज़ या अधिक प्रभावी ढंग से बढ़ा देती है जो आपकी परवाह करता है। जितना अधिक आप व्यक्तिगत संबंधों पर सोशल मीडिया इंटरैक्शन को प्राथमिकता देते हैं, उतना ही आपको चिंता और अवसाद जैसे मूड विकारों के विकास या तेज होने का खतरा होता है।

साइबर हमलों का शिकार होने के नाते

अधिकांश किशोरों को सोशल मीडिया पर साइबर धमकी का शिकार होना पड़ा है, विशेष रूप से आपत्तिजनक टिप्पणियों का सामना करना पड़ रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हानिकारक अफवाहें, झूठ और गालियां फैलाने के लिए एक हॉटस्पॉट हैं जो स्थायी भावनात्मक निशान छोड़ सकते हैं।

आत्मकेंद्रित होने की भावना

सोशल प्लेटफॉर्म पर लगातार सेल्फी और अपनी अंतरतम भावनाओं को साझा करने से एक अयोग्य और असंगत व्यक्ति बन जाता है, जो आपको वास्तविक जीवन के परिदृश्यों से दूर कर देता है।

अपने जीवन को सकारात्मक रूप से बदलने और इसे योग्य बनाने के लिए, सोशल मीडिया डिटॉक्स का प्रयास करें। जांच करने के लिए कोई सूचना नहीं, देखने के लिए कोई फ़ोटो नहीं, और रीट्वीट करने के लिए कोई ट्वीट नहीं, आप देखेंगे कि आपकी उत्पादकता और जीवन में खुशी बढ़ती जा रही है। इस प्रकार, सोशल मीडिया से बचने के कुछ कारण यहां दिए गए हैं :

- सोशल मीडिया से दूर रहने से सूचनाओं की अधिकता को रोककर आपकी नींद में सुधार होता है।
- हेरफेर से बचने के लिए
- मीडिया साइटों के साथ आपका डेटा बिक्री के लिए है, भले ही आप जिस गोपनीयता के लिए बीमाकृत हैं, उसकी परवाह किए बिना।
- सोशल मीडिया आपके बाध्यकारी व्यवहार को बढ़ाने के सबसे बड़े कारकों में से एक है
- यह जीवन में असंतोष और अकेलापन मंत्र देता है
- समय सार का है लेकिन सोशल मीडिया सिर्फ इसका हत्यारा है

आपकी भलाई की बात करें तो, सोशल मीडिया से दूर रहना आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए अच्छा है। शोध से पता चलता है कि सोशल मीडिया के लिए अपने जोखिम को सीमित करने से चिंता और अवसाद कम हो जाता है। यह सीधे तौर पर सोशल मीडिया से लगातार विचलित न होकर आपके कार्य प्रदर्शन में सुधार को दर्शाता है। जबकि सोशल मीडिया दुनिया भर के लोगों के साथ संपर्क में रहने का एक बेहतरीन साधन है, लोगों के साथ आमने-सामने उलझने से बढ़कर कुछ नहीं है। यदि आप अपने सोशल मीडिया खातों को हटा नहीं सकते हैं, तो अपने उपयोग को सीमित करने का प्रयास करें।

(लेखक मनोवैज्ञानिक और मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ हैं।